शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित * * * गुरुवार 11 अप्रैल 2024 ● चैत्र शुक्ल 03 , संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 3 ● वर्ष : 2, अंक : 3

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	26.5	14.5
जमशेदपुर	38.0	23.8
डालटनगंज	38.8	23.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

ब्रीफ खबरें

विपक्ष के खिलाफ जांच एजेंसियां हथियार: कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के कथित शराब घोटाले के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बुधवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने ईडी, सीबीआई और आईटी के साथ गठबंधन कर रखा है और इन जांच एजेंसियों को विपक्षी नेताओं के खिलाफ हथियार की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है. पार्टी प्रवक्ता अभिषेक सिंघवी ने यह भी कहा कि जांच एजेंसियों का दुरूपयोग लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है. उन्होंने सवाल किया कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बने हुए महीनों हो चुके हैं, उसके बाद भी कथित शराब घोटाले के मामले में अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

जेएनयू देश का शीर्ष विश्वविद्यालय बना

नयी दिल्ली। वैश्विक क्यूएस विश्वविद्यालय रैंकिंग के अनुसार आईआईएम अहमदाबाद व्यवसाय एवं प्रबंधन अध्ययन श्रेणी में विश्व के शीर्ष 25 संस्थानों में से एक है जबकि आईआईएम-बेंगलूर और आईआईएम-कलकत्ता शीर्ष 50 संस्थानों में शामिल हैं. क्यूएस रैंकिंग बुधवार को जारी की गई. उच्च शिक्षा विश्लेषण संबंधी कंपनी क्वाक्वेरेली साइमंड्स (क्यूएस), लंदन द्वारा घोषित प्रतिष्ठित रैंकिंग में जेएनयू भारत में सर्वोच्च रैंक वाला विश्वविद्यालय है. विकास अध्ययन श्रेणी में यह विश्वविद्यालय विश्व स्तर पर 20वें स्थान पर है.

केजरीवाल की अपील सुनेगा सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने बुधवार को कहा कि वह दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की ओर से उनकी गिरफ्तारी को बरकरार रखने के दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका को शीघ्र सूचीबद्ध करने संबंधी अनुरोध पर विचार करेंगे. हालांकि उन्होंने इस मामले की तुरंत सुनवाई करने से इन्कार कर दिया और कहा कि मामले की मेरिट के आधार पर सुनवाई होगी.

सेंसेक्स पहली बार 75,000 अंक के पार

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 354 अंक चढ़कर पहली बार 75,000 अंक के ऊपर बंद हुआ. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी नये रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ. मुख्य रूप से दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी), ऊर्जा तथा धातु शेयरों में लाभ से बाजार में तेजी रही. 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 354.45 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की बढ़त के साथ अपने अबतक के उच्चतम स्तर 75,038.15 अंक पर बंद हुआ. शेयर और मुद्रा बाजार ईद के मौके पर गुरुवार को बंद रहेंगे.

संदेशखाली मामले की सीबीआई जांच

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं के खिलाफ अपराध और भूमि पर कब्जा करने के आरोपों की जांच सीबीआई से कराने के बुधवार को आदेश दिए. हाईकोर्ट ने कहा कि संदेशखाली के सभी मामलों की जांच सीबीआई को सौंपी जा रही है.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	66,900
चांदी (किलो)	85,000

इंडी के लोग शक्ति का अपमान कर रहे

द्रमुक के पास भ्रष्टाचार का पहला कॉपीराइट है

चेन्नई। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन के लोग शक्ति का अपमान करते हैं और महिलाओं से दुर्व्यवहार करते हैं. कहा कि हर कोई जानता है कि द्रमुक ने जयललिता के साथ कैसा व्यवहार किया था. पीएम ने दावा किया कि एनडीए को राज्य समेत पूरे देश में जबरदस्त समर्थन मिल रहा. उन्होंने कहा, एनडीए ने पिछले 10 साल में विकसित भारत की नींव तैयार की है. मोदी ने सत्तारूढ़ द्रमुक पर निशाना साधते हुए कहा कि भ्रष्टाचार पर पहला कॉपीराइट द्रमुक का है. सीएम स्टालिन का पूरा परिवार राज्य को लूट रहा. मोदी ने वेल्लोर में रैली के दौरान आरोप लगाया कि द्रमुक एक पारिवारिक कंपनी है, जो अपनी पुरानी मानसिकता से राज्य के युवाओं के विकास में बाधा डाल रही है.

स्टालिन ने किया तगड़ा पलटवार -बोले

पीएम मोदी मौसम में आनेवाले प्रवासी पक्षी

चेन्नई। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन ने राज्य में पीएम मोदी के चुनाव-प्रचार पर आपत्ति जताते हुए उनके दौरे की तुलना अनुकूल मौसम में आने वाले प्रवासी पक्षी से की. उन्होंने मोदी से सवाल भी किये. कहा कि पीएम कई गारंटी लेकर चुनाव अभियान के लिए आये क्योंकि उनका गुजरात मॉडल और चौकीदार की भूमिका तो उजागर हो चुके हैं. उन्होंने कहा, चुनाव में पीएम मोदी तमिलनाडु में उसी तरह मंडराते हैं, जैसे मौसम के दौरान प्रवासी पक्षी अभयारण्य में आते हैं. उन्होंने पूछा कि क्या वह जाति गणना कराने की गारंटी दे सकते हैं, आरक्षण की सीमा को हटा कर एससी, एसटी व ओबीसी के लिए सख्ती से आरक्षण को लागू कर सकते हैं, क्या तमिलनाडु को एनईईटी से छूट दे सकते हैं.

मोदी के हमले पर राहुल गांधी बोले

झूठ की बौछार करने से इतिहास नहीं बदलता है

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पार्टी के घोषणा पत्र को लेकर पीएम मोदी और भाजपा द्वारा किये जा रहे हमले पर पलटवार किया है. राहुल ने कहा कि मंचों से झूठ की बौछार करने से इतिहास नहीं बदलता. मोदी ने हाल ही में जनसभाओं में कहा था कि चुनाव के लिए जारी कांग्रेस के घोषणा पत्र में मुस्लिम लीग की छाप नजर आती है. राहुल ने एक्स पर पोस्ट किया, यह चुनाव दो विचारधाराओं की लड़ाई है. एक तरफ कांग्रेस है, जिसने भारत को जोड़ा और दूसरी तरफ वो हैं, जिन्होंने हमेशा लोगों को बांटने की कोशिश की. इतिहास गवाह है कि किसने देश विभाजक ताकतों से हाथ मिलाया.और कौन देश की एकता और स्वतंत्रता के लिए लड़ा. कौन अंग्रेजों के साथ खड़ा था? जब भारत की जेलें कांग्रेसी नेताओं से भर गयी थीं.

मछली विवाद पर तेजस्वी ने कसा तंज

भाजपा के लोग आईक्यू टेस्ट में फेल हो गये हैं

पटना। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और राजद नेता तेजस्वी यादव ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा है कि मैंने तो इन लोगों का आईक्यू टेस्ट करने के लिए मछली खाने वाला वीडियो वायरल कर दिया था. लेकिन भाजपा के लोग आईक्यू टेस्ट में पूरी तरह फेल रहे. उन्होंने कहा, भाजपाइयों ने वीडियो डालने की तारीख भी नहीं देखी और मेरे खिलाफ पिल पड़े. तेजस्वी ने कहा, वह वीडियो नवरात्र से पहले का आठ अप्रैल का है. लेकिन विरोधियों को इन सबसे कोई वास्ता नहीं है. बता दें कि इससे पहले तेजस्वी यादव बुधवार को सोशल मीडिया पर साझा किए गए कथित वीडियो को लेकर आलोचनाओं के घेरे में आ गए, जिसमें वह नवरात्र के दौरान हेलीकॉप्टर में मछली खाते नजर आ रहे हैं.

आरोप : सरयू राय ने फिर ढुल्लू पर बोला हमला, कहा

बेटे के नाम पर खरीदी 2.06 करोड़ की जमीन

तीन अलग-अलग रजिस्ट्री के अनुसार है 80 डिसमिल जमीन

- भाजपा के झारखंड प्रभारी को उपलब्ध कराया कागजात

प्रमुख संवाददाता। रांची

निर्दलीय विधायक सरयू राय ने एक बार फिर से ढुल्लू महतो पर हमला बोला है. बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो धनबाद से बीजेपी के उम्मीदवार हैं. सरयू राय ने भाजपा के झारखंड प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी सहित बीजेपी के राष्ट्रीय और राज्य नेताओं को ढुल्लू महतो द्वारा खरीदी गई जमीन का विवरण उपलब्ध कराया है. सरयू राय ने बताया कि ढुल्लू महतो ने अपने 20 वर्षीय पुत्र प्रशांत कुमार के नाम पर वर्ष 2022 में 2.06 करोड़ की जमीन खरीदी है.

रजिस्ट्री के दस्तावेज मेरे पास उपलब्ध : राय ने कहा है कि इन भूखंडों की रजिस्ट्री के दस्तावेज की प्रति मेरे पास उपलब्ध है. इन भूखंडों के म्यूटेशन करने के लिए वहां के अंचलाधिकारी कार्यालय में की जा रही कार्रवाई के बारे में आधिकारिक दस्तावेज सार्वजनिक कर रहा हूं. तीन अलग-अलग की गई रजिस्ट्रियों के अनुसार, खरीदे गये भूखंडों का क्षेत्रफल करीब 80 डिसमिल है. ये भूखंड धनबाद के नवाडीह में स्थित है. उन्होंने कहा है कि भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं, खास कर झारखंड प्रदेश के प्रभारी को अपने ज्ञान के अनुसार स्पष्टीकरण देना चाहिए और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की उक्तियों के अनुरूप प्रभारी की भूमिका का निर्वाह करना चाहिए.

भूखंडों की खरीद और भुगतान किया हुआ स्टांप शुल्क

(क). भूखंड संख्या -1

ख़रीद की तिथि -	5 जनवरी 2022
भूखंड का क्षेत्रफल -	16 डिसमिल
भूखंड का पता –	मौजा–नवाडीह, सर्किल–धनबाद
भूखंड की क़ीमत -	46,75,000 रुपए
स्टाम्प शुल्क भुगतान -	1,87,000 रुपए
भूखंड का क्रेता -	प्रशांत कुमार, उम्र - 21 वर्ष
अभिभावक -	ढुल्लू महतो, ग्राम– चिटाही, पो. - टुंडू, थाना - बरोरा, बाघमारा, जिला–धनबाद.
भूखंड विक्रेता -	कामख्या नारायण सिंह, अंबिकापुरम, एलसी रोड, धनबाद.
खाता नंबर-	36 और 50
प्लॉट नंबर-	1623, 1672, 1624

(ख).भूखंड संख्या - 2

ख़रीद की तिथि -	24 जनवरी 2022
भूखंड का क्षेत्रफल -	56 डिसमिल
भूखंड का पता –	मौजा नवाडीह, सर्किल–धनबाद
भूखंड की क़ीमत -	1,36,36,000 रुपए
स्टाम्प शुल्क भुगतान -	5,45,450 रुपए
भूखंड का क्रेता -	प्रशांत कुमार, उम्र - 21 वर्ष
अभिभावक -	ढुल्लू महतो, ग्राम– चिटाही बस्ती,पो. - टुंडू, थाना - बरोरा, बाघमारा, जिला–धनबाद.
भूखंड विक्रेता -	कामख्या नारायण सिंह एवं आशा देवी, अंबिकापुरम, एलसी रोड, धनबाद.
खाता नंबर-	50
प्लॉट नंबर-	1624 और 1626

(ग).भूखंड संख्या - 3

ख़रीद की तिथि -	29 अप्रैल 2022
भूखंड का क्षेत्रफल -	8 डिसमिल
भूखंड का पता –	मौजा–नवाडीह, सर्किल–धनबाद
भूखंड की क़ीमत -	23,40,000 रुपए
स्टाम्प शुल्क भुगतान -	93,600 रुपए
भूखंड का क्रेता -	प्रशांत कुमार, उम्र - 21 वर्ष
अभिभावक -	ढुल्लू महतो, ग्राम– चिटाही, पो. - टुंडू, थाना– बरोरा, बाघमारा, जिला–धनबाद.
भूखंड विक्रेता -	नारायण मंडल, करोयाटांड, बर्ली अड्डा, धनबाद.
खाता नंबर-	104
प्लॉट नंबर-	1624 और 1674

इन भूखंडों की सरकारी दर पर कीमत और स्टांप शुल्क के भुगतान का ब्यौरा

क. भूखंड की सरकारी दर पर क़ीमत - 46,75,000 रुपए

ख. भूखंड की सरकारी दर पर क़ीमत - 1,36,36,000 रुपए

ग. भूखंड की सरकारी दर पर क़ीमत - 23,40,000 रुपए

तीन भूखंडों की सरकारी दर पर कुल कीमत - 2,06,51,000 रुपए

क. स्टाम्प शुल्क भुगतान -1,87,000 रुपए

ख. स्टाम्प शुल्क भुगतान - 5,45,450 रुपए

ग. स्टाम्प शुल्क भुगतान - 93,600 रुपए

कुल स्टांप शुल्क भुगतान का जोड़ - 8,26,050 रुपए

एनटीपीसी के खनन के दुष्प्रभाव से फिर हादसा

अब बिरहोर बेटे की मौत

विरोध

प्रवीण कुमार/ प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग/रांची

एनटीपीसी के एमडीओ ऋत्विक-एएमआर द्वारा चट्टी बरियातू की कोयला खदान से महज कुछ मीटर की दूरी पर आदिम जनजाति बिरहोर कॉलोनी में मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा. 28 फरवरी को नाबालिग किरणी बिरहोर की मौत के बाद एनटीपीसी और प्रशासन की लापरवाही पर गंभीर सवाल उठे. इसबीच 36 वर्षीय बहादुर बिरहोर की मौत बुधवार भोर में हो गई. बहादुर बिरहोर की मौत से गुस्साए बिरहोरों ने कोल माइंस का काम सुबह छह बजे से दोपहर एक बजे दिन तक पूरी तरह से ठप करा दिया. कोयला खनन और ढुलाई ठप था.

बिरहोर अपने समुदाय के युवा बेटे की मौत के लिए आउटसोर्सिंग एजेंसी ऋत्विक और एनटीपीसी प्रबंधन को जिम्मवार बताते हुए कार्रवाई की मांग कर रहे थे. साथ ही जिम्मेवारों से उचित मुआवजा दिलाने की मांग कर रहे थे. मृतक के परिजनों का आरोप है उनकी बिरहोर कॉलोनी के पास ही खदान में कोयला खनन के लिए ब्लास्टिंग होती है, जिससे प्रदूषण फैल रहा है. -शेष पेज 7 पर

बिरहोरों ने कोयला खनन और ट्रांसपोर्टिंग घंटों ठप रखा

बहादुर के पहले किरणी बिरहोर की हो चुकी है मौत

आदिम जनजाति बिरहोर कॉलोनी निवासी बहादुर बिरहोर की मौत से पलहे बीते 28 फरवरी को चट्टी बरियातू कोल माइंस क्षेत्र केपास पगार स्थित बिरहोर कॉलोनी निवासी किरणी बिरहोर की मौत 28 फरवरी को संदेहास्पद परिस्थिति में हो चुकी है. किरणी बिरहोर की मौत के डेढं माह के बाद ही बहादुर बिरहोर की मौत हो गई. किरणी बिरहोर की मौत की जांच के लिए राज्य सरकार से लेकर केंद्र सरकार तक किए जाने के बाद जिला प्रशासन हरकत में आया था. मामले की जांच भी हुई, लेकिन रिपोर्ट का कुछ पता नहीं चला.

बाबा रामदेव की माफी ठुकराते हुए सुप्रीम कोर्ट ने की सख्त टिप्पणियां

हम अंधे नहीं हैं, नतीजा भुगतना होगा

एजेंसियां। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने भ्रामक विज्ञापन मामले में योग गुरु रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण द्वारा बिना शर्त माफी मांगने के लिए दायर किए गए हलफनामों को स्वीकार करने से बुधवार को इनकार कर दिया और कहा कि उन्होंने ऐसा तब किया जब उनकी गलती पकड़ ली गई.

न्यायमूर्ति हिमा कोहली और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा, हम इस मामले में इतने उदार नहीं बनना चाहते. कोर्ट ने इस मामले पर निष्क्रियता बरतने के लिए राज्य लाइसेंसिंग प्राधिकरण के प्रति भी कड़ी नाराजगी जताई और कहा कि वह इसे हल्के में नहीं लेगा. पीठ ने कहा, हम आपकी बखिया उधेड़ देंगे. -शेष पेज 7 पर

शीर्ष कोर्ट की 5 सख्त टिप्पणियां

1. जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा, आप हलफनामे में धोखाधड़ी कर रहे, किसने तैयार किया? मुझे तो आश्चर्य है. जस्टिस कोहली ने कहा, वैसे भी हम इस पर फैसला करेंगे, हम इसको जानबूझ कर आदेश की अवहेलना मान रहे हैं. इस हलफनामे को ठुकराते हैं, ये सिर्फ कागज का टुकड़ा है. हम अंधे नहीं हैं, हमें सब दिखता है.
2. **इस पर सोलिसिटर जनरल ने कहा, गलतियां हो जाती हैं, तो कोर्ट ने कहा, गलती पर सजा भी मिलती है. उन्हें भुगतना पड़ता है, तकलीफ उठानी पड़ती है.**
3. कोर्ट ने कहा, ड्रग्स लाइसेंसिंग अफसरों को सस्पेंड किया जाए. ये लोग दबदबा बनाते हैं और इसे स्वीकार भी कर लिया जाता है. अदालत का मखौल बनाया जा रहा है. इनका कहना है कि विज्ञापन का उद्देश्य लोगों को आयुर्वेदिक दवाओं से जोड़े रखना है, मानो ये दुनिया में आयुर्वेदिक दवाएं लाने वाले पहले शख्स हों.
4. **ड्रग्स विभाग के ज्वाइंट डायरेक्टर को फटकार लगाते हुए कोर्ट ने कहा, आपको शर्म आनी चाहिए, क्यों न आपके खिलाफ कार्रवाई हो. लोग मर जाएं आप बस वार्निंग देते रहें. बहुत नौकरी कर ली. अब घर पर बैठिए. बुद्धि नहीं आई है.**
5. जस्टिस हिमा कोहली ने कहा कि आप चाहते हैं कि हम एक आदमी को माफ कर दें. उन सभी लोगों का क्या जिन्होंने आपकी दवा खाई थी. उनके बारे में क्या जिनके बारे में कहा गया था कि ये बीमारी दूर कर देंगी, जबकि इनका इलाज ही नहीं हो सकता था.

एक्सक्लूसिव झारखंड वन सेवा नियुक्ति, प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्त नियमावली 2024 की अधिसूचना जारी

महिलाओं को नौकरी चाहिए तो 4 घंटे में 14 किमी पैदल चलना होगा

रवि भारती। रांची

राज्य में अगर महिलाओं को वन विभाग में नौकरी करनी हो, तो उन्हें चार घंटे में 14 किलोमीटर पैदल चलना होगा. वहीं पुरुष अभ्यर्थियों को परीक्षा पास करने के लिए चार घंटे में 25 किलोमीटर पैदल चलना होगा. वन विभाग ने झारखंड वन सेवा नियुक्ति, प्रोन्नति व अन्य सेवा शर्त नियमावली 2024 की अधिसूचना जारी कर दी है. यह अधिसूचना वन विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल के हस्ताक्षर से जारी की गई है.

फ्लैट फूट वाले उम्मीदवार माने जाएंगे अयोग्य : नियमावली की शर्तों के अनुसार, उम्मीदवार का स्वास्थ्य अच्छा होना अनिवार्य होगा. उसे झारखंड वन सेवा के सदस्य के रूप में दक्षतापूर्वक कर्तव्यपालन करने में बाधा डालने वाली शारीरिक दिव्यांगता से मुक्त होना चाहिए. वर्णांधता, रतौंधी एवं फ्लैट फुट वाले उम्मीदवार अयोग्य माने जायेंगे. उम्मीदवार की आयु अधियाचना वर्ष की पहली अगस्त को 21 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए.

झारखंड वन सेवा नियुक्ति, प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्त नियमावली 2024 की अधिसूचना जारी

- पुरुष अभ्यर्थियों को चार घंटे में 25 किलोमीटर पैदल चलना होगा
- रिश्तेदार अगर मिर्गी या पागलपन से पीड़ित है, तो देना होगा विवरण

क्या होगी शारीरिक योग्यता

अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवार के पुरुष अभ्यर्थियों की ऊंचाई 152.5 सेंटीमीटर होनी चाहिए, जबकि इसी कैटेगरी में महिला उम्मीदवारों की ऊंचाई 145 सेंटीमीटर होनी चाहिए. अन्य कोटि में पुरुष अभ्यर्थियों की ऊंचाई 163 सेंटीमीटर होनी चाहिए, जबकि महिला अभ्यर्थियों की ऊंचाई 150 सेंटीमीटर होनी चाहिए. वहीं पुरुष अभ्यर्थियों के सीने की चौड़ाई बिना सीना फुलाए 79 सेंटीमीटर होनी चाहिए.

उम्मीदवारों का इनका देना होगा विवरण

- छोटी चेचक, आर्वतक या कोई अन्य बुखार, पीव सहित गिल्टी की अपवृद्धि, रक्त वमन, अस्थमा, फेफड़ों का सूजन, हृदय की बीमारी, बेहोशी का दौरा, गठिया, उंडुक पुच्छ से पीड़ित हुए हैं ?
- **दुर्घटना जनित कोई अन्य बीमारी, जिसमें परिरोध अपेक्षित हो या कोई चिकित्सकीय या शल्य चिकित्सा अपेक्षित हो? शरीर पर कोई स्थायी कुप्रभाव या दिव्यांगता का उल्लेख करें.**
- अंतिम टीकाकरण कब हुआ था?
- **यक्ष्मा, गंडमाला, गठिया, अस्थमा, मूर्छा मिर्गी या पागलपन से ग्रसित हुए हैं?**
- अत्यधिक कार्यवश या किसी अन्य कारणवश अधीरता से ग्रसित हुए हैं ?
- **कभी हेपेटाइटिस या एड्स से ग्रसित हुए हैं ?**

पूर्व विधायक पौलुस सुरीन व जेठा को उम्र कैद की सजा

संवाददाता। रांची

रांची सिविल कोर्ट ने पूर्व विधायक पौलुस सुरीन और पीएलएफआई कमांडर जेठा कच्छप को उम्रकैद की सजा सुनाई है. साथ ही अदालत ने दोनों दोषियों पर आर्थिक दंड भी लगाया है. कोर्ट ने पौलुस सुरीन पर 25000 और जेठा कच्छप पर 45000 रुपए का जुर्माना लगाया है. अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि जुर्माने की राशि नहीं देने पर दोनों दोषियों को एक साल की अतिरिक्त सजा काटनी होगी. सभी पक्षों की ओर से सुनवाई पूरी होने के बाद 6 अप्रैल को पौलुस सुरीन और जेठा को दोषी ठहराया गया था. उसी दिन पौलुस सुरीन को न्यायिक हिरासत में ले लिया गया था. जबकि जेठा कच्छप पूर्व से ही अलग अलग मामलों में न्यायिक हिरासत में हैं.

भूषण सिंह और राम गोविंद सिंह की हत्या का आरोप : पौलुस सुरीन और जेठा कच्छप पर ठेकेदार भूषण सिंह और राम गोविंद सिंह की हत्या का आरोप था. इस घटना को 27 मई 2013 को अंजाम दिया गया था. घटना के बाद मृतक के भाई ने खूंटी के कर्रा थाना में कांड संख्या 27/2013 के तहत प्राथमिकी दर्ज करायी थी. मामले में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 12 गवाहों को प्रस्तुत किया गया. जबकि बचाव पक्ष की ओर से एक गवाह पेश किया गया था. वहीं मामले में ट्रायल फेस कर रही तीन महिलाओं समेत चार को पर्याप्त साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया है.

अब तक 18 लोकसभा चुनावों में हजारीबाग की जनता ने राज परिवार से लेकर अलग-अलग राजनीतिक दलों को दिया मौका

17 बार स्थानीय को भेजा संसद, मंत्री भी बने, फिर भी क्षेत्र का विकास नहीं

प्रमोद उपाध्याय। रांची/हजारीबाग

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र की जनता अब तक 18 बार अलग-अलग दलों के प्रत्याशियों को चुनकर संसद भेज चुकी है. इसमें सात बार भाजपा, दो-दो बार कांग्रेस व भाकपा के प्रत्याशी सांसद चुने जा चुके हैं. वहीं, वर्ष 1952 में देश में पहली बार हुए आम चुनाव में यहां की जनता ने प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी व समाजसेवी बाबू राम नारायण सिंह को विजयी बनाकर संसद भेजा था.

हजारीबाग की जनता ने पांच बार राज परिवार के सदस्यों को भी चुनाव में विजयी बनाया. इतना ही नहीं बाहर के उम्मीदवार का भी खुले दिल से स्वागत किया. वर्ष 1968 के लोकसभा चुनाव में प्रख्यात होटल कारोबारी एवं ओबराय होटल एंड रिसाट्र्स के संस्थापक मोहन सिंह ओबराय को भी विजयी बना कर संसद भवन भेजा था. इन्हें छोड़ 18 में से 17 चुनावों में यहां की जनता ने स्थानीय उम्मीदवारों पर ही अपना भरोसा जताया. इसके बावजूद हजारीबाग संसदीय क्षेत्र समुचित विकास से वंचित रहा है. हजारीबाग जिले में प्लांट, फैक्ट्री और रोजगार की व्यवस्था करना तो दूर की बात, कई गांवों में आज भी कई सड़कें, नालियां और गलियां तक अधूरी हैं.

विकास गौण

- सबसे ज्यादा सात बार भाजपा के उम्मीदवार को जिताया
- दो-दो बार कांग्रेस व भाकपा के प्रत्याशी को संसद भेजा
- राज परिवार से बसंत नारायण सिंह चार बार सांसद रहे

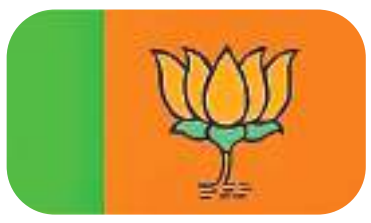

वर्ष 1957 में रानी ललिता राजे लक्ष्मी पर हजारीबाग की जनता ने अपना भरोसा जताया

देश के दूसरे आम चुनाव यानी वर्ष 1957 में रानी ललिता राजे लक्ष्मी पर हजारीबाग की जनता ने अपना भरोसा जताया और उन्हें विजयी बनाया. रानी ललिता राजे रामगढ़ के राजा बहादुर कामख्या नारायण सिंह की पत्नी और नेपाल के कमांडिंग जनरल शेरे जंग बहादुर राणा की पुत्री थीं. उन्होंने छोटानागपुर संथाल परगना जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा था. इसके बाद वर्ष 1962 और 1967 में लगातार दो बार राजा बहादुर कामख्या नारायण सिंह के पुत्र कुंवर बसंत नारायण सिंह को क्रमशः स्वतंत्र पार्टी के टिकट और निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर जनता ने विजय का हार पहनाया. इसके बाद वर्ष 1977 और 1980 के आम चुनाव में भी जनता ने अपने कुंवर पर भरोसा जताया और उन्हें जनता पार्टी के टिकट पर विजयी बना कर संसद भवन भेजा.

गांव-गांव में करोड़ों रुपये खर्च कर स्वास्थ्य केंद्र की बिल्डिंग खड़ी कर दी गई है

वहीं शिक्षा और स्वास्थ्य की बात करें, तो गांव-गांव में करोड़ों रुपये खर्च कर स्वास्थ्य केंद्र की बिल्डिंग खड़ी कर दी गई हैं, लेकिन उसमें न तो डॉक्टर हैं और न ही स्वास्थ्य से संबंधित कोई व्यवस्था. शिक्षा व्यवस्था तो सबसे ज्यादा बदहाल है. प्रत्येक वर्ष स्कूल की बिल्डिंग बनाई जाती है, लेकिन जरूरत के अनुसार शिक्षक नहीं हैं. ऐसे में करदाता के करोड़ों रुपये बर्बाद हो जाते हैं. सांसद भी लोकसभा में कभी भी शिक्षक और डॉक्टर की कमी का मुद्दा नहीं उठाते हैं. हालांकि चुनाव के समय लोकलुभावन वादे कर अपनी राजनीतिक रोटियां जरूर सेंकते हैं. हालांकि यह भी कड़वा सच है कि चुनाव में जनता भी शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था के मुद्दों पर शायद ही मतदान करती है. अगर ऐसा होता तो, इस क्षेत्र की स्थिति बदल सकती थी.

हजारीबाग सीट से चुने गये अब तक के सांसद

वर्ष	राजनीतिक पार्टी	विजेता
1952	छोटानागपुर संथाल परगना जनता पार्टी	रामनारायण सिंह
1957	छोटानागपुर संथाल परगना जनता पार्टी	ललिता राजे लक्ष्मी
1962	स्वतंत्र पार्टी	कुंवर बसंत नारायण सिंह
1967	निर्दलीय	कुंवर बसंत नारायण सिंह
1968	झारखंड पार्टी	मोहन सिंह ओबेराय
1971	कांग्रेस	दामोदर पांडेय
1977	जनता पार्टी	कुंवर बसंत नारायण सिंह
1980	जनता पार्टी	कुंवर बसंत नारायण सिंह
1984	कांग्रेस	दामोदर पांडेय
1989	भाजपा	यदुनाथ पांडेय
1991	भाकपा	भुवनेश्वर प्रसाद मेहता
1996	भाजपा	महावीर लाल विश्वकर्मा
1998	भाजपा	यशवंत सिन्हा
1999	भाजपा	यशवंत सिन्हा
2004	भाकपा	भुवनेश्वर प्रसाद मेहता
2009	भाजपा	यशवंत सिन्हा
2014	भाजपा	जयंत सिन्हा
2019	भाजपा	जयंत सिन्हा

क्या कहती है हजारीबाग संसदीय क्षेत्र की जनता

सभी पार्टियों को दिया मौका, किया निराश : नरेश

कटकमसांडी प्रखंड के पबरा निवासी नरेश राणा ने बताया कि हजारीबाग की जनता सभी पार्टियों को मौका दे चुकी है. इसमें सात बार भाजपा, दो बार कांग्रेस और दो बार भाकपा के सांसद चुने गए. लेकिन चुनाव जीतने के बाद किसी भी सांसद ने शिक्षा और स्वास्थ्य के मुद्दे पर लोकसभा में कभी आवाज नहीं उठाई. हां, पांच साल बीत जाने के बाद फिर से नेताजी भोलीभाली जनता को व्यक्तिगत लाभ देने की लंबी-लंबी डींगे हांक कर गुमराह जरूर करते हैं.

हर बार निराशा ही हाथ लगी है: किशोरी राम

कंसार निवासी किशोरी राम ने बताया कि अब तक चुने गए लगभग सभी सांसद हजारीबाग जिले के रहे हैं. इसके बावजूद इन्होंने क्षेत्र का समुचित विकास नहीं करवाया. जिले की जनता ने अब तक विभिन्न दलों के 18 नेताओं को चुनकर इस उम्मीद से लोकसभा भेजा कि आम लोगों का मुद्दे संसद में उठाए जाएंगे, लेकिन हर बार निराशा ही हाथ लगी. आज भी रोजगार का अभाव होने के कारण यहां के महिला, पुरुष दूसरे राज्यों में जाकर काम करने के लिए मजबूर हैं.

सांसद का विकास हुआ, क्षेत्र का नहीं : रामू

खुटरा निवासी रामू राम ने बताया कि सात बार भाजपा के सांसद चुने गए, जिनमें तीन बार यशवंत सिन्हा और दो बार उनके पुत्र जयंत सिन्हा शामिल हैं. एक-एक बार महावीर विश्वकर्मा और एक बार यदुनाथ पांडेय को भी चुना. वहीं, कांग्रेस के दामोदर पांडे दो बार सांसद चुने गये और दो बार भाकपा के भुवनेश्वर मेहता को जनता ने चुनकर लोकसभा भेजा. ये सभी हजारीबाग जिले के हैं. सांसद चुने जाने के बाद इनका खूब विकास हुआ, लेकिन क्षेत्र का नहीं.

एक गैस प्लांट आया, वह भी अधूरा है : अनिल डंड

सदर प्रखंड के डंडे निवासी अनिल कुमार डंड ने बताया कि तीन साल पहले शहर के चानो में गैस फ्यूल का प्लांट लग रहा था, जिसमें कई लोगों को रोजगार मिल सकता था. लेकिन वह आज तक अधूरा है. फिर से चुनाव आ गया. अब नेताजी अपनी क्या उपलब्धि गिनवाएंगे. इस बार भी प्लांट का निर्माण पूरा कर रोजगार उपलब्ध कराने के झूठे और खोखले आश्वासन देकर जनता को ठगने का प्रयास किया जाएगा. अब जनता इनलोगों के झांसे में आनेवाली नहीं.

ब्रीफ खबरें

हाईकोर्ट में उपस्थित हुए रिम्स डायरेक्टर

रांची। मंगलवार को झारखंड हाईकोर्ट द्वारा दिए गए आदेश के आलोक में रिम्स के निदेशक बुधवार को हाईकोर्ट के समक्ष उपस्थित हुए. सुनवाई के दौरान कोर्ट ने उनसे रिम्स में चिकित्सा उपकरणों की स्थिति क्या है के अलावा उनसे यह भी बताने को कहा कि रिम्स में सुधार के लिए क्या-क्या कदम उठाए जाने चाहिए. अदालत ने उन्हें सभी जानकारी चार सप्ताह में शपथ पत्र के माध्यम से दाखिल करने का निर्देश दिया है. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में हुई. दरअसल रिम्स में बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने, बुनियादी सुविधा दिलाने, एमआरआई मशीन सहित अन्य चिकित्सा उपकरण को ऑपरेशनल रखने को लेकर ज्योति शर्मा की ओर से जनहित याचिका दायर हुई है.

शराब टेंडर मामले में कपिल ने रखा सरकार का पक्ष

रांची। झारखंड में थोक शराब के लिए जारी टेंडर में गड़बड़ी की जांच को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान देश के वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कोर्ट को यह जानकारी दी कि हाईकोर्ट के आदेश के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है. इसलिए फिलहाल हाईकोर्ट इस मामले की सुनवाई न करे. जिसके बाद कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 30 अप्रैल की तिथि निर्धारित की है. दरअसल शराब के लिए जारी टेंडर में गड़बड़ी की जांच को लेकर अधिवक्ता राजीव कुमार ने जनहित याचिका दायर की थी. पूर्व में हुई सुनवाई में अदालत राजीव कुमार का नाम इस केस से हटाते हुए संज्ञान लेकर सुनवाई कर रही है.

हाईकोर्ट के कड़े रुख के बाद सरकार हुई रेस

जून-जुलाई के मध्य नगर निकाय चुनाव करा सकती है सरकार

कौशल आनंद। रांची

राज्य सरकार जून-जुलाई के मध्य राज्य में नगर निकाय चुनाव करवा सकती है. इस बाद के संकेत राज्य पिछड़ा आयोग ने दिए हैं. हाईकोर्ट के कड़े रुख के बाद सरकार और आयोग रेस हो हैं. राज्य पिछड़ा आयोग पिछड़ा वर्ग को आरक्षण देने के लिए ट्रिपट टेस्ट की तैयारी में भी जुट गया है. संकेत दिया है कि जैसे ही राज्य में आचार संहिता समाप्त होगी, आयोग अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप सकती है. इसके बाद राज्य में नगर निकाय चुनाव का रास्ता साफ हो जाएगा.

हाईकोर्ट ने अपने पुराने आदेश में रोक लगाने से कर दिया है इनकार, सरकार दबाव में : हाईकोर्ट ने अपने पुराने 4 जनवरी के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है. चार जनवरी को हाईकोर्ट ने आदेश जारी करके कहा था कि सरकार तीन सप्ताह में चुनाव कराए. ट्रिपल टेस्ट का बहाना बनाकर सरकार निकाय चुनाव रोक नहीं सकती है. इसके बाद सरकार दबाव में आ गयी है. आयोग हर मंगलवार को ट्रिपट टेस्ट को लेकर बैठक कर रही है. नगर निकाय क्षेत्र में ओबीसी को आरक्षण देने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने ट्रिपल टेस्ट कराने का आदेश दिया है. इसलिए सरकार अब दोनों तरफ से फंस गयी है. सरकार के पास कोई अधिक विकल्प अब बचता नहीं दिख रहा है. सरकार के तरफ एक ओर कुआं और दूसरी तरफ खाई वाली स्थिति बन गयी है. इसलिए सरकार ने आयोग को ट्रिपल टेस्ट जल्द कराने का मौखिक निर्देश दिया है ताकि लोकसभा चुनाव के बाद जून से जुलाई के बीच नगर निकाय चुनाव कराया जा सके.

ट्रिपल टेस्ट को लेकर राज्य पिछड़ा आयोग कर चुका है तीन-चार बैठक

पिछले साल अप्रैल में समाप्त हो चुका है नगर निकायों का कार्यकाल

रांची सहित राज्य के सभी नगर निकायों का कार्यकाल बीते वर्ष अप्रैल में समाप्त हो चुका है. नया चुनाव 27 अप्रैल तक करा लिए जाने थे. सरकार चुनाव की तैयारी भी कर ली थी. मगर आजसू पार्टी सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने नगर निकायों में ओबीसी आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी. सरकार की तैयारी के बीच कोर्ट का आदेश आ गया है और चुनाव टल गया.

चुनाव नहीं होने से हो रहे हैं ये नुकसान

झारखंड में नगर निकायों का चुनाव नहीं होने से राज्य सरकार को आर्थिक नुकसान हो रहा है. चुनाव कराने में विलंब के कारण 15वें वित्त आयोग की मदद से वंचित होना पड़ सकता है. शहरी निकायों के विकास के लिए आयोग से लगभग 1600 करोड़ रुपए पर झारखंड का दावा है. लेकिन, तय समय पर चुनाव नहीं होने से वित्त आयोग द्वारा मिलने वाली सहायता पर रोक लगायी जा सकती है. ऐसे में चुनाव में विलंब करना निकायों को कमजोर बनाना है. शहरी विकास, शहरों में नागरिक सुविधा विकसित करने तथा अपना संसाधन बढ़ाने के लिए नगर निकायों के लिए केंद्र सरकार द्वारा वित्त आयोग की अनुशंसाओं के आधार पर राज्यों को ग्रांट स्वीकृत की जाती है.

> आयोग युद्धस्तर पर तैयारी कर रही है, ताकि समय पर ट्रिपल टेस्ट हो जाए. इसके लिए हर मंगलवार को आयोग की बैठक हो रही है. ट्रिपल टेस्ट का जातिगत सर्वेक्षण से कोई लेना देना नहीं है. क्योंकि जातिगत सर्वेक्षण पूरे राज्य एवं सभी जातियों का होगा. जबकि ट्रिपल टेस्ट के केवल शहरी निकाय में बसे पिछड़ों का होगा. आयोग शत-प्रतिशत प्रयास करेगा कि आचार संहिता खत्म होते ही सरकार को रिपोर्ट सौंप दें. इसके बाद सरकार कभी भी चुनाव करा सकती है. **-योगेंद्र प्रसाद,** अध्यक्ष, झारखंड राज्य पिछड़ा आयोग

अगर ट्रेन से करना है सफर तो फिर यह खबर जरुर पढ़ें

संवाददाता। रांची

- आद्रा मंडल में चल रहे डेवलपमेंट वर्क के कारण आधा दर्जन ट्रेनों का परिचालन किया गया है रद्द

रेलवे के आद्रा मंडल में चल रहे डेवलपमेंट वर्क के कारण आधा दर्जन ट्रेनों का परिचालन रद्द कर दिया गया है. वहीं कई ट्रेनों के ठहराव में परिवर्तन किया गया है. रांची हावड़ा रांची एक्सप्रेस 28 और 29 अप्रैल को वाया कोटशिला, पुरुलिया, चांडिल, टाटानगर, खड़गपुर के रास्ते चलेगी. बोकारो के गिधनी स्टेशन पर 17 अप्रैल तक कई ट्रेनों को अस्थायी ठहराव दिया गया है. इन ट्रेनों का गिधनी स्टेशन पर ठहराव 11 से 17 अप्रैल तक होगा. रेलवे की मानें तो ठाकुर अनुकूल चंद्र के सत्संग उत्सव के कारण ट्रेनों को ठहराव दिया गया है.

इन ट्रेनों का परिचालन रद्द

आद्रा खड़गपुर मेमू 24 से 29 अप्रैल तक रद्द
शालीमार भोजूडीह शालीमार अरण्यक एक्सप्रेस 25 से 27 अप्रैल तक रद्द
खड़गपुर हटिया खड़गपुर एक्सप्रेस 25 से 29 अप्रैल तक रद्द
आद्रा गारबेटा आद्रा मेमू स्पेशल 27 से 29 अप्रैल तक रद्द
आसनसोल हल्दिया आसनसोल एक्सप्रेस 27 से 29 अप्रैल तक रद्द
आसनसोल दीघा आसनसोल एक्सप्रेस 28 अप्रैल तक रद्द

इन ट्रेनों को दिया गया है अस्थायी ठहराव

12813 हावड़ा टाटानगर स्टील एक्सप्रेस
12814 टाटानगर हावड़ा स्टील एक्सप्रेस
12871 हावड़ा टिटलागढ़ इस्पात एक्सप्रेस
12872 टिटलागढ़ हावड़ा इस्पात एक्सप्रेस
22861 हावड़ा कांटाबांजी इस्पात एक्सप्रेस
22862 कांटाबांजी हावड़ा इस्पात एक्सप्रेस
22891 हावड़ा रांची इंटरसिटी एक्सप्रेस
22892 रांची हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस का ठहराव रहेगा

सचिन मुंजाल हत्याकांड

पांडेय गिरोह के अपराधी गोविंद साव को एटीएस ने दबोचा

संवाददाता। रांची

रांची, रामगढ़ और हजारीबाग में सक्रिय पांडेय गिरोह के अपराधी गोविंद साव को एटीएस ने गिरफ्तार किया है. रामगढ़ एसपी ऋषभ कुमार झा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर एटीएस टीम ने ओडिशा से गोविंद साव को गिरफ्तार किया है. गोविंद मूल रूप से रामगढ़ जिला के रामगढ़ थाना क्षेत्र न्यू कॉलोनी सौदागर मोहल्ला का रहने वाला है. झारखंड एटीएस की जांच में खुलासा हुआ है कि हजारीबाग जेल में बंद पांडेय गिरोह का सरगना विकास तिवारी के निर्देश पर गोविंद राय ने हरियाणा के गुड़गांव के रहने वाले कारोबारी सचिन मुंजाल की हत्या में शामिल दो कुख्यात अपराधियों को पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिला के अशोकनगर में शरण दी थी.

दोनों अपराधियों को बालासोर छोड़ने गया था गोविंद : झारखंड एटीएस और हरियाणा पुलिस को सूचना मिली थी कि गोविंद राय ने कारोबारी की हत्या में शामिल अपराधियों को शरण दिया है. पुलिस की बढ़ती दबिश से परेशान होकर गोविंद राय ने दोनों अपराधियों को अपने स्कॉर्पियो गाड़ी में बैठाकर पश्चिम बंगाल से ओडिशा के बालासोर स्टेशन पर लाकर छोड़ दिया. इसके बाद झारखंड एटीएस और हरियाणा पुलिस की टीम ने गोविंद राय और दो अन्य अपराधियों को गिरफ्तार किया.

गोविंद पर पुलिस ने 25 हजार का इनाम रखा है

गोविंद साव पर झारखंड पुलिस ने 25 हजार का इनाम घोषित कर रखा है. गोविंद के खिलाफ रेप, हत्या, चोरी आईएस एक्ट जैसे कई मामले दर्ज हैं. बड़कागांव विधायक प्रतिनिधि बितका बाउरी हत्याकांड में भी गोविंद राय अभियुक्त था, जिसकी जांच एटीएस कर रही है.

नक्सली हिंसा में मारे गए लोगों के परिजनों को मिलेगा मुआवजा

संवाददाता। रांची

रांची समेत छह जिलों में नक्सली हिंसा में मारे गए लोगों के परिजनों को मुआवजा मिलेगा. इससे संबंधित आदेश गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है. जारी आदेश के मुताबिक लातेहार, गढ़वा, चाईबासा, रांची, गुमला और खूंटी जिले में नक्सली हिंसा में मारे गए छह लोगों को मुआवजा मिलेगा. इसे लेकर संबंधित जिले के डीसी को मुआवजा देने का निर्देश दिया गया है. सभी लोगों के परिजनों को एक-एक लाख रुपए का मुआवजा मिलेगा.

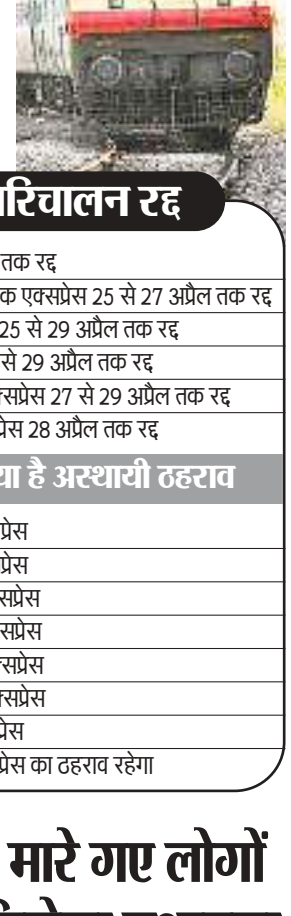

जानें किन मृत लोगों के परिजनों को मिलेगा मुआवजा

- लातेहार जिला नरेशगढ़ गांव का रहने वाला एतवा परहिया की माता को.
- गढ़वा जिला के डंडई थाना के बौलिया गांव की रहने वाली कलावती देवी के पुत्र शिवमुन्नी राम को.
- चाईबासा जिला के गोईलकेरा थाना क्षेत्र का रहने वाला रतन लाल की पत्नी सुखमती.
- रांची जिला लापुंग का रहने वाला जिदन होरो की पत्नी को.
- गुमला जिले के रहने वाले रामविलास गोप की पत्नी लीलावती देवी को
- खूंटी जिला के रहने वाले चमरा नाग की पत्नी नूतन देवी को

लोस चुनाव

एक समय भाजपा में दोनों अच्छे दोस्त के रूप में थे, जनता के लिए सदन में उठाते थे आवाज

मनीष और जयप्रकाश थे कभी साथ, अब चुनाव में हैं आमने-सामने

रवि भारती। रांची

राजनीति में कब कोई अपना रंग बदलेगा, इसका अनुमान लगाना बेहद मुश्किल है. कभी सदन में सुर में सुर मिलाते थे, आज वे एक दूसरे के आमने-सामने हो गए हैं. वहीं संसद में कभी पक्ष-विपक्ष में थे, आज साथ-साथ हैं. दरअसल, हजारीबाग सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार जेपी पटेल और बीजेपी के उम्मीदवार मनीष जायसवाल कभी बीजेपी के बैनर तले साथ-साथ रहा करते थे. दोनों ने अच्छे दोस्त के रूप में भी अपनी पहचान बना ली थी. सदन में भी मुखर होकर दोनों जनता की आवाज बुलंद किया करते थे, कई आंदोलनों में भी साथ-साथ रहे. अब दोनों चुनावी अखाड़े में आमने सामने हैं. दोनों एक दूसरे के खिलाफ बयानों के तीर चलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे.

एक बार पहले भी हो चुका है दोनों में भिड़ंत

खास बात यह है कि चुनाव मैदान में इन दोनों की एक बार पहले भी आमने-सामने भिड़ंत हो चुकी है. वर्ष 2011 में मांडू विधानसभा सीट पर विधायक टेकलाल महतो के निधन की वजह से उपचुनाव हुआ था. तब दिवंगत टेकलाल के पुत्र जयप्रकाश भाई पटेल झामुमो के उम्मीदवार थे, जबकि मनीष झारखंड विकास मोर्चा के. इस चुनाव में जयप्रकाश भाई पटेल ने बाजी मारी थी.

संसद में आमने-सामने थी अन्नपूर्णा और गीता

संसद में अन्नपूर्णा देवी सत्ता पक्ष में थीं, जबकि गीता कोड़ा विपक्ष में. अब गीता कोड़ा ने बीजेपी का दामन थाम लिया हैं. सिंहभूम से बीजेपी ने गीता कोड़ा को उम्मीदवार बनाया है. वहीं अन्नपूर्णा देवी कोडरमा से बीजेपी की उम्मीदवार हैं. वर्तमान में केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री भी हैं. अन्नपूर्णा देवी ने 2019 में लोकसभा का चुनाव जीता था.

वर्ष 2009 में गीता कोड़ा बनी थीं विधायक

गीता कोड़ा पहली बार जय भारत समानता पार्टी से गीता कोड़ा 2009 में विधायक बनी थीं. 2014 में विधानसभा का चुनाव उन्होंने दूसरी बार जीता. 2014 में ही उन्होंने जय भारत समानता पार्टी के टिकट पर लोकसभा का चुनाव भी लड़ा था, पर कामयाबी नहीं मिली. पहली बार कांग्रेस ने 2019 में उन्हें सिंहभूम से अपना उम्मीदवार बनाया था.

दोनों को पिता की विरासत में मिली राजनीति

सियासत के मैदान में दोनों की लैंडिंग अपने-अपने पिता की विरासत की बदौलत हुई. मनीष जायसवाल के पिता ब्रजकिशोर जायसवाल कई बार हजारीबाग नगरपालिका अध्यक्ष रहे हैं. उन्होंने हजारीबाग सदर विधानसभा सीट से दो बार कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर चुनाव भी लड़ा था, लेकिन कभी जीत नहीं पाए थे. दूसरी तरफ, जयप्रकाश भाई पटेल के पिता टेकलाल महतो मांडू से पांच बार विधायक और गिरिडीह से एक बार सांसद रहे थे. फिलहाल दोनों पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं.

एक राज्य - एक अखबार

शुभम संदेश

www.lagatar.in गुरुवार 11 अप्रैल 2024 ● चैत्र शुक्ल 03 , संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 3 ● वर्ष : 2, अंक : 3

सरहुल की तैयारी पूरी, आज पूजा और शोभायात्रा

कौशल आनंद। रांची

प्रकृति पर्व सरहुल की तैयारी पूरी कर ली गयी है. गुरुवार को शहर के विभिन्न सरना स्थल एवं अखड़ा में सरहुल की पूजा आदिवासी रीति-रिवाज के साथ होगी. इसके बाद दोपहर 3 बजे के बाद विभिन्न समितियों एवं अखरा से शोभायात्रा निकाली जाएगी. रांची शहर एवं आसपास से करीब 150 से अधिक शोभायात्रा, झांकी निकाली जाएगी. सभी शोभायात्रा का समापन मुख्य सरना स्थल सिरम टोली में होगा. जहां पर मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और कल्पना सोरेन हिस्सा लेंगी. सरना स्थल हातमा सहित अन्य अखड़ा एवं सरना स्थल में घड़े में पानी भरा गया. जिसे 11 अप्रैल को सरहुल की पूजा के दौरान पानी की दिशा को देख कर इस वर्ष आदिवासी समाज द्वारा बारिश की भविष्यवाणी की जाएगी. इससे पूर्व केकड़ा पकड़ने की रश्म अदा की गयी.निकट के तालाबों एवं जलाशयों ने आदिवासी समाज के लोगों ने केकड़ा पकड़ा. इसके बाद धरती, सिंगबोंगा एवं पूर्वजों को याद करते हुए रोटी-पुआ उन्हें चढ़ाया गया. -फोटो : रमीज

केकड़ा पकड़ना और घड़े में जल भराई की रश्म हुई पूरी, आज होगी बारिश की भविष्यवाणी

पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

सरहुल पूर्व संध्या पर मोरहाबादी दीक्षांत पंडप में पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस मौके पर विभिन्न हॉस्टलों एवं म्यूजिक ग्रुप के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया. इनके द्वारा आकर्षक नृत्य-संगीत प्रस्तुत किया गया. ढोल एवं मांदर की थाप पर लोग जम कर थिरके.

सरहुल को लेकर प्रशासन ने सरना स्थलों का लिया जायजा

रांची। सरहुल पर्व को लेकर जिला प्रशासन ने बुधवार को शहर के विभिन्न सरना स्थलों का निरीक्षण किया. अपर जिला दंडाधिकारी (विधि व्यवस्था) राजेश्वर नाथ आलोक ने अधिकारियों को ध्वनि प्रदूषण न हो, इसको लेकर सभी डीजे संचालकों के साथ बैठक करने और लाउडस्पीकर एक्ट का अनुपालन कराने को कहा है. निरीक्षण के दौरान राजेश्वर नाथ आलोक के अलावा अपर प्रशासक रांची नगर निगम सौरभ प्रसाद, पुलिस उपाधीक्षक के. वी रमन, रांची नगर निगम के सहायक प्रशासक निहारिका तिर्की, सूरज प्रकाश चौधरी, उप समहर्त्ता जिला नजारत, अन्य संबंधित पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे.

पूर्व संध्या कार्यक्रम में जमकर थिरके आदिवासी युवक-युवतियां

लापरवाह स्कूलों के खिलाफ राज्यस्तरीय टीम की बड़ी कार्रवाई

दुमका में प्राचार्य निलंबित धनबाद में शिक्षकों को शोकॉज

प्रशासनिक कार्रवाई

- कई स्कूलों को सुधार के लिए एक सप्ताह का समय
- कई एचएम व शिक्षकों का वेतन रोकने की अनुशंसा

रवि भारती। रांची

प्रयास सह प्रोजेक्ट इंपैक्ट की जिलेवार जमीनी पड़ताल के लिए राज्य के विभिन्न जिलों के लिए गठित राज्यस्तरीय अनुश्रवण दल के पदाधिकारियों ने तीसरे दिन यानी बुधवार को भी लगातार सरकारी स्कूलों का औचक निरीक्षण जारी रखा. अनुश्रवण के तीसरे दिन पदाधिकारियों द्वारा कई स्कूलों के विरुद्ध लापरवाही बरतने और अनुशासनहीनता के मामले में कार्रवाई करते हुए शो-कॉज जारी किया गया.

एक सप्ताह के अंदर स्कूलों को कार्यप्रगति से पदाधिकारियों को अवगत कराने का निर्देश दिया गया है. काम संतोषजनक नहीं पाये जाने की स्थिति में संबंधित स्कूलों के एचएम और शिक्षकों का वेतन रोकने की अनुशंसा की गयी है. पदाधिकारियों ने कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, मेराल, गढ़वा और कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, मधुपुर, देवघर को व्यवस्था में सुधार लाने के लिए एक हफ्ते का समय दिया है. एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय, बोलबा, सिमडेगा में प्रोजेक्ट इंपैक्ट के संचालन एवं विद्यालय में कम नामांकन पर टीम ने नाराजगी जताते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापक को शो-कॉज जारी किया है.

जवाहर बालिका स्कूल टुंडी के जेई पर एक्शन

ड्रेनेज एवं जल प्रबंधन के मामले में अनुश्रवण पदाधिकारियों ने जवाहर बालिका आवासीय विद्यालय, पूर्वी टुंडी के जेई के कार्यों पर असंतोष जताते हुए राज्य शिक्षा परियोजना को कार्रवाई की अनुशंसा की थी. इसके बाद स्कूल के जेई के विरुद्ध शो-कॉज जारी किया गया है. विद्यालय के निरीक्षण के दौरान अनुश्रवण पदाधिकारियों ने स्कूल के बाथरूम को क्षतिग्रस्त पाया. साथ ही स्कूल में वाटर लीकेज और ड्रेनेज की भी समस्या की रिपोर्ट की. इसके बाद कार्रवाई करते हुए जेई को शो-कॉज किया गया है.

बच्चों की शिकायत पर की गई कार्रवाई

भूली नगर उच्च विद्यालय, धनबाद में निरीक्षण के लिए गए राज्यस्तरीय पदाधिकारियों ने स्कूल के 20 शिक्षकों में से तीन को स्कूल से गायब पाया. पूछे जाने पर स्कूली बच्चों ने स्कूल की लचर व्यवस्था की शिकायत पदाधिकारियों से की. इसके बाद तत्काल कार्रवाई करते हुए धनबाद के मुख्य अनुश्रवण पदाधिकारी अभिनव कुमार ने नदारद तीनों शिक्षकों को शोकॉज नोटिस जारी किया है. साथ ही इन शिक्षकों से यह भी पूछा गया है कि इनकी लापरवाही और बच्चों की शिक्षा से खिलवाड़ करने का दोषी मानकर इनके विरुद्ध कार्रवाई क्यों न की जाए?

सीएम उत्कृष्ट विद्यालय, दुमका के प्राचार्य सस्पेंड

दुमका में अनुश्रवण के लिए गए पदाधिकारियों की अनुशंसा पर जिला शिक्षा पदाधिकारी ने दुमका के जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य महेंद्र राजहंस को सस्पेंड कर दिया है. उनके स्थान पर वरीय सहायक शिक्षक बब्बन कुमार को स्कूल का प्रभारी प्राचार्य नियुक्त किया गया है. विद्यालय निरीक्षण के लिए गयी राज्यस्तरीय अनुश्रवण टीम ने प्रभारी प्राचार्य को कार्य में लापरवाही बरतने के मामले में दोषी पाया. पदाधिकारियों ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि स्कूल का पुस्तकालय बेहद खराब स्थिति में था. उसे शिफ्ट करने का आदेश दिया जा चुका है, मगर, प्रभारी प्राचार्य ने पुस्तकालय शिफ्ट करने में ढिलाई बरती और अबतक इस काम को पूरा नहीं किया. इसे राज्य शिक्षा परियोजना के आदेशों की अवहेलना का गंभीर विषय बताते हुए प्रभारी प्राचार्य को तत्काल सस्पेंड करने की अनुशंसा की गयी. इसके बाद प्रभारी प्राचार्य महेंद्र राजहंस को निलंबित कर दिया गया.

अबतक इन स्कूलों से आयी निरीक्षण रिपोर्ट

- कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, साहिबगंज
- कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, तोपचांची, धनबाद
- यूपीजी उच्च विद्यालय, सोटो चौकी पंगडो, साहिबगंज
- बीएलएवी, सरसा, देवघर
- एसएस प्लस 2 उच्च विद्यालय, बोलबा, सिमडेगा
- कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, रनिया, खूंटी
- मनोहरलाल उत्क्रमित 2 उच्च विद्यालय, चाकुलिया
- कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, भंडरिया
- कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, सदर, पश्चिमी सिंहभूम
- कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, मेराल, गढ़वा
- कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, घाटशिला
- कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, जामताड़ा
- झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय, मारगोमुण्डा, देवघर
- उत्क्रमित मध्य विद्यालय, नेतरहाट
- कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, जरमुंडी, दुमका
- जेबीएवी, महुआडांड, लातेहार
- कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, टुंडी, धनबाद
- कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, धुरकी
- झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय, सगमा
- कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, मधुपुर, देवघर
- कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, चुरचू
- जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, दुमका

देवघर के समग्र शिक्षा पदाधिकारियों को शो-कॉज

खेल सामग्रियों की खरीदारी के लिए राशि वितरण में लापरवाही बरतने के मामले में राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक द्वारा कार्रवाई करते हुए देवघर के समग्र शिक्षा पदाधिकारियों को शो-कॉज किया गया. पूछा है कि जिले में खेल सामग्रियों की खरीदारी के लिए कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों और झारखंड बालिका आवासीय स्कूलों को दी जानेवाली राशि अबतक क्यों नहीं दी गयी? संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर वेतन रोका जाएगा.

पेयजल विभाग : 20 करोड़ के गबन का मामला

पुलिस ने कैशियर को किया गिरफ्तार, 51 लाख बरामद

संवाददाता। रांची

झारखंड में चारा घोटाला की तरह करोड़ों रुपये का पाइपलाइन घोटाला हुआ है. यह घोटाला पेयजल स्वच्छता शीर्ष कार्य प्रमंडल (पीएचईडी) में किया गया है. विभाग के एक कर्मचारी द्वारा फर्जी कंपनी बना कर उसके माध्यम से अपने स-संबंधियों के खाते में कुल 20 करोड़ रुपये डाल दिए. इस मामले में रांची पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए कैशियर संतोष कुमार को उसके ससुराल सुखदेवनगर रोड नंबर एक से गिरफ्तार किया है. पुलिस ने उसके पास 51 लाख रुपये भी बरामद किये हैं. संतोष कुमार मूल रूप से बिहार के जहानाबाद जिले का रहने वाला है. वर्तमान में चुटिया में रह रहा था. मामला सामने आने बाद संतोष कुमार फरार चल रहा था.

चार साल से चल रहा था राशि गबन करने का खेल : रुपये गबन करने का खेल पिछले चार साल तक चलता रहा और प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लगी. बाद में जब नये कार्यपालक अभियंता ने पदभार संभाला तो मामले का खुलासा हुआ. साल 2012 में पेयजल विभाग ने रांची में पाइपलाइन बिछाने का काम एलएंडटी कंपनी को दिया था. इस प्रोजेक्ट का बजट 200 करोड़ था, लेकिन किसी वजह से इसे बीच में ही बंद कर दिया गया. इसके बाद कर्मचारी ने मौके का फायदा उठाने का प्लान बनाया. उसने दो निजी कंपनियां बनाईं और अपने सगे-संबंधियों के 15 से अधिक खाते खोले, जिसके बाद उसने एलएंडटी कंपनी द्वारा किए हुए काम के बदले दोबारा फर्जी बिल बनाए. उस पर संबंधित लोगों के फर्जी हस्ताक्षर किए. ट्रेजरी में से एलएंडटी को जो भुगतान पहले हो गए उसका दोबारा से भुगतान करा लिया.

शुभम संदेश इंपैक्ट

शुभम संदेश में प्रकाशित खबर

मामला सामने आने के बाद एफआईआर दर्ज हुई

पहले साल 2019 में 1.32 करोड़, वर्ष 2022 में छह करोड़ और जून 2023 में 14 करोड़ रुपये ट्रेजरी से निकाले गए. ये पैसे एसबीआई, एक्सिस बैंक, आइसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और बैंक ऑफ इंडिया में 15 से अधिक खातों में जमा किए गए. यह खेल लगातार चल रहा था. तभी पिछले साल जून में चंद्रशेखर वहां कार्यपालक अभियंता पद पर आए. इस अधिकारी के हस्ताक्षर से भी 60 करोड़ का चेक ट्रेजरी में जमा कर दिया गया था. 14 करोड़ की निकासी भी हो गई थी. जांच के लिए मामला विभाग में आया तो इसका खुलासा हुआ. फिर एफआईआर दर्ज कराई गई.

बार-बार बयान बदल रहे रिकॉर्ड रूम के कर्मचारी

संवाददाता। रांची

रांची के सबसे बड़े रिकॉर्ड रूम में चोरी के बाद कई कार्यालयों के अधिकारी डरे हुए हैं. उन्हें डर सता रहा है कि कहीं उनके यहां रखे जमीन के दस्तावेजों पर भी कोई हाथ न साफ कर दे.

स्थित यह है कि कई सरकारी ऑफिस जहां जमीन से जुड़े दस्तावेज रखे जाते हैं व इसके लिए रिकॉर्ड रूम बनाया गया है, वहां की सुरक्षा बढ़ाने की मांग हो रही है. बता दें कि पिछले गुरुवार को जिला रिकॉर्ड रूम में चोरी हो गयी थी. जिसके बाद रिकॉर्ड रूम इंचार्ज की शिकायत पर कोतवाली थाने में केश दर्ज हुआ है. घटना के दिन फॉरेंसिक एक्सपर्ट टीम ने मौके से सबूत इकट्ठा किए थे. पूरे मामले की जांच के लिए सिटी एसपी राजकुमार मेहता भी रिकॉर्ड रूम पहुंचे थे. पुलिस की अब तक की जांच में कुछ खास जानकारी नहीं मिल पाई है. वहीं रिकॉर्ड रूम में कार्यरत कर्मचारियों से हुई अब तक की पूछताछ में भी कुछ ज्यादा जानकारी सामने नहीं आ पा रही, क्योंकि कर्मचारी बार-बार अपना बयान बदल रहे हैं. बहरहाल इस घटना में किसकी संलिप्तता है, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा.

- अन्य कार्यालयों ने रिकॉर्ड की चोरी के डर से मांगी सुरक्षा

बड़ा तालाब से युवक का शव बरामद, हत्या है या खुदकुशी, जांच में जुटी पुलिस

रांची। बड़ा तालाब से बुधवार को एक युवक का शव बरामद हुआ. मृतक की पहचान शमसाद आलम के रूप में हुई है.वह हिंदपीढ़ी की सेकेंड स्ट्रीट शिवाजी का निवासी बताया गया. बताया जा रहा है कि शमसाद आलम पिछले तीन दिनों से लापता था. परिजनों ने खोजा, लेकिन कुछ पता नहीं चला. फिर परिजनों ने हिंदपीढ़ी थाने में शिकायत की. लोगों ने बड़ा तालाब में युवक का शव पानी में उतराया देखा. पुलिस को जानकारी दी. सूचना पाकर कोतवाली थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. युवक की हत्या की गयी है या उसने आत्महत्या की है, पुलिस सभी बिंदुओं की जांच कर रही है.

बच्चों की मृत्यु दर को शून्य करें: हाईकोर्ट

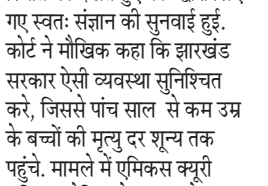

रांची। झारखंड में पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर की गंभीर स्थिति को देखते हुए कोर्ट द्वारा लिए गए स्वतः संज्ञान की सुनवाई हुई. कोर्ट ने मौखिक कहा कि झारखंड सरकार ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करे, जिससे पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर शून्य तक पहुंचे. मामले में एमिकस क्यूरी सुमित गड़ोदिया ने पक्ष रखते हुए कहा कि राज्य के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं कम्युनिटी हेल्थ सेंटर को बेहतर बनाने की जरूरत है. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं कम्युनिटी हेल्थ सेंटर में विशेषज्ञ चिकित्सक, प्राप्त मात्रा में दवा की व्यवस्था जरूरी है. मामले में हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को तीन सप्ताह में शपथ पत्र दाखिल कर बताने को कहा है कि झारखंड में कितने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और कम्युनिटी हेल्थ सेंटर हैं? यहां कितने पद स्वीकृत है और कितने पद अभी खाली पड़े है, इन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र व कम्युनिटी हेल्थ सेंटर पर दवाओं की क्या व्यवस्था है, इनके भवन कितने साल पुराने और भवन अभी किस स्थिति में है. इसके अलावा कोर्ट ने राज्य सरकार से यह भी पूछा है कि झारखंड के सुदूर ग्रामीण इलाकों में सांप के काटने से होनेवाली मौत को रोकने के लिए प्राइमरी हेल्थ सेंटर, कम्युनिटी हेल्थ सेंटर में सांप काटने की दवा की क्या व्यवस्था है. कोर्ट ने इन सारे बिंदुओं पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है. मामले के अगली सुनवाई दो मई को

वासंतिक नवरात्र

तृतीयं चन्द्रघंटा

पिण्डजाप्रवरारूढा
चण्डकोपास्त्रकेर्युता।
प्रसादं तनुते मह्यं
चन्द्रघण्टेति विश्रुता॥

जगज्जननी भगवती दुर्गा के तीसरे विग्रह को चंद्रघंटा के नाम से जाना जाता है. नवरात्र के तीसरे दिन माता चंद्रघंटा के दर्शन, पूजन का विधान है. इस देवी के मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चन्द्र है. इसीलिए इस देवी को चन्द्रघण्टा कहा गया है. इनके शरीर का रंग सोने के समान बहुत चमकीला है. सिंह पर सवार इस देवी की दस भुजाएं हैं, जो खड्ग और अन्य अस्त्र-शस्त्र से विभूषित हैं. इनकी मुद्रा युद्ध के लिए उद्धत रहने की है. इनसे घण्टे सी भयानक ध्वनि निकलती है, जिससे अत्याचारी दानव-दैत्य और राक्षस कांपते रहते हैं. भगवती चंद्रघंटा का यह स्वरूप परम शांतिदायक और कल्याणकारी माना गया है. इनका ध्यान हमारे इहलोक और परलोक दोनों के लिए कल्याणकारी और सद्गति देने वाला है. इनकी कृपा से साधक को अलौकिक वस्तुओं के दर्शन होते हैं. दिव्य सुगंधियों का अनुभव होता है. इस की आराधना से साधक में वीरता और निर्भयता के साथ ही सौम्यता और विनम्रता का विकास होता है.

-डॉ. विनय पाण्डेय

खुलासा बड़गाईं अंचल की जमीन का किया था एग्रीमेंट, पता बताया-अशोकनगर,रांची

हेमंत से जिस रंजीत के तार जुड़े, वह है कल्पना का बिजनेस पार्टनर

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में अब तक की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है. लैंड स्कैम की जांच कर रही केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने रांची पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) के स्पेशल कोर्ट में जो प्रॉसिक्यूशन कंप्लेन दाखिल की है, जिसमें दावा किया गया है कि बड़गाईं अंचल की जो भूमि हेमंत सोरेन के कब्जे में है, उसके एक हिस्से का एग्रीमेंट बोकारो के रहने वाले रंजीत सिंह ने कुछ वर्षों पहले किया था. वैसे हेमंत सोरेन से जिस रंजीत सिंह के तार जुड़ रहे हैं, वो उनकी पत्नी कल्पना सोरेन का बिजनेस पाटर्नर भी रहा है. ईडी ने

● ईडी ने रंजीत और कल्पना सोरेन के बीच हुए एग्रीमेंट की कॉपी कोर्ट को सौंपी

रंजीत सिंह और कल्पना सोरेन के बीच हुए रजिस्टर्ड एग्रीमेंट की कॉपी भी कोर्ट को सौंपी है. कल्पना सोरेन और रंजीत सिंह एचएस फ्यूल्स नाम की कंपनी में पार्टनर हैं. इस कंपनी का पता चीरा चास बोकारो लिखा हुआ है.

ईडी का दावा-रंजीत ने एग्रीमेंट में जो पता बताया, वह प्रॉपर्टी हेमंत की : बड़गाईं अंचल की जमीन के लिए हुए करार की कॉपी ईडी के हाथ छह मार्च 2023 को हुई छापेमारी के दौरान लगी थी. वहीं कल्पना सोरेन और रंजीत सिंह के बीच हुए करार की कॉपी ईडी ने 24 अगस्त 2022 को हेमंत सोरेन के सीए जयशंकर जयपुरियार के अशोकनगर स्थित आवास पर हुई छापेमारी के दौरान बरामद की थी. चौंकाने वाली बात यह है कि रंजीत सिंह ने बड़गाईं अंचल की जमीन के एग्रीमेंट में अपना जो पता बताया है, वह सोना सोबरन मेमोरियल सोसाइटी, अशोकनगर रांची का है. ईडी के मुताबिक, इस पते पर जो प्रॉपर्टी है, वह हेमंत सोरेन की है.

झामुमो ने लोकपाल के आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी

रांची/नयी दिल्ली। झामुमो ने लोकपाल के उस आदेश को बुधवार को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी, जिसमें सीबीआई को पार्टी के नाम वाली दो संपत्तियों की जांच करने का निर्देश दिया गया है. न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा कि वह इस मामले की सुनवाई 23 अप्रैल को करेंगे. याचिकाकर्ता झामुमो ने भारत के लोकपाल के चार मार्च के आदेश को चुनौती दी है, जो राज्यसभा सदस्य शिबू सोरेन के खिलाफ भाजपा सांसद निशिकांत दूबे द्वारा दायर शिकायत पर पारित किया गया था. दूबे गोड्डा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं. झामुमो की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अरुणाभ चौधरी पेश हुए. झामुमो ने कहा, पहली नजर में यह एक गलत आदेश है. भ्रष्टाचार निरोधक लोकपाल ने सीबीआई को झामुमो प्रमुख शिबू सोरेन से जुड़ी कथित बेनामी संपत्तियों की छह महीने के भीतर जांच करने को कहा है. लोकपाल ने सीबीआई को झामुमो से संबंधित दो संपत्तियों की जांच करने का भी निर्देश दिया है. लोकपाल ने दूबे की पांच अगस्त, 2020 की शिकायत का निपटारा करते हुए यह निर्देश दिया. अधिवक्ता अभिषेक रॉय के जरिए हाईकोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि लोकपाल का आदेश प्रथम दृष्टया कानून की नजर में खराब और अधिकार क्षेत्र के बिना था तथा इसे झामुमो के पीछे पारित किया गया था. याचिका में कहा गया है कि आदेश पारित करने से पहले झामुमो को कोई नोटिस नहीं जारी किया गया और न ही उसका पक्ष सुना गया. लोकपाल को दी गई अपनी शिकायत में दूबे ने आरोप लगाया था कि सोरेन और उनके परिवार के सदस्यों ने बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया और कई संपत्ति अर्जित की.

राज्यभर के बिजली अफसरों व कॉल सेंटर के मोबाइल ठप

विशेष संवाददाता। रांची

राज्यभर के कई बिजली अफसरों और बिजली वितरण निगम के कॉल सेंटरों का मोबाइल ठप हो गया है. इससे बिजली अफसरों व उपभोक्ताओं को परेशानियां झेलनी पड़ीं. भुगतान नहीं होने से बीएसएनएल ने कार्रवाई करते हुए कई बिजली अभियंताओं, अफसरों और कॉल सेंटरों के मोबाइल कनेक्शन काट दिये हैं. वहीं कुछ के मोबाइल को चालू रखा गया है. ऊर्जा विकास निगम मुख्यालय में तैनात बिजली अफसरों और कॉल सेंटर का भी मोबाइल ठप है. बिजली से संबंधित शिकायत न कॉल सेंटर में दर्ज किया जा पा रहा है और न ही संबंधित इलाकों के अभियंताओं के समक्ष ही शिकायत दर्ज हो पा रही है.

- बकाया भुगतान नहीं करने के कारण बीएसएनएल ने काट दिया कनेक्शन

बिजली अफसरों का मोबाइल बंद होने से उन्हें भी काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. अफसरों से भी लोग संपर्क नहीं कर पा रहे हैं. मोबाइल कनेक्शन कटने की जानकारी होते ही बिजली निगम के अधिकारी मोबाइल कनेक्शन शुरू कराने की दिशा में पहल शुरू कर दी है. निगम के सूत्रों ने बताया कि शीघ्र ही बीएसएनल के बकाये का भुगतान कर मोबाइल तथा कॉल सेंटर को चालू कर दिया जायेगा.

रिम्स ओपीडी

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिन :	डॉ. मनोज कुमार प्रसाद
सर्जरी :	डॉ. पंकज बोदरा
ऑर्थोपेडिक :	डॉ. जीके गुप्ता
न्यूरोसर्जरी :	डॉ. आनंद प्रकाश
गायनी :	डॉ. नीलम नलिनी
टीबी एवं चेस्ट :	डॉ. ब्रजेश मिश्रा
रेडिएशन आंकोलॉजी :	डॉ. रश्मि सिंह
सर्जिकल आंकोलॉजी :	डॉ. रोहित कुमार झा
नेत्र :	डॉ. सुनील कुमार
स्किन :	डॉ. प्रभात कुमार
ईएनटी :	डॉ. बिनोद कुमार सिन्हा
न्यूरोलॉजी :	डॉ. रूपेश प्रसाद

सदर अस्पताल

- मेडिसिन : डॉ. अरुणोदय, डॉ. बीएन पोद्दार और डॉ. सत्येंद्र
- सर्जरी : डॉ. अजीत कुमार
- ऑब्स एंड गायनी : डॉ. मुस्सरत यामिनी और डॉ. श्रुति प्रभा
- पीडियाट्रिक (शिशु रोग) : डॉ. सूर्या
- हेमाटोलॉजी : डॉ. अभिषेक रंजन
- सर्जीकल आंकोलॉजी : डॉ. प्रकाश भगत
- नेफ्रोलॉजी: डॉ. नवीन कुमार

ब्रीफ खबरें

आजसू का ग्राम प्रभारी सम्मेलन 13 अप्रैल से

रांची। हजारीबाग लोकसभा स्तरीय ग्राम प्रभारी सम्मेलन का आयोजन 13 अप्रैल को हजारीबाग के हरनगंज स्थित शिवम बैंक्वेट हॉल में होगा. इस दौरान लोकसभा चुनाव में एनडीए की जीत सुनिश्चित करने और भावी रणनीति पर विस्तृत चर्चा की जाएगी. कार्यक्रम में लोकसभा क्षेत्र के सभी केंद्रीय पदाधिकारी, केंद्रीय सदस्य, जिला कमेटी, जिला के सभी प्रखंड प्रभारी एवं हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सभी इकाइयों के प्रखंड अध्यक्ष, सचिव तथा पंचायत एवं ग्राम प्रभारी हिस्सा लेंगे. इस सम्मेलन में मुख्य रूप से केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो शामिल होंगे. हजारीबाग के बाद 19 अप्रैल को सिंहभूम, 21 अप्रैल को जमशेदपुर और 28 अप्रैल को लोहरदगा लोकसभा स्तरीय ग्राम प्रभारी सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा.

लैंड स्कैम के आरोपी हिलेरियस की मौत!

रांची। जमीन घोटाला के आरोपी हिलेरियस कच्छप की मंगलवार को मौत हो गयी है. मिली जानकारी के मुताबिक, हिलेरियस कच्छप बरियातू इलाके में रहते थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे. उनकी डायलिसिस चल रही थी. बीमारी के चलते मंगलवार देर रात उनकी मौत हो गयी. हालांकि हिलेरियस कच्छप की मौत को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. बता दें कि ईडी ने हिलेरियस कच्छप के खिलाफ बीते दिनों ही चार्जशीट दाखिल की थी. जमीन घोटाला मामले की जांच पूरी होने के बाद ईडी ने बीते दिनों मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित पांच अन्य के खिलाफ चार्जशीट दायर की थी. इस पर ईडी कोर्ट ने संज्ञान लिया था और आर्किटेक्ट विनोद सिंह, रामकुमार पाहन और हिलेरियस कच्छप को समन जारी किया था. बता दें कि जमीन घोटाला मामले में पूर्व सीएम हेमंत सोरेन फिलहाल जेल में बंद हैं.

रतो बहिन बेचो बरतो भैया, बेचो आइयो बरवा एरा गे बरो...

सरहुल की पूर्व संध्या पर दीक्षांत मंडप में हुआ आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम मांदर की थाप पर थिरके युवक-युवतियां

फोटो : रमीज

बसंत मुंडा। रांची

सरना नवयुवक संघ के तत्वावधान में बुधवार को रांची विश्वविद्यालय के दीक्षांत मंडप में सरहुल की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम का रंगारंग आयोजन किया गया. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग, रांची, सरस्वती हरिजन बालिका कॉलेज छात्रावास, दीपशिखा आदिवासी बालिका पीजी छात्रावास, आदिवासी बालक छात्रावास हातमा समेत 26 छात्रावासों के छात्र-छात्राओं ने सरहुल पूर्व संध्या कार्यक्रम में हिस्सा लिया.

छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक आदिवासी नृत्य एवं संगीत प्रस्तुत किये. मांदर एवं ढोल की थाप पर हर कोई झूमने पर विवश हो गया. कार्यक्रम में सरहुल गीत भी प्रस्तुत किया गया. रांची के भागीरथ आदिवासी बालिका कॉलेज छात्रावास की छात्राओं ने मांदर की थाप पर सामूहिक नृत्य कुडुख बरतो बहिन, बेचो बरतो... (आओ बहन खेलेंगे, मां-बाप को दिखाने के लिए खेलेंगे...) के गीतों पर दीक्षांत मंडप तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा. कार्यक्रम में जनजातीय भाषाओं के मुंडारी, कुडुख, हो और संथाली के छात्र-छात्राओं ने एकल एवं सामूहिक गीत-संगीत और नृत्य प्रस्तुत किये. देर शाम विजेता टीम को आयोजन समिति ने पुरस्कृत किया.

सरना फूल पत्रिका का लोकार्पण

कार्यक्रम में सरना फूल पत्रिका के 44वें अंक का लोकार्पण किया गया. इस अवसर पर पर कुडुख लेखन साहित्यकार के क्षेत्र में कार्य करने के लिए भीखु तिर्की, हो भाषा के साहित्यकार डोबरो बिरूली और एयर होस्टेस क्रांति गाड़ी को सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा, पूर्व मंत्री व प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी बंधु तिर्की, डॉ. हरि उरांव, बिरेंद्र कुमार सोय, प्रकाश चंद्र उरांव और जोहे भगत समेत अन्य गणमान्य शामिल हुए.

नृत्य-संगीत से कला-संस्कृति बचाने की प्रेरणा मिलती है : बंधु

पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम आदिवासी समाज के युवाओं को कला संस्कृति बचाने के लिए प्रेरित करता है. साथ ही समाज को नेतृत्व करने की क्षमता विकसित होती है. ओपेन यूनिवर्सिटी के त्रिवेणी कुमार साहू ने कहा कि सरहुल महापर्व दुनिया की संस्कृति में अक्षुण्ण संस्कृति है. इस त्योहार में पूर्वज प्रकृति के साथ परस्पर संबंध रखने का प्रयास करते हैं. जल, जंगल और जमीन जीविका के साधन हैं. सरहुल पर्व संस्कृति का त्योहार है. इस त्योहार को बसंत का त्योहार भी कहा जाता है.

झामुमो प्रत्याशी जोबा मांझी ने गीता कोड़ा के खिलाफ खोला मोर्चा, कहा-

पिछली जीत उनकी नहीं गठबंधन की मेहनत थी

विशेष संवाददाता। रांची

सिंहभूम लोकसभा सीट से झामुमो प्रत्याशी पूर्व मंत्री जोबा मांझी ने सिटिंग एमपी गीता कोड़ा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. उन्होंने गीता कोड़ा का नाम लिये बिना कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में गठबंधन ने कांग्रेस पार्टी का उम्मीदवार खड़ा किया था, जो कि सिंहभूम की जनता और गठबंधन के सहयोग और समर्थन से जीत गयीं. लेकिन ऐन मौके पर गीता कोड़ा ने बीजेपी में शामिल होकर सबका भरोसा तोड़ा है. हम सभी के सहयोग से उन्हें दिल्ली भेजा गया था. वह जीत उनकी अपनी जीत या ताकत नहीं थी. वह हम सब की मेहनत थी.

जीत को लेकर भरी हुंकार : जोबा मांझी ने झामुमो द्वारा प्रत्याशी घोषित किये जाने के बाद कहा कि पार्टी ने उन पर भरोसा जताया है. वे उस पर खरा उतरने की कोशिश करेंगी. जल, जंगल और जमीन की लड़ाई को प्राथमिकता के आधार पर उठाया जाएगा. इस सवाल पर कि वह अपनी जीत को लेकर कितनी आश्वस्त हैं, उन्होंने कहा कि सिंहभूम की जनता तैयार है. समय आने पर पता चल जाएगा.

पांच बार विधायक और छह बार मंत्री बनीं जोबा

जोबा मांझी मनोहरपुर विधानसभा क्षेत्र से पांच बार विधायक रह चुकी हैं. जोबा संयुक्त बिहार सरकार के दौरान मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के कार्यकाल में भी मंत्री रह चुकी हैं. झारखंड गठन के बाद वह बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा, मधु कोड़ा, शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन के कार्यकाल में भी मंत्री रह चुकी हैं.

देश के असल मुद्दे पर चर्चा नहीं करते पीएम: कांग्रेस

रांची। प्रदेश कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर प्रहार किया है. कहा कि देश के प्रधानमंत्री दुनिया के हर विषय पर भाषण देते हैं, लेकिन आज तक महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की आमदनी, महिला पहलवानों के यौन शोषण पर कोई चर्चा नहीं करते हैं.

कांग्रेस प्रवक्ता राकेश सिन्हा ने कांग्रेस भवन में आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन में कहा कि प्रधानमंत्री विकसित भारत की बात करते हैं, लेकिन देश की अर्थव्यवस्था खतरें में है. इसकी भनक प्रधानमंत्री को सुनाई नहीं देती है. वित्तीय और निवेश सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी की ताजा रिपोर्ट यह बताती है है कि घरेलू ऋण का स्तर सकल उत्पाद का लगभग 40 प्रतिशत हो गया है. घरेलू बचत भी 47 साल के निचले स्तर तक पहुंच गई है. पैसा बचाना तो दूर भारतीय परिवार धीरे-धीरे कर्ज में डूबते जा रहे हैं. मौके पर प्रवक्ता सोनाल शांति एवं ऋषिकेश सिंह उपस्थित थे.

विनाशकारी नोटबंदी से अब तक देश निकल नहीं पाया : राकेश सिन्हा ने कहा कि देश विनाशकारी नोटबंदी की मार से अबतक निकल नहीं पाया. भयंकर महंगाई बेरोजगारी पर प्रधानमंत्री चुप हैं. किसान सड़कों पर हैं और प्रधानमंत्री अपने पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने में मशगूल हैं. चंदे के पैसे से गैर भाजपा सरकारों को गिराया गया. विपक्ष के विधायकों को खरीदा गया है.

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी से पूछे पांच सवाल

- बीफ कंपनियों से प्रधानमंत्री इलेक्ट्रोल बॉण्ड के जरिए 250 करोड़ रुपये चंदा क्यों लिए?
- महिला पहलवानों के यौन शोषण के आरोपी बृजभूषण की गिरफ्तारी अबतक क्यों नहीं हुई?
- रक्षा बजट में कटौती क्यों की गई?
- एलओसी पर भारत अपने 65 में से 26 पेट्रोलिंग प्वाइंट पर नहीं जा सकता है, क्योंकि वह बफर जोन बना दिया गया है. इसकी वजह से हमारी जमीन चीन के प्रभुत्व में चली गई.
- अग्निवीर की जगह स्थायी नियुक्ति क्यों नहीं की गई?

हेमंत को न्याय के लिए 21 को होगा उलगुलान: विनोद पांडेय

संवाददाता। रांची

तैयारी शुरू

- भाजपा के चाल, चरित्र और चेहरा करेंगे बेनकाब : ठाकुर
- इंडिया गठबंधन के नेताओं ने रैली स्थल का किया मुआयना

प्रभात तारा मैदान में 21 अप्रैल को आयोजित उलगुलान न्याय महारैली को लेकर तैयारी शुरू हो गई है. रैली के आयोजन को लेकर इंडिया गठबंधन के नेताओं ने प्रभात तारा मैदान का बुधवार को दौरा किया है. इस दौरान रैली में शामिल होने वाले लोगों के बैठने से लेकर मंच निर्माण, राष्ट्रीय नेताओं के आगमन को लेकर रणनीति तैयार की गई.

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर और झामुमो महासचिव विनोद पांडेय ने ऐतिहासिक रैली होने का दावा किया. साथ ही कहा कि आज राज्य के लोग हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को लेकर नाराज है. उनकी नाराजगी रैली में भीड़ के तौर पर देखने को मिलेगी. उन्होंने कहा कि रैली में शामिल होने वाले लोगों को बताया जाएगा कि कैसे हर वर्ग के उत्थान के लिए काम कर रहे पूर्वी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भाजपा ने एजेंसियों का दुरुपयोग करते हुए जेल भेजा है. भाजपा के षड्यंत्र के खिलाफ रैली के माध्यम से उलगुलान करके न्याय की लड़ाई शुरू की जाएगी. इसके अलावा लोगों को महागठबंधन सरकार की उपलब्धियां गिनाई जाएंगी और भाजपा के चाल, चरित्र और चेहरा बेनकाब किया जाएगा.

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ठाकुर ने कहा कि रैली की तैयारियों का जायजा लिया गया है. मंच को लेकर दिशा-निर्देश दिया गया है. पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी. गर्मी को देखते हुए पंडाल लगाने का निर्देश दिया गया है. कूलर, पंखा, एलईडी के साथ पेयजल की व्यवस्था भी की जाएगी.

इन राष्ट्रीय नेताओं को किया गया है आमंत्रित

उलगुलान न्याय महारैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, लालू यादव, तेजस्वी यादव, अखिलेश यादव, एमके स्टालिन को आमंत्रित किया गया है.

मेन रोड गुरुद्वारा कमेटी ने बैसाखी पर्व में राज्यपाल को किया आमंत्रित

दीवान में शिरकत करेंगे राज्यपाल

संवाददाता। रांची

गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, मेन रोड, रांची के तत्वावधान में 13 अप्रैल को श्रद्धा भावना के साथ खालसा सिरजना दिवस बैसाखी पर्व मनाया जाएगा. गुरुद्वारा मेन रोड, रांची, के प्रबंधक कमेटी ने बैसाखी पर्व में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को आमंत्रित किया गया है. इसे लेकर बुधवार को कमेटी के सदस्य राजभवन गये थे. राज्यपाल की ओर से दीवान कार्यक्रम में शिरकत करने की बात कही गई. यह कार्यक्रम 12 अप्रैल की सुबह 5:30 बजे से सात बजे तक होगा. गुरुद्वारा साहिब की ओर से राज्यपाल को सिरोपा और सिख इतिहास से संबंधित पुस्तक भेंट की गई. बता दें कि बैसाखी पर्व के मौके पर विशेष तौर पर रागी जत्था दलबीर सिंह, दरबार साहिब अमृतसर पंजाब वाले रांची पहुंच रहे हैं. इस मौके पर गुरुद्वारा साहिब के अध्यक्ष सरदार गुरमीत सिंह, महासचिव गगनदीप सिंह सेठी, सह सचिव सुरजीत सिंह, एवं चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स एवं रांची रेलवे के सदस्य सरदार नवजोत सिंह रूबल आदि उपस्थित थे.

कांग्रेस नेता आदित्य ने मजार पर की चादरपोशी

रांची। झारखंड प्रदेश प्रोफेशनल्स कांग्रेस नेता आदित्य विक्रम जायसवाल ने बुधवार को डोरंडा स्थित हजरत कुतुबुद्दीन रिसालदार बाबा की दरगाह पर चादरपोशी कर राज्य के सर्वांगीण विकास की कामना की है. उन्होंने पारंपरिक रूप से रांची शहर की सुख-समृद्धि के लिए दुआ मांगी. जायसवाल ने कहा कि उर्स के मौके पर झारखंड के अलावा देश के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालु यहां पहुंचते रहे हैं. कहा जाता है कि यहां जो भी सच्चे मन से मांगता है, उसकी मुराद जरूर पूरी होती है. रमजान उल मुबारक के एक महीने बाद ईद का त्योहार आता है. ईद के त्योहार में खुदा से यही दुआ है कि सबलोगों की बरक्कत हो, भाईचारगी के साथ रहें.

भीम आर्मी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र पासवान ने थामा भाजपा का दामन

भाजपा दलितों की हितैषी: बाउरी

संवाददाता। रांची

बीजेपी प्रदेश कार्यालय में बुधवार को भीम आर्मी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं इंटक के प्रदेश सचिव वीरेंद्र पासवान ने सैकड़ों समर्थकों के साथ बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की. मिलन समारोह में नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी एवं प्रदेश महामंत्री सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने सभी को पार्टी का पट्टा, माला पहना कर एवं ऑनलाइन सदस्यता ग्रहण करा कर पार्टी में शामिल कराया. बाऊरी ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के सपनों को पूरा करने का काम केंद्र की मोदी सरकार पूरा कर रही है. दलित समाज की सबसे बड़ी हितैषी भारतीय जनता पार्टी है.

नरेंद्र मोदी हमारे सर्वमान्य नेता: साहू : प्रदेश महामंत्री सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर हर दिन लोग बड़ी संख्या में पार्टी से जुड़ रहे हैं. उन्होंने कहा कि आज समाज के हर तबके में उत्साह का माहौल है. नरेंद्र मोदी हमारे सर्वमान्य नेता हैं.

मोदी सरकार के कार्यकाल में दलितों का सबसे ज्यादा उत्थान: भीम आर्मी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र पासवान ने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों के अपने कार्यकाल में सबसे ज्यादा दलितों के उत्थान के लिए काम किया है इससे प्रभावित होकर हम सबों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है.

बड़ा कदम | सीबीएसई स्कूलों में लागू होगा राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क

40 क्रेडिट लाने पर ही अगली कक्षा में प्रवेश

पियूष गौतम। रांची

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत सीबीएसई ने राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क (एनसीआरएफ) के कार्यान्वयन में बड़ा कदम उठाया गया है. सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों में छठी, नौवीं और 11वीं कक्षा में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर सत्र 2024-2025 से राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क लागू किया जाएगा.

इस पायलट कार्यक्रम के लिए इच्छुक स्कूलों के प्रधानाचार्यों से सीबीएसई ने संपर्क विवरण साझा करने का अनुरोध किया है. बताया जाता है कि एनसीआरएफ के कार्यान्वयन के सफल परीक्षण के लिए सीबीएसई जागरुकता सत्र, मेंटरशिप कार्यक्रम आयोजित कर स्कूलों का मार्गदर्शन प्रदान करेगा.

राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क की मुख्य बातें

- एक शैक्षणिक वर्ष1200 घंटे का होगा.
- छात्रों को 40 क्रेडिट हासिल करने होंगे.
- क्रेडिट गणना के उद्देश्य से देखा जाए, तो एक क्रेडिट का शिक्षण समय 30 घंटे का होगा.
- छात्र अतिरिक्त विषय चुन कर 40 से अधिक क्रेडिट भी प्राप्त कर सकते हैं.

- छठी, नौवीं और 11वीं कक्षा में सत्र 2024-25 से लागू किया जाएगा राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क
- पायलट कार्यक्रम के इच्छुक स्कूलों के प्रधानाचार्यों से सीबीएसई की ओर से मांगा गया है संपर्क विवरण

सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों पर लागू मूल्यांकन बैंड

कक्षा	प्रति वर्ष सीखने के घंटे	क्रेडिट/वर्ष	कौन करेगा मूल्यांकन
12	1200	40	सीबीएसई
11	1200	40	स्कूल
10	1200	40	सीबीएसई
9	1200	40	स्कूल
8	1200	40	स्कूल
7	1200	40	स्कूल
6	1200	40	स्कूल

बता दें कि एनसीआरएफ सीखने के क्रेडिटीकरण के बुनियादी सिद्धांतों को निर्धारित करता है. इसमें तीन मुख्य घटक अकादमिक ग्रेड, कौशल कार्यक्रम और प्रासंगिक अनुभव से अर्जित क्रेडिट शामिल हैं.

समस्त झारखंडवासियों को
सरहुल महोत्सव
की हार्दिक शुभकामनाएं

डब्लू मुंडा
अध्यक्ष, सरना समिति, कांके रोड, रांची

समस्त ग्रामीण जनता एवं रिटार्यड झारखंड ग्रामीण बैंक अधिकारी एवं कर्मचारियों को
सरहुल महोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

भोलानाथ सिंह मुंडा
जमींदार सह ग्राम प्रधान, मौजा कासम बुरूडीह (तमाड़) रांची

पैगाम-ए-ईद

टूटे दिलों को जोड़ने का त्योहार : मुफ्ती रहमतुल्लाह

रांची । मदरसा जमीयतुल मोहसिनात के प्राचार्या मुफ्ती रहमतुल्लाह मजाहिरी ने कहा कि ईद उल फित्र हमारे लिए न्याय व निष्पक्षता, शांति व व्यवस्था, भाईचारा, करुणा, प्रेम और सहनशीलता का एक सुंदर संदेश देता है, ताकि हम अकेले नहीं, बल्कि सामूहिक रूप से जश्न खुशी मना सकें, गरीबों को सहारा देकर, टूटे हुए दिलों को जोड़कर, रूठे हुए अपनों को मना कर, बिना भेदभाव के रूहानी और जिस्मानी गंदगी को दूर कर जाति कौम आपसी रंजिश और मतभेद भुलाकर इस्लामी जमीयत का सबूत देती है.

नमाज से पहले हो सदका ए फित्र : मौलाना कुतुबुद्दीन

रांची।एदारा ए शरिया झारखंड के नाजिम आला मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी ने ईद के पैगाम में कहा कि रमजान महीने के आखिर में सदका ए फित्र अदा करना है. इसके पीछे हिक्मत (सोच) यह है कि इसकी अदायगी करने से एक तो गरीबों को खाने को कुछ मिलता है और दूसरा रोजेदार द्वारा रोजे के दौरान की गई गलतियों और फुजूल कामों का कफ्फारा अदा हो जाता है. सही बुखारी और सही मुस्लिम के अनुसार, एक हदीस है कि अल्लाह के रसूल (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने सदका फित्र को अनिवार्य (करार) दिया.

गरीबों की ईद पहले होगी : मौलाना अब्दुल साजिद

रांची । हरमू हामीम मस्जिद के इमाम व खतीब मौलाना अब्दुल माजिद ने कहा कि पैगंबर मोहम्मद (स.) ने गरीबों को वह इज्जत दी है कि गरीब की ईद पहले होगी और अमीर की बाद में. वह इस तरह कि जो हमारे मुसलमान भाई गरीब हैं तो इन गरीबों को अपनाया. उन्हें रुपये सदका ए फित्र के रूप में नमाज ए ईद से पहले अदा करना है, जो अदा न करें उस इंसान को ईदगाह के करीब आना भी मना है.

अल्लाह फरिश्तों को जमी पर भेजते हैं : मुफ्ती कासमी

रांची । इमारत शरीया रांची के काजी शरीअत मुफ्ती मोहम्मद अनवर कासमी ने कहा कि ईदुल फित्र की फजीलत (विशेषता) हदीस के मफून के अनुसार यह है कि ईद की रात को इनाम की रात कहा जाता है. यानी बंदा रोजा व तरावीह से फारिग हुआ तो अब अल्लाह इनाम व एकराम से नवाजना चाहता है. ईद की सुबह अल्लाह अपने फरिश्तों को जमी पर भेजते हैं. ये फरिश्ते शहर, गांव, गली, मुहल्ले के रास्ते में खड़े हो जाते हैं. फिर आवाज लगाते हैं. इन फरिश्तों की आवाज इंसान व जिन्नात के अलावा दुनिया के सारे मखलूक परिंदे, जानवर, कीड़े समेत अन्य इसी तरह के जानदार फरिश्तों की पुकार को पूरी तरह सुनते हैं.

सेवइयों में लिपटी मुहब्बत की मिठास का त्योहार

रेहान अहमद। रांची

सेवइयों में लिपटी मुहब्बत की मिठास का त्योहार ईद उल फित्र भूख प्यास सहन करके एक महीने तक सिर्फ खुदा को याद करने वाले रोजेदारों के लिए अल्लाह का इनाम है. मुसलमानों का सबसे बड़ा त्योहार कहा जाने वाला यह न सिर्फ हमारे समाज को जोड़ने का मजबूत सूत्र है बल्क यह इस्लाम के प्रेम, भाईचारे और सौहार्द भरे संदेश को भी जोरदार तरीके से फैलाता है. मीठी ईद भी कहा जाने वाला यह पर्व खास तौर पर भारतीय समाज के ताने बाने और उसके भाईचारे के सदियों पुरानी परंपरा का वाहक है. इसे विभिन्न धर्मों के लोग गिले शिकवे भुलाकर एक दूसरे से मिलते हैं. सेवईयां अमूमन उनकी तल्खी की कड़वाहट को मिठास में बदल देती है. ईद उल फित्र एक रूहानी महीने में कड़ी अजमाइश के बाद रोजेदारों को अल्लाह की तरफ से मिलने वाला रूहानी इनाम है. ईद समाज के तालमेल और मोहब्बत का मजबूत धागा है. यह त्योहार हमारे समाज की परंपराओं का आईना है. एक रोजेदार के लिए इसकी अहमियत का अंदाजा अल्लाह के प्रति उसकी कृतज्ञता से लगाया जा सकता है. दुनिया में चांद देख कर रोजा रखने और चांद देख कर ईद मनाने की पुरानी परंपरा है. आज के हाईटेक युग में तमाम बहस मुबाहिसे के बावजूद यह रिवाज कायम है. व्यापक रूप से देखा जाये तो रमजान और उसके बाद ईद व्यक्ति को एक इंसान के रूप में सामाजिक जिम्मेदारियों को अनिवार्य रूप से निभाने का दायित्व भी सौंपती है.

त्योहार : इंतजार की घड़ियां खत्म हुईं , चांद दिखा और मुस्लिम मुहल्लों में खुशियों की लहर

ईद आज, ईदगाहों और मस्जिदों में होगी नमाज

संवाददाता। रांची

ईद का चांद बुधवार की शाम दिखा, गुरुवार को ईद होगी. ईदगाहों और मस्जिदों में गुरुवार 11 अप्रैल की सुबह निर्धारित समय पर नमाज अदा की जायेगी. इमारत ए शरीया झारखंड व एदार ए शरीया झारखंड ने चांद की औपचारिक रूप से घोषणा कर दी है. चांद का दीदार होने के साथ ही ईद की खुशियां शहर की फिजा में घुल गई. मस्जिदों में ईद की नमाज से संबंधित एलान हुए, जबकि सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लगा रहा, लोग एक दूसरे को ईद के चांद की बधाई देते रहे.

शहर के विभिन्न मुस्लिम मुहल्लों में खुशी के इस मौके पर पटाखे छोड़े गए. ईद की तैयारियां रात से ही शुरू कर दी गईं. सभी मुस्लिम मुहल्लों, चौक चौराहों, गली कूचों को कुमकुमे, चमचमाती रंग बिरंगे झालर, लाइट से सजाये गये. बच्चों ने रात रात भर जाग कर सजाने का काम किया.

रमजान के मुकद्दस महीने की 30 तारीख को देखते हुए बुधवार को मगरिब की नमाज के बाद दरगाह में एदारा ए शरिया की बैठक मौलाना कुतुबुद्दीन रिजवी की अध्यक्षता में हुई, तो इमारत शरीया झारखंड की बैठक इमारत शरीया कार्यालय में मुफ्ती मो अनवर कासमी की अध्यक्षता में हुई. वहीं खानकाह मजहरिया मुनामिया फिरदौस नगर डोरंडा में अल्लामा मौलाना सैयद शाह अलकमा शिबली कादरी की अध्यक्षता में हुई. सभी ने चांद होने की खबर की पुष्टि की और ईद के चांद की घोषणा कर दी.

देर रात तक हुई खरीदारी

ईद का चांद का ऐलान होते ही बाजारों में भीड़ उमड़ पड़ी. हर कोई खरीदारी करते नजर आए. सेवई, लच्छा की दुकानों में भीड़, कपड़े की दुकान, राशन दुकान, पानी पूरी ठेला, मेवाड़ आदि सभी जगहों पर भीड़ ही भीड़ देर रात तक होती रही खरीदारी.

महिलाएं पकवान बनाने में जुटी : चांद का ऐलान होते ही मुस्लिम घरों में महिलाएं उम्दा सेवइयों के साथ अन्य लजीज पकवानों को ईद के दिन आने वाले मेहमानों के इस्तकबाल (स्वागत) के लिये बनाने में जुट गई.

कर्बला चौक में लगा ईद का मेला : हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कर्बला चौक के पास झूला लगा, झूला के आसपास कई खाने पीने के स्टॉल लगे हैं.

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम : रांची जिला पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं, हर जगह पुलिस के जवान तैनात किये गये हैं.

रात भर गुलजार रहा राजधानी का ईद बाजार

एमजी रोड पर मुख्य ईद का बाजार बुधवार की पूरी रात गुलजार रहा. लोगों ने जमकर खरीदारी की. **फोटो : सैयद रमीज**

अखाड़ाधारियों की समस्याओं का करेंगे समाधान: रवि कुमार

संवाददाता। रांची

श्रीदुर्गा मंदिर ट्रस्ट भवन, महावीर चौक में बुधवार को श्रीमहावीर मंडल के पदाधिकारियों और कार्यसमिति की बैठक हुई. अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष रवि कुमार पिंकू ने कहा कि अखाड़ाधारी और झंडाधारियों की समस्याओं का हर हाल में समाधान किया जायेगा. इसके लिए मंडल के नेतृत्व में सभी जगहों पर टोला प्रभारी बनाया जायेगा. सदस्य नियुक्त किये जायेंगे, ताकि सभी समस्याओं का समाधान सुगमता पूर्वक किया जा सके. मंत्री दीपक ओझा ने कहा कि इस बार भी भव्य रूप में ऐतिहासिक रामनवमी जुलूस धूमधाम से निकाला जायेया. इसके सफल आयोजन को लेकर मंडल अपनी पूरी ताकत झोंक देगा. क्षेत्रवार टोला और सह टोला प्रभारी सहित सदस्य जनसंपर्क अभियान चला कर रामभक्तों को संगठित करेंगे. मंडल की ओर से पूर्ण सहयोग प्रदान किया जायेगा. उनहोंने घर-घर जा कर लोगों को आमंत्रण देने की भी बात कही. राकेश सिंह, बाबू पाठक, पप्पू वर्मा, प्रकाश सिंहा, नकुल तिर्की, राज किशोर, राजा सेन गुप्ता ने भी जुलूस के सफल आयोजन को लेकर विचार रखे.

उपाध्यक्ष राजा सेन गुप्ता, राज किशोर, सह मंत्री उदय रविदास, गोपाल सोनी, कोषाध्यक्ष प्रमोद सारस्वत, प्रचार मंत्री मुन्ना शर्मा, संजय कुमार जायसवाल, राकेश सिंह, बबलू यादव, उज्जवल प्रकाश, रोशन लाल यादव, प्रकाश चंद्र सिंह, राजकुमार गुप्ता, नकुल तिर्की, प्रदीप लकड़ा, रूपेश कुमार, निशांत कुमार, ललित नारायण ओझा व पप्पू वर्मा बैठक में मौजूद थे.

ईद मुसलमानों का दीनी त्योहार : मौलाना असगर

रांची । मौलाना असगर मिसबाही ने कहा कि ईद मुसलमानों का एक खास मजहबी और दीनी त्योहार है. चौदह सौ सालों से ईद की नमाज पढ़ने का सिलसिला जारी है. पहली ईद की नमाज 27 मार्च 624 ई. को पढ़ी गई थी. चांद के एतबार से सौवाल महीने की पहली तारीख सन् दो हिजरी में पढ़ी गई. ईद रमजान उल मुबारक का इनाम और सिला है. रमजान के महीने में मुसलमान रोजे का एहतेमाम करता है. तरावीह पढ़ता है, कुरआन की तिलावत और इबादत करता है, इसका बदला ईद ही के दिन दिया जाता है. ईद हकीकत में रमजान के मुकम्मल होने का एलान है. अल्लाह के रसूल हजरत मोहम्मद (स.) ने फरमाया कि हर कौम के लिए ईद है और यह हमारी ईद है. ईद की खास बात यह है कि यह आसमानी त्योहार है. नबी ए करीम (स.) जब हिजरत करके मक्का शहर से मदीना तशरीफ लाये तो देखा वहां के लोग दो दिनों तक खुशियां मनाते हैं.

नहाय-खाय के साथ छठ महापर्व 12 से

रांची। सूर्य उपासना का अति पावन चैती छठ व्रत-अनुष्ठान शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ प्रारंभ हो जाएगा. व्रती स्नान-ध्यान कर छठी मइया की आराधना करेंगे. 13 अप्रैल को खरना का निर्जला उपवास रखा जाएगा. व्रतधारी-महिला, पुरुष इस दिन शाम ढलने के बाद पूजा-अर्चना कर छठी मईया को शुद्ध रूप से पकाए गई खीर आदि पकवान का भोग लगाएंगे. इसके बाद स्वयं ग्रहण कर अपना उपवास तोड़ेंगे.

एसआर डीएवी पुंदाग में छात्रों का दीक्षा संस्कार

रांची । एसआर डीएवी पब्लिक स्कूल, पुंदाग में 23 स्काउट्स तथा 29 गाइड्स छात्रों का दीक्षा संस्कार किया गया. विद्यालय के प्राचार्य एसके मिश्र और एसएच राजश्री मिश्रा ने भारत स्काउट्स एंड गाइड्स का झंडोत्तोलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. इसके बाद गाइड्स तथा स्काउट्स के छात्रों को बैज तथा स्कार्फ प्रदान किया गया. इस मौके पर छात्रों को उन्हें निष्ठापूर्वक अपने कर्त्तव्यों के पालन करने की शपथ दिलाई गई.

जागरूक किये गये दिव्यांगों के अभिभावक

रांची। कोशिश स्पेशल स्कूल व वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर में विशेष दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस दौरान दिव्यांगता प्रमाण पत्र, यूडीआईडी, बैंक एकाउंट, आधार कार्ड, पेंशन आदि सरकारी योजनाओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई. कार्यक्रम में समिता बोस, डीके वर्मा, रंजना वर्मा, रेखा सांगा, नीता रॉय, इंदरानी सहाय, अनीता कुमारी, राजेंद्र, अजीत कुमार, अद्विन तिग्गा, गीता देवी, जयंक मंडल, वीणा बरनवाल और अलका बरनवाल शामिल हुए.

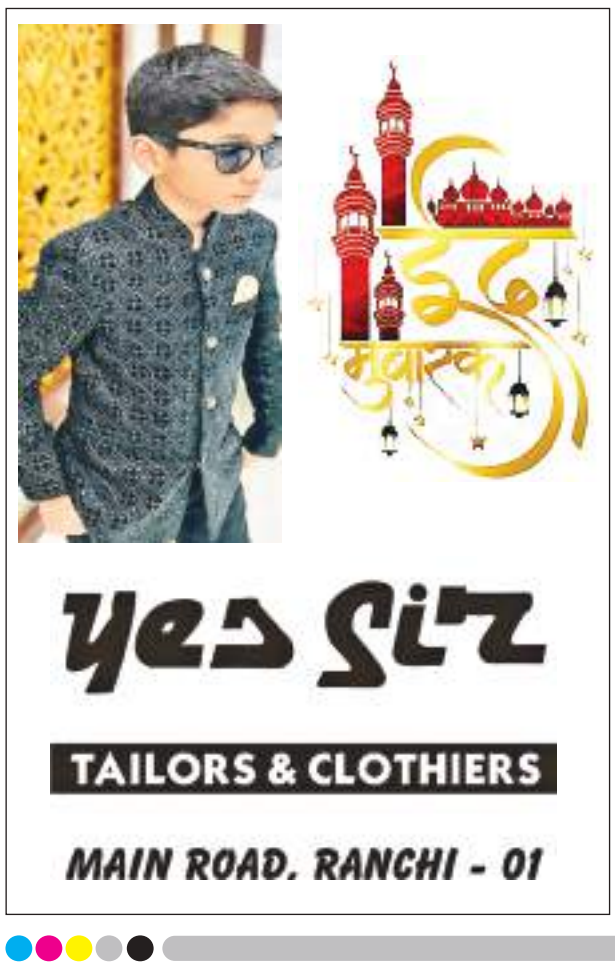

ब्रीफ खबरें

कल्याणपुर में सरहुल पूजा महोत्सव आज

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र के कल्याणपुर में आज सरहुल पूजा महोत्सव मनाया जाएगा.कार्यक्रम को लेकर सारी तैयारी लगभग पुरी कर ली गई है.आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि अपराह्न 12:00 बजे सरहुल शोभायात्रा निकाली जाएगी,जिसमें काफी संख्या में लोग शामिल होंगे. जहां सरहुल पूजा महोत्सव को लेकर समारोह का आयोजन किया जाएगा. समारोह के मुख्य अतिथि सिमरिया विधायक किशुन कुमार दास होंगे.इसके अलावा कई जनप्रतिनिधि व सीसीएल अधिकारी भी समारोह में अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे.

जशपुरिया बीएड कॉलेज में मना सरहुल उत्सव

अनगड़ा। जशपुरिया बीएड कॉलेज परिसर में बुधवार को प्रकृति पर्व सरहुल उत्सव धूमधाम से मनाया गया. प्रशिक्षुओं ने पारंपरिक परिधानों में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उत्सव का शुभारंभ किया. संस्थान के अध्यक्ष जैलेंद्र कुमार ने कहा कि सरहुल में प्रकृति की पूजा होती है. निदेशक शालिनी प्रिया ने कहा कि सरहुल वसंत ऋतु में मनाया जानेवाला प्रमुख प्रकृति पर्व है. मौके पर प्राचार्य डॉ अनिल कुमार मिश्रा, सजीव कुमार, सरिता सिंह, रीमा उपासना, कश्यप, विभा कुमारी, डॉ कुमारी प्रियंका शर्मा, उषा मिंज, शशि प्रभा, रंचन कुमारी, हर्ष राज, वनमाली महतो सहित अन्य उपस्थित थे.

कल्याणपुर गांव में ईद मिलन समारोह आज

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के कल्याणपुर गांव में आज ईद पर को लेकर मुस्लिम नवयुवक कमेटी के द्वारा ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया है.इसकी जानकारी देते हुए आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि सुबह 10 बजे से समारोह की शुरुआत की जाएगी.इस कार्यक्रम में कई सीसीएल अधिकारी,श्रमिक प्रतिनिधि,जनप्रतिनिधि, सहित स्थानीय ग्रामीण शामिल होंगे. कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कल्याणपुर अंजुमन के सदर इदरीस अंसारी,सेक्रेटरी नईम अंसारी,शकील अंसारी, मुस्ताक आलम सहित अन्य लोग इसकी तैयारी में लगे हुए हैं.

हनुमान मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान शुरू

अनगड़ा। राजाडेरा पंचायत के शासनबेड़ा में नवनिर्मित श्रीश्री 1008 हनुमान मंदिर में तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान बुधवार से शुरू हुआ. पहले दिन महिलाओं ने मंदिर परिसर से चमघाटी तक कलशयात्रा निकाली. राढ़ू नदी तट पर गंगा पूजन कर कलश में जल भर श्रद्धालुओं वापस मंदिर परिसर पहुंचे. इससे पहले मंदिर का उदघाटन भाजपा नेता जैलेंद्र कुमार, वनमाली महतो, जिप सदस्य राजेंद्र शाही मुंडा, मुखिया सीमा देवी, पूर्व मुखिया मोतीराम मुंडा व पंसस जानकी देवी ने संयुक्त रूप से किया. आयोजन में अध्यक्ष दुर्गा महतो, जगन्नाथ महतो, मुनेश्वर महतो, महावीर महतो, अनिता देवी, सुमन देवी समेत अन्य लोग महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं.

राहे के इलाके में पुलिस ने चलाया सर्च अभियान

राहे। रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक और ग्रामीण पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार राहे थाना पुलिस और सताकी कैंप के एसएसबी 26वीं बटालियन ए कंपनी के जवानों ने संयुक्त अभियान में राहे क्षेत्र में डीमाइनिंग सर्च किया. राहे थाना क्षेत्र में बीते रविवार को विस्फोटक बरामद किए जाने के बाद से पुलिस सतर्क हो गई है. जंगल की ओर जाने वाले सभी सड़कों पर गहन छानबीन की जा रही है. सड़कों पर लैंड माइंस के होने की शक को दूर किया जा रहा है. अभियान में राहे के एसआई एस टुडू, एसएसबी कमांडर ओर जवान साथ थे.

सिल्ली पुलिस ने शराब भट्ठी को किया ध्वस्त

सिल्ली/मुरी। सिल्ली थाना क्षेत्र के बासुडीह गांव में बुधवार को सिल्ली पुलिस ने अवैध शराब निर्माण की भट्ठी को नष्ट कर दिया.थाना प्रभारी मोहित कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल ने शराब निर्माण करने वाले उपकरण समेत 65 लीटर शराब भी जब्त किया है. इस संबंध में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है.पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार को बंद करने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा.

महादानी मैदान में सरहुल पूर्व संध्या समारोह का आयोजन, खोड़हा नृत्य दलों ने नृत्य-गीत की प्रस्तुति से समां बांधा

शिकार के बहाने जंगल में आग न लगाएं, हम प्रकृति के रक्षक हैं, भक्षक नहीं : उरांव

सुनील कुमार गुप्ता। बेड़ो

जंगलों में जंगली हाथी या शिकार के बहाने आग न लगाएं हम प्रकृति के रक्षक है भक्षक नहीं. उक्त बातें बेड़ो प्रखंड के ऐतिहासिक महादानी मैदान में सरहुल पूजा आयोजन महासमिति के तत्वावधान में आयोजित सरहुल पूर्व संध्या समारोह के दौरान सरहुल पूजा आयोजन महासमिति के अध्यक्ष सुका उरांव ने कही. उन्होंने कहा कि सदियों से हमारी पहचान जल जंगल और जमीन को बचाने उसे संरक्षित करने तथा प्रकृति पूजक के रूप में रही है. सरहुल के एक दिन पूर्व सरहुल पूर्व संध्या समारोह का भव्य आयोजन किया गया. इस मौके पर अलग-अलग खोड़हा नृत्य दलों ने अपनी प्रस्तुति से लोगों का मन मोह लिया. इस मौके पर मांदर की थाप पर युवक युवतियां थिरक उठे. कार्यक्रम की अध्यक्षता सरहुल पूजा आयोजन महासमिति के अध्यक्ष सुका उरांव एवं संचालन पंचायत समिति सदस्य सह महिला नेत्री राखी भगत ने किया. इस मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष बुधराम बाड़ा, उपाध्यक्ष विक्रांत उरांव, राजेश भगत, निर्मल तिर्की, रजत भगत,अशोक उरांव, बिरजू उरांव, जतरू उरांव, महादेव उरांव, सुकेंन्द्र उरांव, सुरेश उरांव, रविंद्र भगत, दिलीप उरांव, रमेश उरांव, रवि मिंज, सुशील कच्छप, जयमंगल भगत, बुधुवा कच्छप, सुकुल पाहन, बुधुवा पाहन, पंचम तिर्की, प्रदीप भगत, अजय मिंज सचिव रंजीत टोप्पो, सह सचिव प्रभात लकड़ा कोषाध्यक्ष सुजीत कुमार मिंज आदि शामिल थे.

सरना आदिवासियों का सबसे बड़ा प्रकृति पर्व है सरहुल : संजय

बेड़ो। सरहुल सरना आदिवासियों का सबसे बड़ा प्रकृति पर्व है यह सदियों से चला आ रहा है हमें अपने पूर्वजों के धरोहरों को संजों कर रखने की जरूरत है. उक्त बातें सरहुल पूजा समारोह के दौरान बेड़ो प्रखंड के मासु गांव में समाजसेवी संजय उरांव ने लोगों से कहीं. इस मौके पर उन्होंने लोगों को सरहुल पूजा की शुभकामनाएं दी. बेड़ो प्रखंड के मासु गांव स्थित सरना स्थल में बुधवार को प्रकृति पर्व सरहुल के मौके पर विधिवत पूजा-अर्चना किया गया साथ ही गांव के पहान पंचम भगत ने विधिवत रूप से पूजा अर्चना किया . इस मौके पर सरई फूल, अरवा चावल, सिंदूर सहित विभिन्न पूजन सामग्रियों के साथ गांव के पहान बंधना भगत, सुखदेव भगत, लक्ष्मण भगत गांव के महतो- सनम उरांव और सभी ग्रामीणों ने पूजा अर्चना के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. इस मौके पर सरना धर्म के आदिवासियों का समूह उपस्थित होकर एक दूसरे को सरहुल की शुभकामनाएं दी. वहीं पाहन पुजार महतो ने उपस्थित लोगों के बीच सरई फूल भेंट कर सरना मां का प्रसाद का वितरण किया.

धनबाद के तोपचांची में जमीन विवाद में दो गुटों में हिंसक झड़प, चार जख्मी

तेजाब से बच्ची और महिला झुलसी

संवाददाता। तोपचांची

तेजाब व लाठी-ठंडे से हमले में जख्मी लोग

हरिहरपुर थाना क्षेत्र के चमड़ा गोदाम में बीती मंगलवार देर रात जमीन विवाद को लेकर दो गुटों में जबरदस्त भिड़ंत हो गई. इस झड़प में दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए, जबकि दो लोग तेजाब से दो झुलस गए. भुक्तभोगियों ने बताया कि बीती रात विनोद महतो और राहुल महतो उनके जमीन पर जबरन निर्माण कार्य करा रहे थे. जानकारी मिलने पर जब सभी वहां पहुंचे, तो उनलोगों ने उनपर हमला कर दिया.

भुक्तभोगियों का आरोप है कि विनोद महतो और राहुल महतो ने करीब 15 लोगों के साथ मिल कर उनपर लाठी-डंडे से हमला किया. इस हमले में गोपाल सोनी और लव नारायण स्वर्णकार गंभीर रूप से घायल हो गए. दोनों के सिर पर चोट लगी है. वहीं आरोपियों ने तेजाब से भी हमला कर दिया. तेजाब के हमले से रीता गुप्ता का पीठ और नाबालिग नंदिनी कुमारी का हाथ जल गया.

घायलों का एसएनएमएमसीएच में चल रहा इलाज : घायल लोगों ने घटना की सूचना हरिहरपुर पुलिस को दी. सूचना पाकर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को साहोबहियार स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा. डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार करने के बाद सभी घायलों को बेहतर इलाज के लिए धनबाद स्थित एसएनएमएमसीएच रेफर कर दिया. सभी का एसएनएमएमसीएच में इलाज चल रहा है. भुक्तभोगी रीता देवी का आरोप है कि विनोद महतो और राहुल महतो ने उनपर साजिश के तहत हमला किया है. यह भी आरोप लगाया है कि हमले के दौरान उनलोगों ने उनका सोने का चेन लूट लिया. रीता देवी ने बताया कि तेजाब के हमले उनका पीठ जल गया है. इस झड़प में उनके अलावा गोपाल कुमार सोनी, लव नारायण स्वर्णकार और नंदनी कुमारी गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं.

गहराई में खुदाई के दौरान मिट्टी धंसी, सात मजदूर अंदर दबे

बहरागोड़ा में तीन महिलाओं की मौत,चार जख्मी

बहरागोड़ा। थाना क्षेत्र के माटिहाना पंचायत अंतर्गत कोकमारा गांव के समीप चाकुलिया-बहरागोड़ा मुख्य सड़क के किनारे बुधवार सुबह गहराई में खुदाई के दौरान कई मजदूर मिट्टी धंसने के कारण दब गए. इस घटना में तीन महिला मंजू किस्कु (32), सुशीला सोरेन (32) और आगोमनी टुडू (55) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. दो महिला छिना मुर्मू (45), सलमा टुडू (50) और दो बच्ची कमली मुर्मू (17) व राईमनी हांसदा (15) बुरी तरह से घायल हो गई हैं.

सभी घायलों को प्रशासन और स्थानीय लोगों की सहायता से 108 एंबुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा लाया गया. यहां सभी का इलाज चल रहा है. घायलों में एक की हालत गंभीर है. उसे बेहतर इलाज के लिए पश्चिम बंगाल के झारग्राम रेफर कर दिया गया है. प्रशासन ने तीनों मृतक महिलाओं का शव पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल घाटशिला भेज दिया है. साथ ही दुर्घटना की जांच कर रही है. घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है. उधर, घटना की सूचना पर अनुमंडल पदाधिकारी सच्चिदानंद महतो, एसडीपीओ अजीत कुमार कुजूर, बहरागोड़ा बीडीओ केशव भारती, बहरागोड़ा सीओ भोले शंकर महतो, बहरागोड़ा थाना प्रभारी विकास कुमार, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ उत्पल मुर्मू आदि पहुंचे थे. बीडीओ ने सभी मृतकों और घायलों को सरकारी प्रावधान के अनुसार मुआवजा देने की बात कही है.

संबंधित खबरें पृष्ठ सात पर देखे

संस्कार भारती ने भक्ति संगीत से नव संवत्सर का अभिनंदन किया

संवाददाता। रांची

संस्कार भारती की रांची महानगर इकाई के तत्वावधान में मंगलवार को भक्तिमय संगीत से वर्ष प्रतिपदा और नव संवत्सर का अभिनंदन किया गया. इस अवसर पर आयोजित संगीत समारोह में कलाकारों ने अपनी सुंदर प्रस्तुतियों से श्रोताओं को भक्ति रस में निमग्न कर दिया.

प्रारम्भ में सुजाता मजुमदार की टीम ने संस्कार भारती के ध्येय गीत एवं सरस्वती वंदना से इसकी शुरुआत की. दीप प्रज्वलन रांची महानगर के अध्यक्ष रामानुज पाठक ने किया. इसके पश्चात भगवान राम को केंद्रित कर प्रमिला कपूर ने भोजपुरी भजन से लोगों का मन मोह लिया. नवोदय विद्यालय के सेवानिवृत्त प्रिंसिपल अवनींद्र कुमार सिंह ने भजन "रघुवर तुमको मेरी लाज" की सुंदर प्रस्तुति एवं चैता सुनाकर उपस्थित श्रोताओं को झुमाया. उपेंद्र चौधरी ने बजरंगबली की महिमा को स्वर दिया. संस्कार भारती रांची महानगर के उपाध्यक्ष जय प्रकाश सिंह ने सुगम संगीत एवं दादरा की प्रस्तुति दी. संस्कार भारती झारखंड प्रान्त के संरक्षक एवं प्रसिद्ध गीतकार उमेश चंद्र मिश्र ने भोजपुरी में निर्गुण गाकर लोगों को प्रसन्न कर दिया. संस्कार भारती रांची के संयोजक सुशील मिश्र, इंदु पाराशर, जोली कुमारी एवं सुनीता देवी की प्रस्तुतियों ने भी अपनी प्रतिभा के रंग बिखेरे. सपन पाल एवं लल्लन ने तबले पर संगत करते हुए वातावरण को मदमस्त कर दिया.

रांची-टाटा हाइवे से पुलिस ने अवैध कोयला लोड सात ट्रक को पकड़ा

संवाददाता। रांची

पुलिस को कोयला की तस्करी होने की सूचना मिली थी

पुलिस को अवैध कोयला के तस्करी की सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की . जिन ट्रकों को पकड़ा गया, उसमें जेएच 02एइ 2232, जेएच 12इ 4482, जेएच 12 एएफ 7126, जेएच 02 एजे 7544, जेएच 12 इ 6388, जेएच 12एएफ 3358, डब्ल्यू बी 33इ 3362 शामिल है . सभी ट्रक रांची से टाटा की ओर जा रहे थे . छापामारी टीम ने सभी ट्रकों को रोककर जांच की . पुलिस ने कोयला का कागजात मांगा तो चालक कोई कागजात नहीं दे सके . जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर सभी ट्रकों को थाना ले आयी . हिरासत में लिये गये चालकों को जेल भेज दिया गया है .

रांची-टाटा हाइवे से अवैध कोयला लोड सात ट्रकों को पुलिस ने पकड़ा है. बुधवार को तमाड़ थाना की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रांची-टाटा हाइवे पर दिउड़ी मंदिर के समीप ग्रेवाल पंजाबी ढाबा के पास अवैध कोयला लदे सात ट्रकों को जब्त किया है. सभी ट्रक रांची से टाटा की ओर जा रहे थे. छापामारी टीम ने सभी ट्रकों को रोककर जांच की.

पुलिस ने कोयला का कागजात मांगा तब चालक कोई कागजात नहीं दे सके. जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर सभी ट्रकों को थाना ले आयी. साथ ही सातों ट्रकों के चालकों को गिरफ्तार किया गया. जिनमें सोना यादव, सुधीर यादव, अशोक यादव, उमेश यादव, रामचंद्र यादव, विदेशी यादव और इंद्रदेव कुमार शामिल है.

कार्रवाई इंडेन गैस एजेंसी ने उज्ज्वला गैस कनेक्शन के नाम पर रुपये लिया, लोगों में रोष

उज्ज्वला योजना के कनेक्शन के नाम पर लिया पैसा हुआ वापस: कुजूर

संवाददाता। नामकुम

प्रखंड के सोदाग गांव के अखाड़ा में की बैठक हुई. बैठक में विगत दिनों तुपुदाना चौक स्थित इंडेन गैस एजेंसी के द्वारा उज्ज्वला गैस कनेक्शन के नाम पर प्रति लाभुक 500 रुपए लेने की जानकारी ग्रामीणों को मिली थी. समाजसेवी गणेश तिग्गा, आरती कुजूर व अंजली लकड़ा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने इसकी शिकायत प्रखंड विकास पदाधिकारी से किया था. प्रखंड विकास पदाधिकारी ने मामले की जांच कर करवाई करने का आश्वासन दिया था.

मामले की जानकारी मिलने पर गैस एजेंसी संचालक ने भी ग्रामीणों से पूछताछ किया और उज्ज्वला गैस कनेक्शन देने के नाम पर अवैध वसूली करने वाले कर्मचारी को बर्खास्त कर दिया. ग्रामीणों के साथ अगुवागनों ने आम ग्रामीणों से लिए पैसा वापस करने की मांग की. जिसे संचालक ने मान लिया था. सोदाग अखड़ा में समाजसेवी गणेश तिग्गा, मोती सिंह की अध्यक्षता में गैस एजेंसी के संचालक द्वारा भेजे गए प्रमोद और अंजली ने लाभुकों से लिया पैसा वापस किया. उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष आरती कुजूर ने कहा कि उज्जवला योजना केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है. इस योजना के नाम से अवैध वसूली गलत है. यह योजना महिलाओं के लिए उनके स्वास्थ्य को देखते हुए केंद्र सरकार ने दिया था. किंतु गांव के आम ग्रामीण महिलाओं जो बहुत सीधे होते हैं उनसे पैसा का वसूली करना सरासर गलत है. एजेंसी के द्वारा आगे से किसी प्रकार की शिकायत ना हो इसका ख्याल रखा जाए.

अवैध वसूली

- गैस एजेंसी के संचालक ने खुद भी ग्रामीणों से पूछताछ की
- कनेक्शन के नाम पर वसूली करने वाले कर्मी बर्खास्त हुए

समाज सेवी गणेश तिग्गा ने कहा कि इसके पूर्व जब भी उज्ज्वला योजना के लाभुकों को नया गैस कनेक्शन दिया गया था, तो एक भी पैसा नहीं लिया गया था. किंतु इस बार तुपुदाना गैस एजेंसी के कर्मचारियों के द्वारा अवैध वसूली सरासर गलत है. आचार संहिता के पूर्व दिए गए आवेदन पर अब जाकर कार्रवाई हुई. इसके लिए उन्होंने बीडीओ को धन्यवाद दिया. साथ ही इस प्रकार में किसी भी तरह की कोई शिकायत हो तो फोन नंबर 9905784606 पर सूचना देने का अपील किया. अंजलि लकड़ा ने कहा कि न सिर्फ उज्ज्वला योजना बल्कि इस प्रकार की किसी भी योजना में अवैध वसूली होती है तो लोगों को एक दूसरे को बताना चाहिए. ताकि अवैध पैसा लेने वालों पर डर बना रहे. गैस एजेंसी के मुकेश ने कहा कि उनके कर्मचारियों द्वारा यह जो कार्य किया गया है समाज के लिए निंदनीय है. कहा कि आगे से कभी भी किसी प्रकार की शिकायत हो तो वह सीधे उनके फोन पर इस प्रकार की सूचना दें और जो गलत करते हैं उसके खिलाफ आवाज उठाएं.

न्यूज अपडेट

सिल्ली में एक दिवसीय वुशु प्रशिक्षण शिविर संपन्न

सिल्ली/मुरी। सिल्ली स्टेडियम में बुधवार को बिरसा मुंडा वुशु सेंटर सिल्ली के तत्वावधान में एकदिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया. जिसमें सिल्ली एवं रामपुर सेंटर के प्रशिक्षु शामिल हुए. शिविर के समापन समारोह में पूर्व उपमुख्यमंत्री सह स्थानीय विधायक सुदेश कुमार महतो शामिल हुए और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाए. इस मौके पर गूंज संयोजक जयपाल सिंह, अध्यक्ष सुनील सिंह, पूर्व जिप सदस्य गौतम कृष्ण साहू, लक्ष्मण महतो, ब्रजेश प्रसाद, कोच वाहिद अली आदि उपस्थित थे.

बाल विवाह सभ्य समाज के लिए अभिशाप है: शाही

सिल्ली/मुरी। सिल्ली स्थित कस्तूरबा परिसर में बुधवार को गर्ल्स नॉट ब्राइड एवं आशा संस्था के संयुक्त तत्वावधान में क्षेत्र में बाल विवाह को समाप्त करने एवं इसके रोकथाम के लिए जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यशाला में कस्तूरबा विद्यालय की आठवीं से बारहवीं तक की छात्राओं ने भाग लिया. छात्राओं को संबोधित करते हुए आशा की ओर से आए प्रतिनिधि जय प्रकाश शाही ने कहा कि बाल विवाह एक अभिशाप है. इस मौके पर विद्यालय की वार्डन सह प्राचार्य अल्मा मेरी रुंडा, चंद्रशेखर मिश्रा, खेल शिक्षिका अनामिका लकड़ा, चंद्रिका, भवानी बाला, सीमा कुमारी आदि मौजूद थे.

डकरा में चार दिवसीय गायत्री महायज्ञ शुरू

डकरा। गायत्री परिवार की परम वंदनीय माता भगवती देवी शर्मा के शताब्दी वर्ष समारोह के पूर्व कोयलांचल वासियों एवं विश्व कल्याण के लिए 10 से 13 अप्रैल तक डकरा गायत्री शक्तिपीठ में चार दिवसीय गायत्री महायज्ञ मंत्रोच्चारण के साथ शुरू हो गया. बुधवार सुबह मंदिर परिसर से हजारों की संख्या में श्रद्धालु पीले वस्त्र धारण कर माथे में कलश लेकर गाजे बाजे के साथ दामोदर नदी पहुंचे. जहां से जल भरकर पुनः मंदिर पहुंचे. जहां अनुष्ठान के लिए यज्ञ मंडप में कलश रखकर सामूहिक रूप गायत्री मंत्र का जाप हुआ.

ओरमांझी में राम भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण

ओरमांझी । पूजा समिति ओरमांझी द्वारा रामनवमी के उपलक्ष्य में शोभायात्रा निकाली गई. इसमें शामिल हुए लोगों के बीच शिविर लगाकर शिव शिष्य परिवार गुरगाई ओरमांझी के अध्यक्ष अर्चित आनन्द के सौजन्य से खीर, हलुआ, कोल्डड्रिंक, ठंडा पानी का वितरण किया गया. ओरमांझी के उपमुखिया संतोष गुप्ता के नेतृत्व में शिविर लगा, जिसमें मुख्य रूप से युवा दस्ता के अध्यक्ष आशीष कुमार साहू, सतीश गुप्ता,सतीश बड़ाईक, सांसद प्रतिनिधि राजेश गुप्ता सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे.

चांद दिखा, लोगों ने एक -दूसरे को दी ईद की बधाई

इटकी । बुधवार देर शाम ईद की चांद देखे जाने की पुष्टि पर लोगों ने पटाखा फोड़ कर खुशियां मनायी व एक दूसरे को ईद की बधाई दी. चांद देखे जाने के बाद इटकी के विशेष ईद बाजार में लोगों की चहल-पहल बढ़ गयी. इटकी के मुख्य ईदगाह में सुबह 8.30 बजे. जामा मस्जिद में सुबह 7:00 बजे, मस्जिद ए जाफर में 7:45 बजे मदीना मस्जिद में 8 बजे, कुर्गी मस्जिद में 7:30 बजे, कुंदी जामा मस्जिद में 8.30 बजे, मदरसा जामिया अजीजिया में 7 बजे, टिकरा व टुरुगुरु में 8.15 बजे, फिरदौश नगर स्टेशन में 8.30 बजे, रानीखटंगा में 8.45 बजे ईद-उल-फितर की विशेष नमाज अदा की जायेगी.

ईद आज,कोयलांचल के बाजारों में उमड़ी भीड़

पिपरवार । सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र और आस पास के ग्रामीण इलाकों में मुस्लिम समुदाय का सबसे बड़ा त्योहार ईद आज मनाया जाएगा.ईद को लेकर सारी तैयारी पूरी कर ली गई है. बुधवार की शाम ईद का चांद दिखने के साथ ही लोग इसकी तैयारी में लग गए.कोयलांचल क्षेत्र के सभी बाजारों में भीड़ देखी गई.लोग सेवईं सहित अन्य सामानों की खरीदारी करते देखे गये. इधर, ईद का चांद दिखने के साथ ही कोयलांचल क्षेत्र के सभी मस्जिदों और ईदगाह में नमाज अदा करने को लेकर संबंधित अंजुमन कमेटी ने समय की घोषणा कर दी है.

महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं : वीणा

सिल्ली/मुरी । सिल्ली कॉलेज सिल्ली में बुधवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत महिला सशक्तिकरण विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला काआयोजन किया गया. मुख्य अतिथि जिप उपाध्यक्ष बीणा चौधरी, उप प्रमुख आरती देवी, टुटकी पंचायत के मुखिया शर्मिला कुमारी, लुपुंग पंचायत मुखिया सीमा कुमारी गोंझ एवं प्राचार्य डॉ अनंत कुमार महतो ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ भेंट कर तथा कॉलेज की छात्राओं गंगोत्री ग्रुप द्वारा स्वागत गीत गाकर किया गया. कॉलेज की छात्रा रिया पाठक ने महिलाओं पर हो रहे अत्याचार एवं इससे लड़ने की संघर्ष पर एक लघु नृत्य नाटिका की प्रस्तुति से उपस्थित सभी का मन मोह लिया. जिप सदस्य ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं. पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं.

नरकोपी के युवक की कर्नाटक में हादसे में मौत

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के नरकोपी थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम नरकोपी के मजदूर 26 वर्षीय बुदा उरांव पिता एतवा उरांव काम करने कर्नाटक के बेंगलुरु गया था . वहां वह ठेकेदार जोसेफ के अंडर में मजदूरी कर रहा था . बुधवार को काम करने के दौरान छत से गिरकर बुदा उरांव की मौत हो गई . उसकी मौत की खबर सुनते ही गांव में मातम छा गया . परिवार वालों ने ठेकेदार जोसेफ से मृतक बुदा उरांव का शव को अपने गांव नरकोपी लाने के लिए गुहार लगाया तो ठेकेदार ने शव को नरकोपी पहुंचने से इनकार कर दिया. परिजनों ने इस संदर्भ में प्रशासन से गुहार लगाई कि किसी भी हालत में बुदा उरांव के शव को ठेकेदार यहां भेज दे. परंतु जिस ठेकेदार के माध्यम से बुदा काम कर रहा था उस ठेकेदार जोसेफ ने शव को भेजने से इंकार कर दिया है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष धन कारक चंद्रमा उच्च के हैं. अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी. भाग्य का साथ मिलेगा. पुराना रोग उभर सकता है. विवाद से क्लेश संभव है. कोई बड़ा कार्य सम्पन्न होगा.

वृषभ दिखावा या गलत जगह खर्च होगा. नेत्र संबंधी रोग से बचें. दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी. कार्य में विलंब होगा. मौसमी बीमारियों से बचें, स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. पारिवारिक चिंता बनी रहेगी.

मिथुन किसी अतिथि का आगमन होगा. दिखावा में ज्यादा खर्च हो सकता है. विदेश से शुभ समाचार मिलेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. भाग्य का साथ रहेगा. व्यापार में वृद्धि के योग हैं. निवेश शुभ रहेगा. आपके कार्य प्रभाव से आय होगी.

कर्क आय के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. नई योजना बनेगी. कारोबार में वृद्धि होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. नए व्यापारिक अनुबंध होंगे. धनार्जन होगा. लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी.

सिंह पिता के कार्य से लाभ होगा. उनकी आज्ञा से कार्य करें. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा. आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार अच्छा चलेगा. नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्नता रहेंगे. सूर्य को जल दें.

कन्या धर्म में मन लगेगा. पर वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे. आय में निश्चितता होगी. ऐश्वर्य पर व्यय होगा.

तुला बेकार के बहस से बचें. समय सामान्य है. आपके कृत्य के कारण कोई अज्ञात भय सताएगा. पुराना रोग उभर सकता है. भागदौड़ रहेगी. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा.

वृश्चिक पार्टनर से कोई मतभेद हो सकता है. कोई अच्छा समाचार मिल सकता है. किसी व्यक्ति से बेवजह संबंधित बाधा से बचें. विरोधी सक्रिय रहेंगे. मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में चैन रहेगा.

धनु समय सामान्य तौर पर अच्छा है. संतान की तरक्की से मन प्रसन्न रहेगा. मौसमी बीमारियों को अनदेखा नहीं करें. इससे बाद में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. संतान को शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी.

मकर शिक्षा में सफलता का योग है. संतान की देखभाल करें. भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी. कोई बड़ा लाभ हो सकता है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें. चोट व रोग से बचें.

कुंभ मानसिक उलझनवाला दिन है. कोई बड़ा कार्य या बोलने से पहले विचार आवश्यक है. किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा. कारोबार में वृद्धि होगी. नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा

मीन समय उपयुक्त फल देगा. भाई बहन से मतभेद हो सकता है. जवान पर कन्ट्रोल आवश्यक है. पराक्रम का गलत तरीके से प्रयोग नहीं करें. कारोबार में वृद्धि होगी. निवेशादि शुभ रहेंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे.

हीट स्ट्रोक यूनिट स्थापित करने पर बधाई

आदित्यपुर । अचानक गर्मी बढ़ने से लू लगने की समस्या बढ़ गई है. विभिन्न अस्पतालों में एवं नर्सिंग होम में लू से पीड़ित लोग पहुंच रहे हैं. इस समस्या को देखते हुए अस्पताल एवं सभी नर्सिंग होम को हीट स्ट्रोक यूनिट स्थापित करने का निर्देश दिया है. टीएमएच, टिनप्लेट एवं टाटा मोटर्स अस्पताल में सिविल सर्जन के निर्देश अनुसार मापदंड को देखते हुए यह व्यवस्था की गई है. इसके लिए जमशेदपुर की जनता की ओर से टीएमएच, टिनप्लेट, टाटा मोटर्स अस्पताल को सिटीजन फोरम बधाई देता है. उम्मीद करती है कि यह सुविधा सरकारी अस्पताल और अन्य अस्पतालों में उपलब्ध कराई जाए.

मेहंदी रचा कर दिया मतदान का संदेश

जमशेदपुर । जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज में सिस्टेमेटिक वोटर्स एजुकेशन एंड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन (स्वीप) के अंतर्गत मतदान के प्रति जागरुकता बढ़ाने उद्देश्य से कॉलेज में बुधवार को मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता की को-ऑर्डिनेटरक मनोविज्ञान विभाग की प्रो (डॉ) संगीता कुमारी थीं. इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ सत्यप्रिय महालिक ने विद्यार्थियों को मतदान का महत्व बताया. उन्होंने मताधिकार का प्रयोग करने और दूसरों को इसके प्रति जागरूक करने की अपील करते हुए प्रतियोगिता की शुरुआत की.

ईद नहीं मनाएंगे झामुमो कार्यकर्ता

पलामू । पलामू झामुमो के सचिव सन्नू सिद्दीकी और अन्य मुस्लिम नेताओं ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी कि वे लोग इस बार ईद नहीं मनाएंगे. ज्ञात हो कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद झामुमो के कार्यकर्ताओं ने इस बार होली भी नहीं मनाई थी. जबकि होली मिलन समारोह झामुमो द्वारा आयोजित किया जाता था. सन्नू सहित सभी मुस्लिम नेताओं ने ईद नहीं मनाने का निर्णय लिया है. सचिव ने बताया कि ईद की नमाज पढ़ना फर्ज है. इसलिए ईद की नमाज पढ़ी जाएगी और हमारे नेता हेमंत की सलामती की दुआ भी की जाएगी. आज पूरे झारखंडवासियों के मन में उदासी है. इसलिए हम सबों ने मिलन समारोह नहीं करने का निर्णय लिया है. लेकिन हेमंत जिस दिन बाहर निकलेंगे उस दिन ईद और होली मनाएंगे.

लोबिन हेंब्रम ने पार्टी संगठन, हेमंत, कल्पना, पिंटू और पंकज मिश्रा पर जोरदार हमला किया

झामुमो की दूसरी सूची जारी होते ही पार्टी में मचा घमासान

कौशल आनंद। रांची

- लोबिन ने कहा : झामुमो में रहते हुए राजमहल से लड़ूंगा चुनाव
- कहा-हेमंत के बाद बंसत को मिलना चाहिए था उत्तराधिकार
- मैं बागी नहीं, पार्टी हो गयी दिशाविहीन एवं संगठन विहीन
- आखिरकार पार्टी और परिवार में चल क्या रहा है, बड़ा मुद्दा है

झारखंड मुक्ति मोर्चा की दूसरी सूची जारी होते हुए पार्टी में घमासान मच गया है. यह घमासान राजमहल और सिंहभूम सीट के प्रत्याशियों को लेकर है. पहले से बगावती सूर में चल रहे रहे बोरियो विधायक लोबिन हेंब्रम ने राजमहल से निर्दलीय चुनाव लड़ने का एलान कर दिया है. उन्होंने कहा कि मैं पार्टी में रहते, बिना इस्तीफा दिए राजमहल से निर्दलीय चुनाव लड़ूंगा. क्योंकि मुझे गुरुजी के संघर्ष की पार्टी को बचाना है. हां अगर पार्टी चाहे तो मुझे निकाल दे, मगर मैं झामुमो नहीं छोड़ूगां. यह बातें उन्होंने बुधवार को रांची में विधायक आवास में आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन में कही.

कल्पना को क्यों बनाया गया उत्तराधिकारी, बसंत क्यों नहीं

लोबिन हेंब्रम ने सोरेन परिवार के खिलाफ जमकर हमला किया. उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से दुर्गा सोरेन के निधन के बाद उनके छोटे भाई हेमंत सोरेन को उत्तराधिकारी बनाया गया. उसी प्रकार हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद बंसत सोरेन को उत्तराधिकार मिलना चाहिए था. यहां कल्पना को किसने उत्तराधिकारी बनाया. आखिरकार पार्टी और परिवार में चल क्या रहा है. कौन लोग पार्टी और परिवार चला रहे हैं. यह बहुत बड़ा मुद्दा है.

सीता सोरेन को मंत्री बनाकर उन्हें सम्मान दिया जाना चाहिए था

लोबिन हेंब्रम ने कहा कि दुर्गा सोरेन के निधन के बाद भले ही उन्हें उनके सीट से तीन बार टिकट देकर विधायक बनाया गया. मगर क्या बड़ी बहू होने के नाते उन्हें सरकार, परिवार और संगठन में उचित जगह नहीं मिलनी चाहिए थी. अगर उन्हें मंत्री बना दिया जाता तो क्या हो जाता. कहीं न कहीं खुद को उपेक्षित महसूस करते हुए ही उन्होंने पार्टी का परित्याग किया.

पिंटू और पंकज के बारे में पार्टी संगठन व विधायकों ने क्यों संज्ञान नहीं लिया

लोबिन हेंब्रम ने कहा कि जिन लोगों के कारण आज हेमंत सोरेन जेल गए हैं. उनके खिलाफ हमारे विधायक और पार्टी संगठन गोलबंद क्यों नहीं हुए. अभिषेक प्रसाद पिंटू और पंकज मिश्रा नाक के नीचे गलत कर रहे थे, गलत सलाह दे रहे थे तो पार्टी संगठन और विधायकों ने क्यों संज्ञान नहीं लिया. इन लोगों ने परिवार और संगठन को बर्बाद कर दिया.

पार्टी के घोषणा पत्र के विरुद्ध काम किया हेमंत ने

लोबिन हेंब्रम ने कहा कि 2019 के चुनाव में जो वादा और घोषणा पत्र पार्टी ने तैयार किया. हेमंत सोरेन जब प्रचार कर रहे थे, पार्टी के एजेंडे के तहत, तो मैं उनके साथ मंच शेयर करता था. मगर सरकार गठन और हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री रहते हुए चार साल बीत जाने के बाद भी एक भी घोषणा पत्र पर अमल नहीं हुआ. ना 1932 आधारित स्थानीय-नियोजन नीति बनी, न पी-पेसा एक्ट लागू हुआ, न समता जजमेंट की अनुशंसा लागू हुआ, न जल, जंगल और जमीन को बचाया गया. जमीन और नौकरी बाहरी लूट रहे हैं. जितने भी वैकेसी और नौकरी दिए जा रहे हैं उसमें अधिकांश बाहरी हैं. क्या इसलिए ही झारखंड बना. क्या इसलिए ही झामुमो ने अपना घोषणा पत्र तैयार किया था. इसलिए बागी मैं नहीं, पार्टी और संगठन बागी हो गया है. अपने मुद्दों से पीछे हटकर.

विजय हांसदा सांसद नहीं व्यापारी बन गये हैं

लोबिन हेंब्रम ने कहा कि विजय हांसदा को दो बार पार्टी ने सांसद बनाया. मगर पूरे क्षेत्र में उनका जबरदस्त विरोध है. हर कोई उन्हें बदलने की मांग कर रहा है. यहां तक कि सहयोगी जिला कांग्रेस के लोग भी नहीं चाहते हैं कि उन्हें फिर से टिकट मिले. वह सांसद बनने के बाद क्षेत्र में कम अपना व्यापार अधिक किया. व्यापारी बन गया है. मेरे उपर राजमहल की जतना का दबाव है, इसलिए पार्टी और राजमहल की जनता को न्याय दिलाने के लिए मैदान में उतरूंगा. मैं किसी पार्टी नहीं निर्दलीय उतरूंगा. हां अगर झापा चाहे तो बाहर से समर्थन दे सकती है.

जोबा को बदलने के लिए सीएम को दिया गया अल्टीमेटम

इधर सिंहभूम सीट से जोबा मांझी को प्रत्याशी बनाए जाने पर कोल्हान में विरोध के स्वर उभर गए हैं. झामुमो नेता दमोदर सिंकू और संध्या सिंह खुटियां के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल रांची में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से मिला. उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि जल्द से जल्द जोबा मांझी को बदलकर हो समाज के व्यक्ति को सिंहभूम से प्रत्याशी बनाया जाए, नहीं तो हो समाज के लोग गोलबंद होना शुरू हो गए हैं. जिसका खमियाजा पार्टी को चुनाव में भुगतना पड़ सकता है. साफ तौर पर सीएम से कहा कि जोबा नहीं चलेगी, कोल्हान से हो समुदाय का ही प्रत्याशी चाहिए, ताकि गठबंधन की जीत सुनिश्चित हो सके.

सरहुल बाद चमरा लिंडा लोहरदगा से ठोकेंगे ताल

झामुमो विधायक चमरा लिंडा सरहुल के बाद लोहरदगा सीट से चुनाव लड़ने के लिए घोषणा करेंगे. मालूम हो कि झामुमो चमरा लिंडा के लिए यह सीट कांग्रेस से मांग रहा था. लेकिन कांग्रेस ने सुखदेव भगत को मैदान में उतार दिया. जिससे नाराज चमरा लोहरदगा से निर्दलीय उतरने का फैसला लिया है. इससे अब मुकाबला कड़ा हो गया.

सड़क किनारे मकान में घुस गया बेकाबू ट्रक, चार घायल

संवाददाता । चांडिल

टाटा-रांची राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर चौका थाना क्षेत्र के झाबरी गांव के पास बुधवार सुबह एक अनियंत्रित ट्रक सड़क किनारे स्थित एक घर में घुस गया. तेज रफ्तार ट्रक चारदीवारी को तोड़ते हुए नरेश कुमार महतो के मकान में घुस गया. इस दुर्घटना में ट्रक का चालक राम बाबू, सहचालक सतीश और मकान मालिका नरेश कुमार महतो की मां झुनी महतो व भगिनी भाग्यवती महतो को चोट लग गई.

बताया जा रहा है कि जिस समय दुर्घटना घटी, उस समय नरेश की भगिनी घर के अंदर झाड़ू लगा रही थी. वहीं मां आंगन में बैठी थी. दुर्घटना में मकान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया. जानकारी के अनुसार, ट्रक रांची की ओर से चावल लदा ट्रक लेकर आ रहा था. इस दौरान चालक को अचानक झपकी आई और अनियंत्रित होकर ट्रक चारदीवारी को तोड़कर मकान के अंदर घुस गया. मकान मालिक नरेश ने बताया कि चहारदीवारी समेत चार कमरा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है. मकान के अंदर रखे सारे सामान बर्बाद हो गये हैं. उन्होंने करीब चार लाख रुपये की क्षति की बात कही और मुआवजा की मांग की. दुर्घटना में ट्रक चालक व सह चालक वाहन के अंदर ही केबिन में फंस गए थे, जिसे स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला. घटना में ट्रक का आगे हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. सूचना मिलते ही चौका थाने की पुलिस पहुंची और घायल ट्रक चालक रामबाबू व सहचालक सतीश को इलाज के लिए चांडिल अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती करायी. प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को छुट्टी दे दी गई.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने चाईबासा के कई बूथों का औचक निरीक्षण किया

रांची । मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने बुधवार को चाईबासा के प्राथमिक विद्यालय-उलीहातु बूथ संख्या-16,राजकीयकृत मध्य विद्यालय-सिंद्री बूथ संख्या-10,11,12, नगरपालिका बंगला मध्य विद्यालय-चाईबासा बूथ संख्या-96, 97 तथा श्रद्धानंद बालिका मध्य विद्यालय-बड़ी बाजार बूथ संख्या- 126,127एवं 128 का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के क्रम मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदान केंद्रों पर आवश्यक न्यूनतम सुविधा शौचालय, रनिंग वाटर, पेयजल, बिजली, चार्जिंग सॉकेट सहित अन्य बिजली उपकरण, फर्नीचर की उपलब्धता आदि का बिंदुवार जायजा लिया गया. इस क्रम में मतदान केंद्र पर उपस्थित बीएलओ से अब्सेंटी वोटर, दिव्यांग वोटर व बूथ अवेयरनेस ग्रुप व अन्य विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी ली. अवलोकन के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदान केंद्रों पर दिखीं कमियों को तत्काल दुरुस्त करने का निर्देश दिया.

पूर्व कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी

संवाददाता । रांची

- मुख्य अनुष्ठाता सेवानिवृत्त आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो थे
- स्व. तेलेस्फोर पी टोप्पो का घर गुमला के झड़गांव में है

पूर्व कार्डिनल स्व. तेलेस्फोर पी टोप्पो के सम्मान में बुधवार को उनके गुमला स्थित पैतृक गांव झड़गांव में मिस्सा और श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया. इस समारोह के मुख्य अनुष्ठाता रांची के सेवा निवृत्त आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो एवं सह अनुष्ठाता के रूप में रांची महाधर्मप्रांत के आर्चबिशप विंसेंट आइंद व गुमला के बिशप लीनुस पिंगल थे. समारोह में उपस्थित विश्वासियों ने सभी बिशपों और पुरोहितों का स्वागत किया. मिस्सा के अंत में स्वर्गीय कार्डिनल तेलेस्फोर पी टोप्पो के सम्मान में बने स्मरण स्थल के उद्घाटन एवं आशीष की रस्म की गयी.

उल्लेखनीय है कि पूर्व कार्डिनल स्व. तेलेस्फोर पी टोप्पो की मृत्यु पिछले वर्ष 04 अक्टूबर 2023 को हुई. 11 अक्टूबर 2023 को राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया. उनके अवशेष को स्थापित किया गया. इस श्रद्धांजलि समारोह में रांची और गुमला से आए 30 पुरोहितों एवं 1500 से अधिक विश्वासी शामिल हुए.बिशप लीनुस पिंगल ने अपने संदेश में कहा कि शहर से दूर एक छोटे से गांव से संबंधित होकर एक कार्डिनल की उपलब्धि हासिल करना उनके व्यक्तिगत जीवन के लिए और हमारी छोटानागपुर की कलीसिया के लिए गौरवपूर्ण समय रहा. उन्होंने अपने जीवन में असाधारण काम किए. साथ ही धर्मप्रांत और पूरे देश के लिए एक प्रेरणा के स्रोत बने.

तीन महिलाओं की मौत से पसरा मातमी सन्नाटा

संवाददाता । बहरागोड़ा

पहुंचे विधायक

- घरों की लिपाई के लिए लोग कर रहे थे मिट्टी की खुदाई
- जमीन को खेती करने के लिए किया जा रहा था समतल

बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के माटिहाना पंचायत अंतर्गत कोकमारा गांव में मिट्टी धंसने की घटना में सभी घायल व मृतक भूतिया पंचायत अंतर्गत बनियाकुंदर गांव के रहनेवाले बताये गये हैं. जानकारी के मुताबिक, लगभग 40 महिला व पुरुष मिट्टी की खुदाई कर रहे थे. सभी खोड़ी मिट्टी से अपने-अपने घरों की लिपाई करने के लिए प्लास्टिक के बोरे में मिट्टी भर कर ले जाते.

बताया जा रहा है कि लगभग 10 फीट गहराई में मिट्टी खुदाई की जा रही थी, तभी अचानक ऊपर से मिट्टी का एक बड़ा हिस्सा मजदूरों के ऊपर गिर गया. इससे मिट्टी खोद रहे सात लोग दब गये. सभी घायल और मृतक भूतिया पंचायत अंतर्गत बनियाकुंदर गांव के रहने वाले हैं. ग्रामीणों के अनुसार, उक्त जमीन को खेती करने के लिए समतल किया जा रहा था. इस कारण एक तरफ मिट्टी लगभग 10 फीट ऊंची रह गई थी. तीन महिलाओं की मौत की घटना के बाद बनियाकुंदर गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया है.

विधायक ने मृतक के परिजनों को ढाढ़स बंधाया

घटना की सूचना पाकर बहरागोड़ा विधायक समीर कुमार मोहंती मौके पर पहुंचे और मृतकों के परिजनों से मिल कर शोक संवेदना प्रकट की. उन्होंने घायलों से मिल कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी भी ली. वहीं घटना की सूचना मिलते ही पूर्व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. दिनेश षाड़ंगी, सांसद प्रतिनिधि गौरव पुष्टि, तपेश महापात्र, रास बिहारी साव आदि राजनीतिक दल के नेताओं ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच कर घटना की जानकारी लेते हुए घायलों का हाल जाना.

बमकांड में पुलिस को नहीं मिला अपराधियों का सुराग

आदित्यपुर । गम्हरिया में मंगलवार की रात बोतल बमकांड के अपराधियों का अब तक कोई सुराग नहीं मिला है. आदित्यपुर पुलिस ने अज्ञात अपराधियों पर केस दर्ज कर लिया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. आदित्यपुर थाना प्रभारी नितिन कुमार सिंह ने बताया कि अब बमकांड में घायल अजय प्रताप की हालत सामान्य है और उसे अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है. पुलिस ने बाबू दास और अजय प्रताप से पूछताछ भी की है. उनसे यह जानने का प्रयास किया कि आखिरकार उन पर हमले की क्या वजह हो सकती है, लेकिन पुलिस को दोनों ने कुछ खास जानकारी नहीं दी है. सूत्र बताते हैं कि यह मामला जमीन की खरीद-बिक्री से जुड़ा है. चूंकि अजय प्रताप जमीन खरीद-बिक्री का धंधा करते हैं. बता दें कि मंगलवार की रात झामुमो नेता बाबू दास और अजय प्रताप पर रात करीब साढ़े नौ बजे उस वक्त चार की संख्या में आए अपराधियों ने बोतल बम से हमला किया था.

पेज एक का शेष

अब बिरहोर बेटे की मौत...

धूल-गर्दा और प्रदूषण के कारण 36 साल के बहादुर बिरहोर की मौत हुई है. इस बीच एक्टिविस्ट मंटू सोनी ने बहादुर बिरहोर की मौत पर उपायुक्त हजारीबाग को ट्वीट कर मानवाधिकार आयोग, वन मंत्रालय, जनजातीय मंत्रालय, ऊर्जा मंत्रालय और झारखंड के राज्यपाल को टैग करते हुए उसके शव का पोस्टमार्टम करने और दोषियों पर कार्रवाई करने का मांग की है.

बिरहोर की मौत, जिला प्रशासन पर उठ रहे हैं सवाल : चट्टी बरियातू कोल माइंस क्षेत्र के पास रह रहे बिरहोर समुदाय के लोगों की मौत पर समाज का एक बड़ा वर्ग और कई सामाजिक संगठन सवाल उठा रहे हैं. एनटीपीसी के चट्टी बरियातू कोल माइंस को खुले दो वर्ष बीतने को हैं, पर आज तक बिरहोरों को माइंस क्षेत्र से अलग जगह पर बसाने की सार्थक पहल क्यों नहीं की जा रही है. परियोजना से प्रभावित आदिम जनजाति की बस्ती को खनन पूर्व दूसरी जगह बसाना था, लेकिन कोयला मंत्रालय को समय से खनन कार्य शुरू कराना की हड़बड़ी में जिला प्रशासन के सहयोग से खनन तो चालू कर दिया गया, लेकिन बिरहोर बस्ती के लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया. एक्टिविस्ट मंटू सोनी ने पूरे मामले को लेकर राज्य सरकार से लेकर भारत सरकार तक को पत्र लिखकरमामले की जांच करा कर कार्रवाई की मांग की है. कहा है कि बिरहोर बस्ती को बिना बसाये खनन चालू करने का जिम्मेवार कौन हैं. लुप्त हो रही बिरहोर जनजाति के लोगों की मौत के जिम्मेदार लोगों को चिह्नित कर कानूनी कार्रवाई करने को कहा है.

हम अंधे नहीं, नतीजा भुगतना होगा...

शीर्ष अदालत ने कहा कि जब रामदेव और बालकृष्ण को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए और अदालत के सामने पेश होने का निर्देश दिया गया, तो उन्होंने उस स्थिति से बचने का प्रयास किया, जहां व्यक्तिगत पेशी जरूरी थी. न्यायालय ने कहा कि यह बेहद अस्वीकार्य है. पीठ ने आदेश सुनाते हुए कहा, मामले के पूरे इतिहास और अवमाननाकर्ताओं के पिछले आचरण को ध्यान में रखते हुए हम उनके द्वारा दायर नवीनतम हलफनामे को स्वीकार करने के अनुरोध पर अपनी आपत्ति व्यक्त करते हैं. कोर्ट ने मामले में आगे की सुनवाई के लिए 16 अप्रैल की तारीख तय की.

जागरुकता अभियान अपनी आय का एक हिस्सा ग्रामीण महिलाओं के बीच खर्च कर रही हैं डॉ कामिनी

डॉ. कामिनी स्वास्थ्य के प्रति महिलाओं को करती हैं जागरूक

संवाददाता । रांची

झारखंड की बेटी डॉ. कामिनी प्रसाद ने ग्रामीण महिलाओं और बच्चियों को जागरूक करने का बीड़ा उठाया है. वह अपनी आमदनी का एक हिस्सा ग्रामीण महिलाओं और बच्चियों के बीच खर्च भी कर रही हैं. यह खर्च महिलाओं और युवतियों को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ इन्हें फ्री में सेनेटरी पैड देने में हो रहा है. रामगढ़ में पली बढ़ी डॉ. कामिनी प्रसाद ने रांची यूनिवर्सिटी से पीजी किया. इसके बाद वह बिहार के पाटलिपुत्रा कॉलेज में प्राध्यापक के रूप में सेवा दी.

इसी कॉलेज में वह हिन्दी की एचओडी पद से रिटायर भी हुईं. इसके बाद डॉ. कामिनी ने अपने बेटे साथ मिलकर आनंद फाउंडेशन नामक संस्था बनाई. इस संस्था के जरिये सरकारी स्कूलों के साथ गांवों का दौरा कर महिलाओं और बच्चियों के बीच सेनेटरी पैड का मुफ्त में वितरण कर रही हैं. डॉ. कामिनी ने बताया कि कोरोना के समय लॉकडाउन में जहां हर व्यक्ति छोटी से छोटी चीज के लिए परेशान था. राशन से लेकर सब्जी तक की मारा मारी चल रही थी. सारे बाजार और दुकान बंद थे. हर आदमी रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले सामान के लिए परेशान हो रहा था. इस दौरान हमने देखा कि महिलाएं भी सेनेटरी पैड के लिए परेशान हैं. पर उन्हें यह उपलब्ध नहीं हो पा रहा था. इनकी इस समस्या के समाधान के लिए हमने इन तक फ्री में पैड पहुंचाने की योजना बनाई. यह सिलसिला अब तक जारी है. उन्होंने बताया कि हमारी कोशिश है कि झारखंड के हर गांव में जाकर महिलाओं को स्वच्छता के साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाये.

फैक्ट फाइल

- 87% लड़कियां पुराने कपड़े इस्तेमाल करती हैं
- 60% लड़कियां पीरियड के कारण विद्यालय ही नहीं जा पातीं हैं
- 44% लड़कियों ने प्रतिबंधों पर शर्मिंदगी और अपमान महसूस किया
- 6% लड़कियों ने सेनेटरी नैपकिन के बारे में कभी सुना ही नहीं है

ईडी को सर्वोच्च झटका

भूपेश बघेल को जिन कारणों से सरकार गंवानी पड़ी, उसमें छत्तीसगढ़ के शराब घोटाले की अहम भूमिका थी. एक ऐसे ही शराब घोटाले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री रहे मनीष सिसोदिया जेल में हैं. सांसद संजय सिंह को जमानत मिल चुकी है. संजय सिंह जमानत के मामले में ईडी को सर्वोच्च अदालत ने खरीखोटी सुनायी. सर्वोच्च अदालत की टिप्पणी इतनी तल्ख थी कि अंततः ईडी ने जमानत का विरोध करने से गुरेज किया. इसी मामले में तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता जेल में हैं. ईडी को इन मामलों को अदालत में साबित करना होगा. छत्तीसगढ़ शराब घोटाले को ईडी सर्वोच्च अदालत में साबित नहीं कर सकी. इस तरह 2000 करोड़ के शराब घोटाले का अंत हुआ. एक ऐसे समय में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनावी अभियान में विपक्ष को भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप सर्वोपरि है. इसके साथ ही विपक्ष के अनेक नेताओं पर ईडी कई तरह के आरोपों की जांच कर रही है. कहने का अर्थ यह नहीं है कि तमाम आरोप बेबुनियाद ही साबित होंगे, लेकिन ईडी का आरोप साबित कर पाने का रिकार्ड बहुत अच्छा भी नहीं है. इतना तो तय है कि छत्तीसगढ़ के शराब घोटाले के कारण भूपेश बघेल की सरकार की छवि प्रभावित हुई थी. अब जब कि मामला ही खारिज हो गया है तो अनेक राजनीतिक सवाल भी उठ खड़े होते हैं. चुनावों के दरम्यान राजनीतिक दलों पर जांच को ले कर भी कई गंभीर सवाल उठ रहे हैं. देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन वह राजनीति से प्रेरित न हो, इस बात का भी ध्यान रखा जाना चाहिए. भाजपा खास कर प्रधानमंत्री तो लगातार कह रहे हैं कि भ्रष्टाचार के खिलाफ होने वाली सख्त कार्रवाइयों से विपक्ष दहशत में है. भाजपा का आरोप है कि इन्हीं कारणों से विपक्षी दलों ने अपना गठबंधन बनाया है. प्रधानमंत्री का आरोप है कि विपक्षी दलों के एकजुट होने का आधार भ्रष्टाचार और परिवारवाद है. तय है कि प्रधानमंत्री विपक्ष के तमाम दलों और नेताओं की साख जनता में गिराना चाहते हैं. छत्तीसगढ़ विधान सभा चुनाव के समय भी प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ के चुनाव अभियान में शराब घोटाले को प्रमुखता से निशाना बनाया था. इससे सवाल उठता हे कि जब तक अदालत से अंतिम आदेश न आ जाए, क्या केवल आरापों के बिना पर किसी भी दल या नेता को भ्रष्टाचार में लिप्त बता देना नैतिक है. छत्तीसगढ़ के शराब घोटाले को ले कर सर्वोच्च अदालत के ताजा फैसले के बाद इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है. इस तथ्य को भी यहां याद रखा जाना चाहिए कि इस मामले में भूपेश बघेल पर सीधा आरोप नहीं था, लेकिन उनकी सरकार को इस घोटाले की कीमत चुकानी पड़ी. चुनावों के बीच विपक्ष सर्वोच्च अदालत के फैसले का राजनीतिक इस्तेमाल करने तथा प्रधानमंत्री के आरोपों का मुकाबला करने के लिए इसे हथियार की तरह इस्तेमाल करने को स्वतंत्र है. दरअसल भारत को भ्रष्टाचार मुक्त करने की जरूरत से इंकार नहीं किया जा सकता, लेकिन एकतरफा कार्रवाइयों और आरोपियों को राजनीतिक पनाह दे कर ऐसा नहीं किया जा सकता.

> छत्तीसगढ़ विधान सभा चुनाव के समय भी प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ के चुनाव अभियान में शराब घोटाले को प्रमुखता से निशाना बनाया था. इससे सवाल उठता हे कि जब तक अदालत से अंतिम आदेश न आ जाए, क्या केवल आरापों के बिना पर किसी भी दल या नेता को भ्रष्टाचार में लिप्त बता देना नैतिक है.

सुभाषित

क्षुध् तृट् आशाः कुटुम्बन्य मयि जीवति न अन्यगाः ।
तासां आशा महासाध्वी कदाचित् मां न मुञ्चति ॥

भूख, प्यास और आशा मनुष्य की पत्नियां हैं जो जीवनपर्यन्त मनुष्य का साथ निभाती हैं. इन तीनों में आशा महासाध्वी है, क्योंकि वह क्षणभर भी मनुष्य का साथ नहीं छोड़ती, जबकि भूख और प्यास कुछ कुछ समय के लिए मनुष्य का साथ छोड़ देते हैं.

मोदी को 2024 का 'बालाकोट' मिल गया है ?

साठ साल तक देश पर राज करने वाले दस साल सत्ता से बाहर क्या रह गए, देश में आग लगाने की बात कर रहे हैं.' प्रधानमंत्री ने सभा में उपस्थित लोगों से इस सवाल का जवाब देने का आह्वान भी किया कि क्या वे देश में आग लगने देंगे? उन्होंने लोगों से अपील की कि वे कांग्रेस का सफ़ाया कर दें. आश्चर्य भी व्यक्त किया जा रहा था कि रामलीला मैदान में दिए गए भाषण के दो दिन बाद तक भी प्रधानमंत्री ने राहुल गांधी पर कोई सीधा आक्रमण क्यों नहीं किया? मेरठ में तो उनकी सभा 31 मार्च को ही हो गई थी.

• देश-काल

श्रवण गर्ग

अपनी सरकार के ख़िलाफ़ व्याप्त ज़बर्दस्त एंटी-इंकम्बेंसी और चुनाव-प्रचार के दौरान संगठित विपक्ष के हमलों का मुक़ाबला करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जिस आक्रामक मुद्दे की लंबे अरसे से तलाश थी, वह मिल गया लगता है ! तलाश किए जा रहे मुद्दे में सिर्फ़ राहुल गांधी को ही निशाने पर लिया जाना था और वह मुमकिन नहीं हो पा रहा था. भाजपा में इस बारे में सोचा नहीं गया होगा कि तेलंगाना के असफल प्रयोग की तरह अगर नया दांव भी जनता के बीच नहीं चल पाया तो पार्टी क्या करेगी? दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में 31 मार्च को हुई विपक्षी गठबंधन की विशाल रैली में राहुल गांधी ने कहा था भाजपा अगर चुनावों में जीतकर संविधान बदलती है तो देश में आग लग जाएगी.जिस दिन संविधान ख़त्म होगा, हिंदुस्तान नहीं बचेगा. यह संविधान की रक्षा वाला चुनाव है.' उत्तराखंड के रूद्रपुर में प्रधानमंत्री ने राहुल द्वारा दिल्ली की रैली में कहे गए शब्दों को बिलकुल नए और मतदाताओं को उत्तेजित कर सकने वाले अन्दाज़ में प्रस्तुत कर दिया. राहुल पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा- कांग्रेस के शाही परिवार के शहज़ादे ने एलान किया है कि अगर देश ने तीसरी बार भाजपा को चुना तो (देश में) आग लग जाएगी. साठ साल तक देश पर राज करने वाले दस साल सत्ता से बाहर क्या रह गए, देश में आग लगाने की बात कर रहे हैं.'
प्रधानमंत्री ने सभा में उपस्थित लोगों से इस सवाल का जवाब देने का आह्वान भी किया कि क्या वे देश में आग लगने देंगे? उन्होंने लोगों से अपील की कि वे कांग्रेस का सफ़ाया कर दें. आश्चर्य भी व्यक्त किया जा रहा था कि रामलीला मैदान में दिए गए भाषण के दो दिन बाद तक भी प्रधानमंत्री ने राहुल गांधी पर कोई सीधा आक्रमण क्यों नहीं किया? मेरठ में तो उनकी सभा 31 मार्च को ही हो गई थी. उसमें भी उन्होंने 'आग लग जाएगी' वाली बात को नहीं उठाया. निश्चित ही इसके लिए उत्तराखण्ड जैसी देवभूमि की तलाश रही होगी, जहां उनके कहे को श्रोताओं ने समुचित सम्मान के साथ ग्रहण किया. भय व्यक्त किया जा सकता है कि उत्तराखण्ड का प्रयोग अब देश के अन्य स्थानों पर भी दोहराया जाएगा.
प्रधानमंत्री इसके पूर्व मुंबई के शिवाजी पार्क मैदान में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' की समाप्ति पर 17 मार्च को हुई विपक्ष की रैली में राहुल द्वारा परिभाषित 'मोदी की असली शक्ति'वाली बात को तेलंगाना की अपनी जनसभा में नारी शक्ति के अपमान के रूप में प्रस्तुत कर महिला मतदाताओं का समर्थन बटोरने की कोशिश कर चुके थे. लोकसभा चुनावों को लेकर ताज़ा चिंताएं ये हैं कि संपूर्ण विपक्ष ने संगठित होकर जिस तरह की चुनौती भाजपा के सामने पेश की है प्रधानमंत्री उसका मुक़ाबला लोकतांत्रिक तरीक़ों से ही करेंगे कि नहीं? उत्तराखंड की सभाओं में उनके द्वारा दिये गए भाषण चिंताएं बढ़ाने वाले हैं. विपक्ष की चिंताओं में अब यह भी शामिल हो रहा है कि पराजय की स्थिति में प्रधानमंत्री संवैधानिक परंपराओं का सम्मान करते हुए शांतिपूर्ण तरीक़ों से सत्ता के हस्तांतरण के लिए अपने समर्थकों को राज़ी कर पाएंगे कि नहीं? प्रधानमंत्री अथवा एनडीए के किसी घटक दल ने भी इस रहस्य का खुलासा नहीं किया है कि लोकसभा की कुल जमा 543 सीटों में अकेले उन्हें ही 400 कैसे मिल सकती हैं? क्या कांग्रेस सहित संपूर्ण विपक्ष को केवल बची 143 अथवा उससे कम सीटें ही प्राप्त होंगी? प्रधानमंत्री के दावों के पीछे कोई तो आधार होगा? एकमात्र खुलासा जो कर्नाटक से भाजपा के सांसद अनंत कुमार हेगड़े ने गलती से या जान-बूझकर किया और जिसकी क़ीमत उन्हें पार्टी-टिकिट से वंचित होकर उठानी पड़ी वह यह था कि 400 सीटों की ज़रूरत देश का संविधान बदलने के लिए है.

रामलीला मैदान की रैली में राहुल गांधी ने न सिर्फ़ सीटों के मुद्दे पर ही मोदी को चुनौती दी यह भी बता दिया कि भाजपा के 400 के नारे के पीछे असली ताक़त किन शक्तियों की है. राहुल गांधी ने दावा किया कि भाजपा को सिर्फ़ 180 सीटें मिलने वाली हैं और 400 सीटों का नारा इवीएम और मैच फिक्सिंग के दम पर दिया जा रहा है. इवीएम की विश्वसनीयता को लेकर सुप्रीम कोर्ट में लंबित याचिकाओं के संबंध में ताज़ा जानकारी यही है कि वीवीपैट की सभी पर्चियों की गिनती पर केंद्र और निर्वाचन आयोग से 17 मई तक जवाब मांगा गया है. मतों की गिनती 4 जून को होना निर्धारित है. प्रधानमंत्री या उनके सहयोगियों में किसी ने इस संबंध में कोई संकेत नहीं दिया है कि भाजपा और उसके सहयोगी दल विपक्षी गठबंधन के पक्ष में सड़कों पर उमड़ रहे व्यापक जन-आक्रोश का किस प्रकार मुक़ाबला करेंगे? जिस तरह के सरकार-विरोधी मूड में देश की जनता इस समय है क्या वह अविश्वसनीय चुनाव परिणामों को आंखें बंद करके स्वीकार कर लेगी? आश्चर्यजनक है कि विपक्ष के ख़िलाफ़ हमले के लिए प्रधानमंत्री को राहुल के अलावा कोई दूसरा मुद्दा नहीं मिल रहा है. यह बताता है कि जनता के बीच उनकी बहु-प्रचारित 'चमत्कारिक' छवि का जादू इस बार नहीं चल पाएगा. प्रधानमंत्री के लिए 2024 की लड़ाई राजनीतिक रूप से जीवन-मरण का प्रश्न बनती जा रही है. उनकी सफलता-असफलता के साथ पार्टी और संघ के भविष्य के अलावा निहित स्वार्थों के शक्तिशाली समूह का अस्तित्व भी जुड़ा हुआ है. सवाल यह है कि अपनी तीसरी पारी के लिए जिन मुद्दों को मोदी अपनी विजय का 'बालाकोट'बनाना चाहते हैं क्या राहुल गांधी उसे बनने देंगे?

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

उपभोग संयम

मानव को उर्जा पाने के लिए भोजन करना आवश्यक है और इसमें भी दो मत नहीं कि मनुष्य को जीवित रहने के लिए अन्य जीवों पर आश्रित रहना ही पडता है. लेकिन, सृष्टि का सबसे बुद्धिमान प्राणी होने के नाते, दूसरे जीवों के प्रति उत्तरदायित्व पूर्वक सोचना भी, मानव का ही कर्तव्य है. इसलिए मानव की यह जिम्मेदारी है कि वह अपना भोजन प्रबंध कुछ इस प्रकार करे कि आहार की इच्छा होने से लेकर, ग्रहण करने तक, सृष्टि की जीवराशि कम से कम खर्च हो. हिंसा तो वनस्पतिजन्य आहार में भी सम्भव है, लेकिन इसका निहितार्थ यह नहीं कि जब सभी तरह के आहार में हिंसा है, तो जानबूझ कर सबसे क्रूरत्तम हिंसा ही अपनाई जाय. यह तो मूढ़ता ही है. यहां हमारा विवेक कहता है कि जितना हिंसा से बचा जा सकता है, सजगता से बचना चाहिए. हमें यह नहीं भुलना चाहिए, कि एक समान दिखने वाले कांच और हीरे के मूल्य में अंतर होता है. और वह अंतर उनकी गुणवत्ता के आधार पर होता है. उसी प्रकार एक बकरे के जीव और एक केले के जीव के जीवन-मूल्य में भी अंतर तो है ही. आहार का चुनाव करते समय हमें अपने विवेक को वैज्ञानिक अभिगम देना होगा. वैज्ञानिक दृष्टिकोण है कि प्रकृति में जीवन विकास, सूक्ष्म एकेन्द्रीय जीव से प्रारंभ होकर क्रमशः पंचेंद्रीय तक पहुंचा है. ऐसे में यदि हमारा आहार प्रबंध कम से कम विकसित जीवों (वनस्पति आदि एकेन्द्रीय जीव) की हिंसा से चल सकता है तो हमारा कोई अधिकार नहीं बनता कि हम उससे अधिक विकसित जीवों (पशु आदि) की अनावश्यक हिंसा करें. जैव विकास की दृष्टि से विकसित जीव (पशु आदि) की हिंसा, प्रकृति के साथ जघन्य अपराध है.प्रकृति का अघोषित विधान है कि संसाधनों का पूरी दक्षता से और विवेक पूर्वक उपभोग किया जाय. मानव के पास ही वह बुद्धिमत्ता है कि वह उपलब्ध संसाधनों का सर्वोत्तम नियमन प्रबंधन करे. अर्थात् अपरिहार्यता की दशा में भी कम से कम संसाधन खर्च कर सावधानी से अतिआवश्यक जरूरत पूरी कर ले. जीव की इन्द्रियां उसके सुख-दुख महसूस करने के माध्यम भी होती है, जो जीव जितनी भी इन्द्रियों की योग्यता वाला है, उसे हिंसा के समय इतनी ही अधिक इन्द्रियों के माध्यम से पीडा पहुंचेगी, अर्थात् पांचों ही इन्द्रिय धारक जीव को अधिक पीडा पहुंचेगी जो मानव मन में क्रूर भावों की उत्पत्ति का कारण बनेगी. मांस में केवल एक जीव का ही प्रश्न नहीं, जब जीव की मांस के लिए हत्या की जाती है, तो जान निकलते ही मक्खियां करोडों अंडे उस मुर्दे पर दे जाती हैं.

इलेक्ट्रिक क्रांति में एक महत्वपूर्ण क्षण

• तकनीक

के रवीन्द्रन

वर्ष 2024 इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्रांति में एक महत्वपूर्ण क्षण को चिह्नित करने के लिए तैयार है. पर्यावरणीय चिंताओं, सख्त नियमों और तकनीकी प्रगति से प्रेरित, ईवी बाजार में विस्फोटक वृद्धि हो रही है, जिससे वैश्विक स्तर पर परिवहन परिदृश्य बदल रहा है. इस परिवर्तन में सबसे आगे चीन खड़ा है, एक ऐसा देश जिसने रणनीतिक रूप से खुद को ईवी उद्योग में निर्विवाद नेता के रूप में स्थापित किया है. चीन का प्रभुत्व अनेक कारकों के संगम से उत्पन्न होता है. उदार सब्सिडी और आक्रामक उत्पादन लक्ष्य जैसी सरकारी नीतियों ने एक जीवंत घरेलू ईवी बाजार का पोषण किया है. बीवाईडी और एनआईओ जैसे चीनी निर्माताओं ने इन प्रोत्साहनों का लाभ उठाया है, अनुसंधान और विकास में संसाधन लगाए हैं और आकर्षक मूल्य बिंदुओं पर प्रतिस्पर्धी ईवी की एक विविध श्रृंखला तैयार की है. सामर्थ्य पर यह ध्यान विशेष रूप से सफल साबित हुआ है, जिससे ईवी चीनी आबादी के व्यापक हिस्से के लिए सुलभ हो गई है. परिणाम? चीन वैश्विक ईवी बाजार में जबरदस्त हिस्सेदारी का दावा करता है. 2023 में, सभी नई ईवी बिक्री में चीनी कंपनियों की हिस्सेदारी 69फीसदी थी. बीवाईडीटेस्ला को पछाड़कर दुनिया की अग्रणी ईवी निर्माता बन गई है. यह प्रभुत्व घरेलू सीमाओं से परे तक फैला हुआ है.पिछले साल की गति पर सवार होकर, चीनी वाहन निर्माता आक्रामक रूप से उभरते बाजारों में विस्तार कर रहे हैं तथा वे स्थापित खिलाड़ियों पर भारी पड़ रहे हैं. यह बदलाव विशेष रूप से यूरोप में स्पष्ट है, जहां एक स्थिर ईवी बाजार को बजट-अनुकूल चीनी ब्रांडों के आगमन में आशा मिलती है. चीनी ईवी निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है. बीवाईडी और एसएआईसी जैसी कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजारों, विशेष रूप से दक्षिण पूर्व एशिया और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) देशों पर अपनी नजरें जमा रही हैं. यहां, चीन के मजबूत आर्थिक संबंध और स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी के लिए उसका जोर एक विजयी फॉर्मूला साबित हो रहा है. संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और जापान में स्थापित वाहन निर्माता आगे बढ़ने के लिए संघर्ष कर रहे हैं. पारंपरिक कार कंपनियां विद्युतीकरण में भारी निवेश कर रही हैं. वे अपने स्वयं के ईवी प्लेटफॉर्म विकसित करने में संसाधन लगा रही हैं और बैटरी प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ साझेदारी कर रही हैं. आगामी 2024 अमेरिकी चुनाव ईवी नीतियों के लिए एक युद्ध का मैदान होने की उम्मीद है, जिसमें संभावित सरकारी प्रोत्साहन अमेरिकी ईवी बाजार के भविष्य को आकार देंगे. यूरोप में, सख्त उत्सर्जन नियम कार निर्माताओं को मजबूत चार्जिंग बुनियादी ढांचे के निर्माण पर विशेष ध्यान देने के साथ, अपने ईवी रोलआउट में तेजी लाने के लिए मजबूर कर रहे हैं. हालांकि सामना करना पड़ता है. उच्च अग्रिम लागत व्यापक रूप से अपनाने में एक बड़ी बाधा बनी हुई है, खासकर दोपहिया ईवी के लिए, जो भारतीय बाजार पर हावी है. इसके अतिरिक्त, मजबूत चार्जिंग बुनियादी ढांचे की कमी, विशेष रूप से टियर 2 और टियर 3 शहरों में, संभावित खरीदारों के बीच चिंता पैदा करती है. इन चुनौतियों के बावजूद, विश्लेषक भारत के ईवी भविष्य को लेकर आशावादी हैं. आने वाले वर्षों में बाजार में तेजी से वृद्धि होने की उम्मीद है, पूर्वानुमान के अनुसार 2025 तक 6 फीसदी से अधिक की संभावित बाजार हिस्सेदारी होगी. इस उभरते उद्योग की सफलता कई कारकों पर निर्भर करती है. सब्सिडी और बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से निरंतर सरकारी समर्थन महत्वपूर्ण होगा. इसके अतिरिक्त, विदेशी निवेश और प्रौद्योगिकी साझेदारी को आकर्षित करना, विशेष रूप से बैटरी विनिर्माण की दिशा में, एक मजबूत घरेलू ईवी पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए आवश्यक होगा. सबसे बड़ी बाधा सामर्थ्य बनी हुई है. सरकारी सब्सिडी के बावजूद, ईवी अभी भी अपने गैसोलीन-संचालित समकक्षों की तुलना में काफी अधिक महंगे हैं. यह विशेष रूप से दोपहिया ईवी के लिए सच है, जो भारतीय बाजार पर हावी हैं. जब तक बैटरी की लागत कम नहीं हो जाती और ईवी पारंपरिक वाहनों के साथ मूल्य समानता तक नहीं पहुंच जाते, तब तक व्यापक रूप से इसे अपनाना एक चुनौती बनी रहेगी.

> उदार सब्सिडी और आक्रामक उत्पादन लक्ष्य जैसी सरकारी नीतियों ने एक जीवंत घरेलू ईवी बाजार का पोषण किया है. बीवाईडी और एनआईओ जैसे चीनी निर्माताओं ने इन प्रोत्साहनों का लाभ उठाया है, अनुसंधान और विकास में संसाधन लगाए हैं और आकर्षक मूल्य बिंदुओं पर प्रतिस्पर्धी ईवी की एक विविध शृंखला तैयार की है.

आम चुनाव में महिला मतदाता निर्णायक

• सियासत

कल्याणी शंकर

क्या महिला मतदाता आगामी 2024 आम चुनाव का फैसला कर सकती हैं? उनके मतदाताओं की बढ़ती संख्या और अनुकूल कानून, जैसे संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण, उन्हें एक महत्वपूर्ण वर्ग बनाते हैं. राजनीतिक दल इस महत्वपूर्ण वर्ग की महिला मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश कर रहे हैं. ऐसा करने के लिए वे विभिन्न लाभ की पेशकश कर रहे हैं.एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, महिला मतदाताओं का उच्च मतदान 2024 के चुनावों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है. रिपोर्ट का अनुमान है कि 2047 तक महिलाओं का मतदान प्रतिशत 55 फीसदी तक पहुंच सकता है, जबकि पुरुषों का मतदान प्रतिशत घटकर 45 फीसदी हो सकता है. गौरतलब है कि भारत के संविधान के निर्माता बी.आर.अम्बेडकर ने एक बार कहा था कि 'राजनीतिक शक्ति सभी सामाजिक प्रगति की कुंजी है.' यह कथन आज भी लागू है, क्योंकि महिलाएं तब तक न्याय पाने की उम्मीद नहीं कर सकतीं| जब तक कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में उनकी भागीदारी न हो. भारत में महिलाएं लैंगिक पूर्वाग्रह को दूर करने के लिए और अधिक उपायों की मांग कर रही हैं. पिछले सितंबर में संसद ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए महिला आरक्षण विधेयक पारित किया था. यह विधेयक संसद और राज्य विधानसभाओं में उनके लिए 33 फीसदी आरक्षण सुनिश्चित करता है. कांग्रेस और भाजपा दोनों ने विधेयक के पारित होने का श्रेय लिया. कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने कहा, 'यह हमारा विधेयक है.' 2008 में सोनिया गांधी ने इसे उच्च सदन में पारित किया, लेकिन लोकसभा में ऐसा करने में विफल रहीं. पिछले सितंबर में पीएम मोदी ने बड़े गर्व के साथ इस विधेयक को पेश किया और पहली बार संसद में इस विधेयक के आने के 27 साल बाद यह लगभग सर्वसम्मति से पास हो गया. जनगणना और परिसीमन प्रक्रिया में देरी के कारण यह विधेयक चार साल बाद ही लागू हो पायेगा. स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से, भारत में केवल एक महिला प्रधानमंत्री और 15 महिला मुख्यमंत्री हुई हैं. हालांकि, 1950 के दशक के बाद से चुनाव लड़ने वाली महिलाओं की संख्या सात गुना बढ़ गई है, और लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व पांच फीसदी से बढ़कर 15 फीसदी हो गया है. विश्व स्तर पर स्थिति समान है. अंतर-संसदीय संघ के अनुसार, दुनिया भर में लगभग 26 फीसदी कानून निर्माता महिलाएं हैं. दूसरी ओर, रवांडा में 60 फीसदी से अधिक सीटों पर महिलाओं का कब्जा है. 2008 में, रवांडा महिला-बहुमत संसद वाला पहला देश बन गया. भारत में केवल 14 फीसदी संसदीय सीटें महिलाओं के पास हैं. लोकसभा और राज्यसभा में क्रमशः 78 और 24 महिला सदस्य हैं. संसद के निचले सदन में महिलाओं के प्रतिनिधित्व के मामले में भारत 193 देशों में 149 वें स्थान पर है. इसके अलावा, भारत के प्रत्येक राज्य में 16 फीसदी से कम विधायक महिलाएं हैं.भारत में एक महत्वपूर्ण उपाय 1993 में किया गया तथा पंचायत की एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित कर दी गई थीं, जिसे अब अधिकांश राज्यों में 50 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया है. लगभग दस लाख महिलाएं जमीनी स्तर पर सरपंच के रूप में कार्य करती हैं. ये सरपंच अपने स्थूल अनुभव के बल पर उन्नति की सीढ़ियां चढ़ सकेंगी. आगामी आम चुनाव में 96.88 करोड़ मतदाता होंगे, जिनमें 47 करोड़ से अधिक महिलाएं हैं. 2.63 करोड़ नये मतदाताओं में से 1.41 करोड़ महिलाएं हैं. केरल, तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी, गोवा, आंध्र प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम और नागालैंड में अधिक महिलाओं ने मतदान के लिए पंजीकरण कराया है.
महिला आरक्षण विधेयक पारित होने के बावजूद राजनीति में महिलाओं की भागीदारी में कोई खास बढ़ोतरी नहीं हुई है. जबकि राजनीतिक दलों ने विधेयक का समर्थन किया, उन्होंने हाल के विधानसभा चुनावों में महिलाओं को अपने टिकटों का केवल एक छोटा सा प्रतिशत आवंटित किया, आमतौर पर 10-15प्रतिशत. 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए, भाजपा ने आगामी लोकसभा चुनावों में 421 उम्मीदवारों में से महिलाओं को केवल 67 टिकट दिये. हालांकि, ममता बनर्जी, नीतीश कुमार और अरविंद केजरीवाल जैसे कुछ मुख्यमंत्रियों ने महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लाभों को पहचाना है. लैंगिक भेदभाव को दूर करने के लिए, पार्टियों को महिला सशक्तीकरण के लिए अधिक महिला नेताओं और उम्मीदवारों को मैदान में उतारने की जरूरत है.

> रिपोर्ट का अनुमान है कि 2047 तक महिलाओं का मतदान प्रतिशत 55 फीसदी तक पहुंच सकता है, जबकि पुरुषों का मतदान प्रतिशत घटकर 45 फीसदी हो सकता है. गौरतलब है कि भारत के संविधान के निर्माता बी.आर.अम्बेडकर ने एक बार कहा था कि 'राजनीतिक शक्ति सभी सामाजिक प्रगति की कुंजी है.'

मीडिया में अन्यत्र

जलवायु न्याय का वक्त

दशकों से निरंतर बहस का विषय रहा है कि हमारी प्राथमिकता विकास हो या पर्यावरण. जिन समाजों को विकास के चलते विस्थापन झेलना पड़ता है, वे विकास को विनाश की संज्ञा देते रहे हैं. आदिवासी क्षेत्रों व पर्वतीय इलाकों में बांध व अन्य बड़ी विकास परियोजनाओं के अस्तित्व में आने पर विरोध के सुर गाहे-बगाहे उभरते रहे हैं. ऐसे में न्यायिक फैसले सरकारों की मनमानी पर अंकुश लगाने का काम करते हैं. हाल ही में सुप्रीम कोर्ट का एक ऐसा निर्णय आया है, जिसे विकास तथा पर्यावरण संरक्षण व पारिस्थितिकीय संतुलन की दृष्टि से नजीर का फैसला कहा जा रहा है. यह फैसला एक सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट और दुर्लभ प्रजाति के पक्षी सोन चिड़िया को लेकर है. दरअसल, ग्रेट इंडियन बस्टर्ड यानी सोन चिड़िया के अस्तित्व के लिए राजस्थान और गुजरात के इलाके में घातक माने जा रहे सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट की ट्रांसमिशन लाइनों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा अनुकरणीय फैसला दिया है कि जो आने वाली पढ़ियों के लिये मार्गदर्शक साबित हो सकता है. जो न्यायिक दृष्टि में भी बदलाव का पर्याय है. दरअसल, अब तक अधिकांश अदालत के फैसले पर्यावरण के पक्ष में या फिर विकास के पक्ष में जाते रहे हैं. लेकिन अदालत ने यह बताने का प्रयास किया है कि मनुष्य के लिए विकास जरूरी है तो पारिस्थितिकीय संतुलन भी जरूरी है. अदालत के फैसले के आलोक में मौजूदा ग्लोबल वार्मिंग संकट और उसके दूरगामी प्रभाव भी रहे हैं. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अदालत ने जलवायु परिवर्तन तथा पारिस्थितिकीय असंतुलन को देश के संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों की दृष्टि से जोड़कर देखा है. महत्वपूर्ण बात यह भी है कि कोर्ट ने अपना पुराना फैसला भी इस संकट को दूर करने के लिए बदला है. दरअसल, गुजरात व राजस्थान के करीब नब्बे हजार वर्ग किमी के क्षेत्र में विस्तृत ओवरहेड ट्रांसमिशन लाइन प्रोजेक्ट दुर्लभ पक्षी सोन चिड़िया के अस्तित्व पर खतरा बन रहा था. जिस पर शीर्ष अदालत ने एक फैसले में रोक लगा दी थी. दरअसल, अदालत को तब बताया गया था कि विद्युत तारों के संपर्क में आने से इन पक्षियों की बड़ी संख्या में मृत्यु हो रही है. ये बिजली के तार उस क्षेत्र में लगाये गये हैं, जहां इन पक्षियों का आना-जाना होता है, जिनसे ये पक्षी बड़ी संख्या में टकराकर दम तोड़ देते हैं. ऐसे में अदालत ने यह महत्वपूर्ण फैसला दिया कि जहां एक ओर सौर ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य भी पूरे हों, वहीं पक्षियों के अधिवास व जीवन की भी रक्षा हो सके. (द ट्रिब्यून)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

तबस्सुम/तरन्नुम

इश्वा भी है शोख़ी भी तबस्सुम भी हया भी, ज़ालिम में और इक बात है इस सबके सिवा भी. उस हसीना के तबस्सुम के हजारों दीवाने हैं. जब वह तरन्नुम में गाती है तो हजारों लोग झूम उठते हैं. रेडियो और सिनेमा से प्रेम रखनेवाले लोग तबस्सुम को बहुत अच्छी तरह जानते हैं. यह वही तबस्सुम हैं, जो बाल कलाकार के रूप में कई फिल्मों में अपनी भूमिकाएं निभा कर बचपन में ही काफी लोकप्रिय हो चुकी थीं. बाद में उन्होंने बड़ी होने के बाद कुछ फिल्मों में नायिका तथा सह नायिका के रूप में तारीफें बटोरीं. रेडियो सीलॉन में लोकप्रिय उद्घोषक अमीन सयानी के साथ मराठा दरबार महकती बातें के साथ ही कई कार्यक्रमों में अत्यंत मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत कर चुकी हैं. तबस्सुम नाम के अनुसार ही हंसमुख और मिलनसार थीं. वे न केवल खुद मुस्कराती रहती थीं, बल्कि अपने सामनेवालों को भी हंसने मुस्कराने पर मजबूर कर देती थीं. वर्धा हिंदी शब्दकोश तथा रेख्ता उर्दू-हिंदी शब्दकोश के अनुसार तबस्सुम अरबी भाषा मूल का संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका मतलब है मुस्कराहट, मुस्कान, मंद हंसी, ऐसी हंसी जिसमें होंठ न खुलें, ऐसी हंसी जिसमें आवाज न हो, कलियों का खिलना, एक फूल, मिठाई. तबस्सुम शब्द भले ही संज्ञा पुल्लिंग है, लेकिन दुनिया में हजारों-लाखों मुस्लिम लड़कियां तबस्सुम के नाम से ही जानी जाती हैं. एक शायर ने कहा-हर मुसीबत का दिया एक तबस्सुम से जवाब, इस तरह गर्दिश-ए-दौरां को रुलाया मैंने. दूसरा शब्द तरन्नुम है. यह भी अरबी भाषा मूल का संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका मतलब तबस्सुम से अलग है. यानी स्वर माधुर्य, खुश इल्हानी, हल्का गाना, लय, आलाप. जब किसी मुशायरा में मंच पर खड़ा होकर कोई शायर तरन्नुम में अपनी गजल पढ़ता है तो इसका मतलब है कि वह अपनी गजल का सस्वर पाठ कर रहा है. शायर दानिश अलीगढ़ी कहते हैं-गर तरन्नुम पर ही दानिश मुनहसिर है शाइरी, फिर तो दुनिया भर के शाइर नग्मा-ख्वां हो जाएंगे.

दुकान जमानी हो तो बांटिये उधार

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

ऐसा माना जाता है कि अगर किसी को अपनी दुकान जमानी हो तो उधार बांटना शुरू कर दो. ग्राहक शहद पर भिनभिनाने वाली मक्खियों की तरह झुंड के झुंड बनाकर दौड़े चले आएंगे. दुकानदार के पास फुर्सत तक नहीं रहेगी. लोग लाइन से खड़े होंगे. एक-एक करके सबको उधार बांटा जाएगा. बिक्री खूब बढ़ जाएगी. माल धड़ाधड़ बिकेगा और अंततः एक दिन वह आएगा, जब बांटने के लिए दुकान में माल नहीं होगा, लेकिन उधार मांगने वालों की लाइन समाप्त नहीं होगी. तब दुकान का शटर बंद करना पड़ता है. कहना पड़ता है कि धंधा बंद हो चुका है. ज्यादातर लोग उधार लेकर वापस न लौटाने की मानसिकता रखते हैं. जो उधार बांटता है, उसे उधार लेने वाले मूर्ख समझते हैं. सोचते है, चलो कोई तो फंसा. कई बार लोग उधार के पैसे वापस देने स्वयं आ जाते हैं. कई बार उनको फोन करना पड़ता है, लेकिन उसमें भी एक दिक्कत यह है कि जब दुकानदार उधार लेने वाले को फोन करता है तो व्यक्ति फोन नंबर देखकर ही फोन नहीं उठाता. चुपचाप बैठा रहता है. उधर से टेलीफोन पर आवाज आती है कि आपके टेलीफोन पर कोई प्रतिक्रिया नहीं हो रही है. ऐसे में दुकानदार दूसरी तरकीब अपनाता है. वह किसी अन्य टेलीफोन से कॉल करता है. उधार लेने वाला गलतफहमी का शिकार होकर फोन उठा लेता है और उसके पास तगादा पहुंच जाता है. जिसको देना है, वह देगा. नहीं देना है, तो आप चाहे कितने मोबाइल बदल-बदल कर फोन करते रहें वह नहीं देगा. कई लोग उधार का पैसा वसूल करने के लिए पहलवान-टाइप के लोग किराए पर रखते हैं. इससे इतना तो स्पष्ट हो ही जाता है कि उधार का पैसा वसूल करना एक टेढ़ी खीर है अर्थात सीधी उंगली से घी नहीं निकलता. कई दुकानों पर लिखा मिलता है कि उधार प्रेम की कैंची है. बाजार में दुकानों की कमी नहीं है. न उधार देने वालों की, न उधार लेने वालों की. इधर आ कर ईएमआई की एक संस्कृति विकसित हो गई है, जो उधार पर ही आधारित है. कर्ज लो और उसे मासिक किस्तों में चुकाते रहो. आजकल जो बड़ी-बड़ी गाड़ियां और महंगे फ्लैट बिक रहे हैं, वे सब उधार के अर्थशास्त्र के आकर्षण का ही परिणाम है. जिसे देखो वह उधार लेने के लिए तैयार बैठा है. उधार देने के लिए केवल दुकानदार ही नहीं, बल्कि कुछ संस्थाएं भी सक्रिय हैं. बैंक उधार देने के मामले में सबसे आगे रहते हैं. अगर आज ज्यादातर लोगों के पास सिर पर कर्ज रखा हुआ है तो उसका बड़ा श्रेय बैंकों को जाता है. बड़े-बड़े उद्योगपति अपना उद्योग चलाने के लिए बैंकों से उधार लेते हैं. फिर उस रकम को वापस नहीं लौटाते हैं. कई लोग विदेश भाग जाते हैं. फिर वापस नहीं आते. आजकल माहौल ऐसा हो गया है कि कब कौन कितने हजार करोड़ रुपए लेकर विदेश भाग जाए और अपना नाम भगोड़ा में लिखवा दे.

सरहुल विशेष

सरहुल झारखंड की पहचान है. उल्लास, उमंग और परंपरा की परिभाषा है. नए अन्न, फल-फूल-सब्जियों की खुशबू है सरहुल. आगामी फसलों की लहलहाती उम्मीद है सरहुल. सरहुल संगीत का दूसरा नाम है जिसके जिक्र मात्र से ढोल-नगाड़ों की आवाज कानों में गूंजती है और पांव थिरकने लगते हैं. इस परंपरा, खुशबू, उम्मीद और अंदाज को पेज पर समेटा है अतिथि संपादक के रूप में साहित्यकार मुक्ति शाहदेव ने.

फोटो: सैय्यद रमीज

सरई फूला फूइल गेल टिप- टिप महुआ झइर गेल...

मुक्ति शाहदेव
साहित्यकार

वसंत ऋतु की खुमारी चरम पर होती है और झारखंड के वन प्रांतर पलाश के रंग में रंगे इठलाते रहते हैं, महुआ की भीनी गंध से तन-मन मादकता में डूबे रहते हैं और साल वन नये पत्तों से लदे अपने फूलों की सुगंध बिखेरते मानों जगत के समस्त प्राणियों पर अपनी स्निग्ध, शीतल आशिषों की बौछार करते हैं. इसी चैत्र मास की तृतीया तिथि को समूचे झारखंड, ओड़िशा, बंगाल और मध्यप्रदेश के कुछ भागों में प्रकृति पर्व सरहुल मनाया जाता है.

यहां के आदिवासियों का प्रसिद्ध त्योहार सरहुल, छोटानागपुर का सबसे महत्वपूर्ण पर्व है जो एक ओर सूर्य और धरती के विवाह का प्रतीक है तो नव वर्ष का सूचक भी. कोल्हान में इसे "बा पोरोब" भी कहा जाता है. सरहुल पर्व के बाद ही आदिवासी समुदाय में नया अन्न, वन से प्राप्त होने वाले सभी फल, पुटकल, सखुआ पत्ता, फूल आदि का प्रयोग होता है, सरहुल से पहले इन्हें नहीं खाया जाता है.

सरहुल के पहले दिन पहान राजा सहित सभी पुरुष व स्त्रियां उपवास रखते हैं. इस दिन नहा- धोकर पुरुष वन जाते हैं और पूजा-पाठ कर सखुआ पत्ता और टहनी घर लाते हैं. महिलाएं नये चावल को ढेंकी में कूटती हैं. उसी चावल को घोलकर सरसों के तेल में एक विशेष पकवान बनाती हैं. सखुआ पत्तों से दोना बनाया जाता है. इस दिन तालाब से मछली मारने और साथ ही केंकड़ा पकड़ने का रिवाज भी है. यहां के लोगों में ऐसी मान्यता है कि प्रलय काल में केंकड़ा और मछली ही जीवित बच गए थे और केंकड़ा के बनाए टीले से ही पृथ्वी बनी. आज भी सरहुल के पहले दिन लाए गए केंकड़ा और मछली को घर के चूल्हे के ऊपर सखुआ पत्ते से बने दोने में बांधकर रखा जाता है और जब खेतों में धान की बोआई का वक्त आता है तो धान के बीजों में इसी सूखे केंकड़े और मछली को मिलाया जाता है और खेतों में धान की बुनाई की जाती है. मान्यता है कि इससे फसल अच्छी होती है. सरहुल में प्रकृति माता से समस्त प्राणियों के लिए सुख, समृद्धि और सौभाग्य की प्रार्थना की जाती है. इस पर्व में साल (सखुआ) वृक्ष की पूजा की परम्परा अत्यंत प्राचीन है.

▪ **महाभारत काल से संबंध-**

एक किवदंती के अनुसार महाभारत युद्ध में मुंडाओं ने कौरवों का साथ दिया था. युद्ध में कई मुंडा योद्धा मारे गए. कहा जाता है कि साल वृक्ष के पत्तों एवं टहनियों से उन शवों को ढक दिया गया था. युद्ध के पश्चात साल वृक्ष से ढके हुए सभी शव सुरक्षित थे, जबकि दूसरे शव सड़-गल गए थे. तब से आदिवासियों में साल वृक्ष को देवता की तरह पूजा जाता है.

▪ **सिवा-बनकी की कहानी**

उरांव जनजाति में एक कथा प्रचलित है कि गांव में एक व्यक्ति था कैला उरांव. उसकी मौत हो जाती है और उसकी विधवा उसकी मौत के बाद एक शिशु को जन्म देती है जिसका नाम सिवा रखा जाता है. बड़े होने के बाद सिवा की शादी बनकी नामक एक विशिष्ट कन्या से होती है. शादी के बाद सिवा के घर में सुख-समृद्धि आ गई और वे लोग बहुत अच्छे से रहने लगे. परंतु दूसरों को उनसे जलन होने लगी और जमींदार ने बनकी और सिवा की झूठी शिकायत राजा से कर दी. एक षडयंत्र कर बनकी को डायन करार दिया गया और राजा ने बनकी को जंगल ले जाकर मार डालने का आदेश दिया. सिवा बनकी को जंगल लेकर गया और वहां साल वृक्ष के नीचे एक कुंबा बनाकर उसके रहने की व्यवस्था कर दी. बनकी ने दुखी होकर राजा को श्राप दिया कि उसने लोगों की झूठी बातें सुन उसको मार डालने का आदेश दिया इसलिए उसके कान सड़ जाएं.

साल वृक्ष की टहनियों को काटने के दौरान पेड़ से जो रस टपका, वह सिवा के कपड़ों में खून के धब्बों की तरह दिख रहा था. गांव लौटकर सिवा ने राजा से यह कह दिया कि उसने बनकी की हत्या कर दी है. सभी लोगों ने इस बात पर विश्वास कर लिया. बनकी को वन में छोड़ने के बाद सिवा के घर में घोर गरीबी आ गई और उसे भीख मांग कर गुजारा करना पड़ा. वह तुंबा लेकर घर-घर भीख मांगने लगा. इधर राजा का कान वास्तव में सड़ने लगा. सभी इलाज करा कर राजा थक गया किंतु उसका कान ठीक नहीं हुआ तो उसने नगर में ढिंढोरा पिटवा दिया कि जो भी उसके कान को ठीक कर देगा उसे वह आधा राज्य सौंप देगा. तरह-तरह के नीम- हकीम राजा के पास आने लगे किंतु राजा का कान ठीक होने का नाम नहीं ले रहा था. बनकी, जो कि साल वृक्ष के पत्तों से बने कुंबा में जंगल में रहती थी, एक दिन उसने भी राजा का ऐलान सुना और जंगल की जड़ी बूटी लेकर राजा के कान का इलाज किया तो राजा का कान ठीक हो गया. राजा ने उसे आधा राज्य दे दिया. बनकी अब आधे राज्य की रानी थी. एक दिन तुंबा बजाते हुए सिवा उसके दरवाजे पर पहुंचा. उसे भीख देते हुए बनकी ने उसका हाथ पकड़ लिया और बताया कि वही उसकी बनकी है. फिर से सिवा और बनकी साथ-साथ खुशहाल जीवन जीने लगे. इस घटना के बाद सभी लोगों की मान्यता साल(सखुआ) वृक्ष पर बढ़ गई कि इस वृक्ष के कारण ही बनकी जीवित रही. साल वृक्ष के आशीर्वाद से ही बनकी और सिवा की खुशियां लौट आईं. सरहुल के गीतों में बनकी और सिवा का जिक्र बार-बार आता है.

▪ **भोग में नए चावल, पुटकल झोर, कटहल तीमन, केंकड़ा, हंडिया, मछली, मुर्गी**

इस दिन घर के पूजा स्थल में नए चावल, पुटकल का झोर, कटहल की सब्जी, केंकड़ा, मछली, मुर्गी की सब्जी एवं हंडिया का भोग लगाया जाता है. सभी लोग यही प्रसाद खाते हैं. नए सूप में सखुआ फूल और ऐसी तीन पत्तियां रखी जाती हैं जिनकी शिराएं आपस में मिलती हों. पूजा स्थल में सरसों तेल का दीप जलाया जाता है. सभी लोग पहान राजा के माथे और पैरों में तेल लगा कर कांसे के लोटे में जल भरकर नहलाते हैं. पहान राजा सभी पुरुषों के कान में सरई फूल खोंसते हैं और महिलाओं को आंचल में फूल देकर आशीर्वाद देते हैं तथा अच्छी खेती और समस्त जनों की खुशहाली की प्रार्थना करते हैं.

पाहन राजा और मिट्टी के तीन घड़े

सरहुल के पहले दिन पहान राजा तीन मिट्टी के नए घड़े में जल भरकर सरना स्थल ले जाते हैं. उसे नए कपड़े से ढक कर रख दिया जाता है. दूसरे दिन यानी सरहुल की सुबह नहा धोकर पहान राजा ढोल नगाड़ों के साथ करना स्थल जाते हैं और कपड़ा हटाकर घड़े के जल का निरीक्षण करते हैं. ऐसी मान्यता है कि अगर घड़े के जल का स्तर नीचे चला गया है तो उस साल बारिश कम होगी. अगर घड़ा में रखे जल का स्तर ऊपर आता है या वह बहने लग जाता है तो यह अच्छी बारिश और अच्छी खेती का सूचक है.

▪ **फूलखोंसी, ढोल नगाड़े और थिरकते पांव**

सरहुल के दूसरे दिन गांव के प्रत्येक घर के दरवाजे में भी सरई फुल खोंसा जाता है और गेरु मिट्टी भी लगाया जाता है. इस दिन को फूलखोंसी कहते हैं. इसी दिन सभी लोग सरना झंडा के साथ जुलूस निकालते हैं. लाल पाड़ की सफेद साड़ी में सजी महिलाएं, सफेद धोती, सफेद बनियान और हरी पगड़ी में सजे पुरुषों का नृत्य वर्णनातीत होता है. ढोल- नगाड़े की थाप पर थिरकते पांवों का रिदम और दृश्य वाकई विहंगम होता है. सरना स्थलों को आकर्षक ढंग से सजाया जाता है. पारंपरिक मेला भी लगाया जाता है. गांव, शहर सरना झंडों से पटे रहते हैं. सरहुल के गीतों में वन की शोभा, सरई फूल, महुआ और पलाश की शोभा का वर्णन रहता है. वन, पहाड़, पानी, सूर्य की प्रार्थना, लोगों की खुशहाली की प्रार्थना अर्थात प्रकृति की पूजा का पर्व सरहुल.

प्रकृति के संरक्षण का संदेश देता है यह पर्व

राकेश रमन
साहित्यकार

सरहुल को बा परब भी कहा जाता है अर्थात फूलों का त्योहार. इस काल में साल वृक्षों में फूल आते हैं साथ ही पलाश में भी फूल आते हैं जिन्हें 'फ्लेम ऑफ फॉरेस्ट' कहा जाता है. यानी इसी समय जंगल में पलाश दहकते हुए-से दिखते हैं. साथ ही आम, महुआ, करंज, भेलवा, करम, पाकड़, पुटकल आदि वृक्षों में कलियां एवं फल आते हैं कोंपलें फूटते हैं. सब मिलकर सृजन का अनूठा दृश्य सृजित करते हैं. पूरे वातावरण में आशा और उल्लास का संचार होता है और प्रकृति की खुशहाली का यही उत्सव है सरहुल. इसे मानने की पूरी पद्धति बेहद वैज्ञानिक है. प्रकृति के संरक्षण का संदेश देता है यह पर्व. साल को देवता की तरह पूजा जाता है.

स्वस्थ संसार की कामना है 'सरहुल' परब

आलोका कुजूर
साहित्यकार

आदिवासी समुदाय का लोकप्रिय परब 'सरहुल' प्रकृति से जुड़ा हुआ है. धरती/ संसार पर जीव जीवित रहें, बेहतर जीवन बना रहे, इसलिए यह पर्व उत्साह से मानते हैं. जब प्रकृति नए रूप में आती है, वन फल-फूलों से भरे होते हैं, पत्ते नए होते हैं तब आदिवासी इसे नए साल के आगमन के रूप में मनाते हैं. चूंकि झारखण्ड में सखुआ का जंगल व पेड़ आधिक है, इसलिए इस त्यौहार में इनका विशेष महत्व होता है. आदिवासी समुदाय मानते है साल यानी सखुवा का जंगल या पेड़ जहां होता है वहां की हवा, जमीन और पानी काफी शुद्ध होते हैं. वहां प्रदूषण नहीं के बराबर होता है. पानी का स्रोत बेहतर होता है. मानव के साथ साथ पूरी दुनिया में जितने भी जीव जंतु हैं, सभी जो जिन्दा रहने के लिए पानी हवा, जरुरी है. सखुआ के यह जंगल व पेड़ झारखण्ड में सबसे अधिक है. झारखण्ड के आदिवासी के पूर्वजों ने इनकी महत्ता समझी और इन्हें बचा कर रखना शुरू किया है.

▪ **सखुआ फूल की पूजा**

इस सखुआ के फूल की सरहुल' में विशेष रूप से पूजा की जाती है. आदिवासीयों का मानना है कि सखुआ के फूल की पूजा इसलिए करते हैं कि किसी भी जीव की उत्पति के पहले फूल खिलता है फिर फल लगता है. उसके बाद बीज बनते है. आदिवासी किसान का मानना है कि बेहतर बीज से बेहतर फसल, बेहरत जीव बेहतर संसार की रचना होती है. इसलिए स्वस्थ फूल फल और बीज हो, ताकि वन जंगल हवा, पानी, जमीन फसल भी स्वस्थ होंगे. तभी मानव व संसार भी स्वस्थ होगा.

सरहुल झारखंड का राजकीय पर्व है, जो राष्ट्रीयस्तर पर भी पहचान बना रहा है. जिस प्रकार मैसूर में दशहरा, महाराष्ट्र में गणेश चतुर्थी, गुजरात में गणगौर, असम में बिहू, बिहार में छठ, पंजाब में बैसाखी और लौहड़ी को धूम-धाम से मनाया जाता है, उसी प्रकार झारखंड की राजधानी रांची में प्राकृतिक पर्व सरहुल को धूम- धाम से मनाया जाता है. सरहुल के दिन विशाल समावेशी शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है.

ऐला–ऐला रे! सार जोम बा!

एला रे हड़ा गुने में, एला रे सुड़ा-सुड़ा सगेन!
एला रे नेसा रेन में. (मुण्डारी लोकगीत)

डॉ बसंती कुमारी
पूर्व विभागाध्यक्ष, जनजातीय व क्षेत्रीय भाषा विभाग, रांची विवि

अर्थात् आओ-आओ हे सरई पुष्प आओ उतरो. हे नव किसलय तुम! आओ-आओ. हे सरई फूल नियत दिवस पर आओ. हे सरई फूल तुम! कच्चे सूत की तरह उतरो, हे नव पल्लव तुम आओ उतरो.

सनातन काल से पर्व - त्यौहार विभिन्न मानव संस्कृतियों के बीच संस्कार, संवेदना, संवाद, संजीवनी, सहजीविता और समावेशी सजिंदगी का संदेश लेकर आते रहे हैं. झारखंड के पर्व :- रथ यात्रा, करम, जितिया, दशहरा, दीपावली, बड़ा पर्व, मकर संक्रांति, टुसू, सोहराय, वसंत पंचमी, ईस्टर, होली, ईद, सरहुल आदि पर्वों द्वारा समानता, स्वतंत्रता परस्पर प्रेम तथा बंधुत्व का सही संदेश दिया जाता रहा है.

झारखंडी वसंत का पुष्पराज सरई

झारखंड की शस्य-श्यामला धरती पर नव बसंत का आगमन हो गया है :- श्री पंचमी, रंग पंचमी और बसंत पंचमी की तिथि से ही ऋतुराज के सरस स्पर्श से वधू-वसुधा के अंग-अंग पुलकित हो उठे हैं. अनंग सखा रसराज बसंत ने अपनी प्रियसी वसुंधरा के लिए नवजीवन एवं नवयौवन के अनेकानेक उपहार-मनुहार सजाया है. ये उपहार हैं:- नवीन, अरुण, कोमल, किसलय, मधुरमयी आम्र मंजरियां, रत - रत लाल गुलाब, गुलमोहर, पलाश, गुलइची, मंदार, उड़हुल, धवई के प्रसून, पीत-पुनीत चंपा, गेंदा, कंदम्ब, कोरकोट, बंदरलौरी के फूल, उज्जवल-धवल, दूधी (कोरइया), बेली, चमेली, मउल श्री, महुआ (मधुलिका), कमल, कुमुद, गंधराज, पारिजात और सरई. काल, परिवेश, पर्यावरण और परियोजन के अनुरूप सरई पुष्प को झारखंडी वसंत का पुष्पराज माना जाता है. इस पुष्प में जो धवलता, सुरभि, सुचिता, उपयोगिता, व्यापकता तथा जीवनी शक्ति है, वह किसी कल्पवृक्ष या कामधेनु से कम नहीं है. साल वृक्ष के वनों को शालमली कहा जाता है. शालमली में साल पुष्पों के प्रस्फुटित होते ही एक श्वेत कांति या शांति पसर जाती है, जो अंतरतम को अलौकिक आनंद से सराबोर कर देती है. साल पुष्पों के संपर्क और संस्पर्श से अन्य फूल भी प्रस्फुटित हो जाते हैं. इन रस स्निग्ध कुसुमों पर मधु गंध से मतवाले भ्रमर गुंजार करने लगते हैं. रंग-बिरंगे, सुरीले बनपाखी चहचहाने लगते हैं. मंद मलय पवन, पुष्प-पराग और मधुगंध का प्रसार करने लगता है. सरहुल अपने उत्कर्ष और शबाब में आ जाता है. कवि कंठ में सरस्वती गा उठाती है :-

"ठउर-ठउर झउंरत झंपत/ भउंर-भउंर मधुअंध" -बिहारी

"नव बसंत भेल प्रबल/ मालती युथि हीन ए दल/ विकसित नाना - नाना कुसुम सताय रे/ हेरी-हेरी नव वृंदावन/ बिरहिनीर जीया जाय रे." -बांग्ला झूमर

"ऋतुराज देलंय मुसुकाई/ फूललयं बन फूल घन अमराई." - नागपुरी लोकगीत

झारखंड की जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं में साल पुष्पों को महिमा मंडित किया गया है. मुंडारी, संताली और हो भाषा में सरई फूल को 'सारजोम बा', खड़िया भाषा में 'सइरगा रारा' (सरिगा), कुडुख भाषा में 'नऊर पुंप' और नागपुरी, खोरठा, पंचपरगनीया एवं कुरमाली भाषाओं में 'सरई फूल' कहा जाता है. इन सभी भाषाओं के काव्य - साहित्य, लोकगीत, गीत तथा कविता में सरई फूल की धूम मची हुई है. एक कुडुख लोकगीत की सरसता का आस्वादन करें:- "ऐंदेर पुंपन मेंझेरकी पेल्लो/ भगजोगनी लेखा लव कारदी/ नऊर पुंपन मेंझेरकी पेल्लो/ भगजोगनी लेखा लव कारदी." - कुडुख लोकगीत. अर्थात नायक रसवंती नायिका से पूछ रहा है कि, हे सुंदरी! तुमने कौन से पुष्प को अपने जुड़े में सजाया है कि भगजोगनी की तरह लवक/ चमक रही हो. हां! तुमने नऊर (सरई) फुल के श्वेत सुगंधित झोपे (गुच्छे) से अपने जुड़े को सजाया है, इसलिए भगजोगनी की तरह चमक रही हो रही हो. सरई फूल ने तुम्हारे जीवन में नव यौवन की सुषमा, मधुगंध, लावण्य, शक्ति, स्नेह, गरिमा और लालित्य से भर दिया है.

यह सरई फूल कृषि संस्कृति की उपज है. हमारे गृह में, परिवारों में, सरना स्थलों में धूप-धुवन, कस्तूरी-चंदन, की सुगंध से हवन किया जाता है. यह एक प्रकार का कृषि यज्ञ है. इसमें धर्मेश बाबा, चाला आयो, महादेव-पार्वती, सिंग बोंगा, इकिर बोंगा, हातु बोंगा, बुरू बोंगा, देशावली आदि देवों की पूजा की जाती है. यह ऋषि संस्कृति के प्रतीक हैं. सरहुल में लोक और वेद शास्त्र का कृषि संस्कृति और ऋषि संस्कृति का समन्वय किया जाता है. लोक परंपरा में प्रचलित पाहन - पहनाइन के विवाह के प्रतीक के रुप में ₹खेख़ेल़ बेंजार₹, धरती मां और धुवन भास्कर, भगवान सूर्य का विवाह संपन्न कराया जाता है. चैत मास के बाद अषाढ़ मास में मां मेदिनी का रजस्वला पर्व मनाया जाता है. इसके पश्चात रथ यात्रा के रूप में कृषि यात्रा की शुरुआत हो जाती है.

डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

आईपीएल : खराब फॉर्म से जूझ रही दो टीमों के मुकाबले आज

आरसीबी व मुंबई इंडियंस आमने-सामने

खास बातें

- चार में से एक मैच जीतकर नौवे स्थान पर है मुंबई
- मैच शाम साढ़े सात बजे से शुरू होगा

भाषा । मुंबई

खराब फॉर्म से जूझ रही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में गुरुवार को मुंबई इंडियंस से खेलेगी जिस पर खुद अच्छे प्रदर्शन का भारी दबाव है. पांच में से चार मैच हार चुकी आरसीबी ने टीम चुनने में गलतियां की और मैदान पर भी प्रदर्शन से उसकी भरपाई नहीं कर सकी. अंकतालिका में वह मुंबई से एक ही पायदान नीचे है. मुंबई चार में से एक मैच जीतकर नौवें स्थान पर है. उसने पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 29 रन से हराया था. विराट कोहली के शानदार प्रदर्शन के बावजूद आरसीबी के अभियान की बेहद खराब शुरूआत हुई है. अब आईपीएल के आधे मैच जल्दी ही खत्म होने को है और ऐसे में आरसीबी के विदेशी खिलाड़ियों को लय तलाशनी होगी, जिनमें कप्तान फाफ डु प्लेसी (109 रन), ग्लेन मैक्सवेल (32) और कैमरन ग्रीन (68 रन) शामिल हैं.

कोहली अभी तक एक शतक और दो अर्धशतक समेत 316 रन बना चुके हैं लेकिन उन्हें दूसरे छोर से साथ नहीं मिल सका. पांच महीने पहले विश्व कप सेमीफाइनल में वानखेड़े स्टेडियम पर शतक जमाने वाले कोहली एक बार फिर उसी मैदान पर अपने बल्ले का जलवा बिखेरना चाहेंगे.

प्रभावहीन रहे हैं आरसीबी के मुख्य गेंदबाज

गेंदबाजी में मैक्सवेल चार विकेट ले चुके हैं लेकिन मुख्य गेंदबाज प्रभावहीन रहे हैं. मुंबई के खिलाफ उन्होंने हालांकि पिछले पांच में से चार मैच जीते हैं. दोनों टीमों के बीच अब तक हुए 32 मुकाबलों में से 18 मुंबई ने और 14 आरसीबी ने जीते हैं. आम तौर पर आईपीएल में धीमी शुरूआत करने वाली मुंबई टीम को पता है कि अब देर करने से परिणाम प्रतिकूल हो सकते हैं. आरसीबी को हराकर उसका इरादा लगातार दूसरी जीत दर्ज करने का होगा ताकि टीम का मनोबल बढ सके चूंकि अगले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स से खेलना है.

नाकाम रहा है मुंबई का मध्यक्रम

शीर्षक्रम पर ईशान किशन और रोहित शर्मा ने रन बनाये हैं लेकिन मध्यक्रम नाकाम रहा है, जिसके लिये कप्तान हार्दिक पंड्या को जवाब देना होगा. यह भी देखना होगा कि मुंबई के प्रशंसकों का हार्दिक पर गुस्सा कम हुआ है या नहीं. पिछले मैच में नियमित प्रशंसकों की बजाय हजारों बच्चे मैदान में थे, जिससे उन्हें हूटिंग नहीं झेलनी पड़ी. सूर्यकुमार यादव की वापसी से बल्लेबाजी भी मजबूत हुई है.

टीमें

▪ **रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर** : फाफ डु प्लेसी (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार विशक, आकाश दीप, मोहम्मद सिराज, रीस टॉपले, हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरून ग्रीन, अल्ज़ारी जोसेफ, यश दयाल, टॉम कुरेन, लॉकी फर्ग्यूसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान.

▪ **मुंबई इंडियंस**: हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला, जेराल्ड कोएत्ज़ी, टिम डेविड, श्रेयस गोपाल, ईशान किशन (विकेटकीपर), अंशुल कंबोज, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका, मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, ल्यूक वुड.

श्रीजेश के शानदार प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम हारी

भाषा । पर्थ

हॉकी शृंखला

- ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम को 2-1 से हराया
- पांच मैचों की शृंखला में ऑस्ट्रेलिया 3-0 से आगे

अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश के शानदार खेल के बावजूद भारत बुधवार को यहां तीसरे पुरुष हॉकी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक गोल की बढ़त गंवाकर 2-1 से हार गया. इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया को पांच मैचों की श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त मिल गई. पहले दो टेस्ट में 5-1 और 4-2 से हारने वाली भारतीय टीम की रक्षापंक्ति और अग्रिम पंक्ति ने बेहतर प्रदर्शन किया. यह भारतीय रक्षापंक्ति के विरुद्ध लगातार आक्रमण करने वाले ऑस्ट्रेलिया की अग्रिम पंक्ति के बीच पारंपरिक मुकाबले की तरह था जिसमें आखिरकार भारतीय रक्षापंक्ति हार गयी. जुगराज सिंह ने मैच के 41वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को बढ़त दिलायी लेकिन जेरेमी हेवर्ड (44वें और 49वें) ने दो गोल करके मेहमान टीम की उम्मीदों पर पानी फेर दिया और ऑस्ट्रेलिया को लगातार तीसरी जीत दिला दी. भारत ने एकजुटता के साथ मैच में आक्रामक शुरुआत की लेकिन ऑस्ट्रेलिया शुरुआती क्वार्टर में छह पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने में सफल रहा.ऑस्ट्रेलियाई टीम हालांकि भारतीय रक्षापंक्ति को भेदने में विफल रही.

द. अफ्रीका के शीर्ष स्टेडियमों में वनडे विश्व कप का आयोजन

भाषा । जोहानिसबर्ग

क्रिकेट विश्व कप

- द. अफ्रीका, जिंबाब्वे व नामीबिया करेंगें विश्व कप 2027 मेजबानी
- 2027 में अक्टूबर-नवंबर में होगा विश्व कप का आयोजन

दक्षिण अफ्रीका के आठ शीर्ष क्रिकेट स्टेडियमों की 2027 आईसीसी एकदिवसीय क्रिकेट विश्व कप के आयोजन स्थल के रूप में पुष्टि हुई है, जिसमें जोहनिसबर्ग का वांडरर्स, डरबन का किंग्समीड और केप टाउन का न्यूलैंड्स भी शामिल है. दक्षिण अफ्रीका की 'न्यूज 24' वेबसाइट की एक खबर में बुधवार को यह जानकारी दी गई. विश्व कप 2027 की मेजबानी अक्टूबर-नवंबर में दक्षिण अफ्रीका, जिंबाब्वे और नामीबिया संयुक्त रूप से करेंगे. क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फोलेत्सी मोसेकी ने कहा कि आयोजन स्थल होटल के कमरों और हवाई अड्डे की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए तय किए गए हैं. दक्षिण अफ्रीकी वेबसाइट ने मोसेकी के हवाले से कहा कि स्थलों को चुनने की कवायद वैज्ञानिक थी और इसमें होटल के कमरों की संख्या और हवाईअड्डे की उपलब्धता पर भी ध्यान दिया गया. मोसेकी ने आगे कहा कि बेनोनी, जेबी मार्क्स ओवल और डायमंड ओवल में तीन स्थलों को छोड़ना उनके लिए कठिन फैसला था.

ब्रीफ खबरें

पंद्रह वर्षीय आनंदी ने जीता कांस्य

मुंबई । भारत की 15 वर्षीय आनंदी नंदन चंदावरकर ने इटली में आयोजित ओपन स्किफ यूरोचैलेंज सेलिंग (नौकायन) प्रतियोगिता मिश्रित वर्ग में कांस्य पदक जीतने के साथ लड़कियों की अंडर-17 वर्ग की स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया. इस प्रतियोगिता में अंडर-15 और अंडर-17 आयु वर्ग में 130 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था. इस प्रतियोगिता का आयोजन पांच से सात अप्रैल तक सिरकोलो वेला अरको के गार्डा ट्रेनटिनो में हुआ था. इसमें 10 देशों से लगभग 200 नौकायन खिलाड़ियों ने भाग लिया. आनंदी ने यहां जारी मीडिया विज्ञप्ति में कहा कि यह जीत इस खेल में मेरी कड़ी मेहनत को दर्शाती है.

राष्ट्रीय टेबल टेनिस में महाराष्ट्र का दबदबा

हैदराबाद । महाराष्ट्र ने राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में दबदबा बनाते हुए 11 स्वर्ण समेत 46 पदक जीते हैं और पुरूषों के 50 प्लस वर्ग में 'क्लीन स्वीप' किया है. मनीष रावत को पुरूषों के 50 प्लस वर्ग में स्वर्ण पदक मिला है जबकि मलयकुमार ठक्का और प्रसाद नाईक को क्रमशः रजत और कांस्य पदक मिले. महाराष्ट्र के सुनील बबरास ने पुरूषों के 60 प्लस वर्ग में स्वर्ण पदक बरकरार रखा जबकि प्रकाश केलकर को पुरूषों के 65 प्लस वर्ग में रजत पदक मिला. पुरूषों के एकल 70 प्लस वर्ग में उल्हास शिर्के को स्वर्ण पदक मिला.

जर्मनी के 19 वर्षीय डेह्लिंग से मिल सकती है कड़ी चुनौती

फिनलैंड के पावो नूरमी खेलों में भाग लेंगे नीरज चोपड़ा

भाषा । नयी दिल्ली

सुपरस्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 18 जून को फिनलैंड के तुर्कू में प्रतिष्ठित पावो नूरमी खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जहां उन्हें जर्मनी के 19 वर्षीय मैक्स डेह्लिंग से कड़ी चुनौती मिल सकती है. डेह्लिंग हाल ही में 90 मीटर की बाधा पार करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने हैं. छब्बीस साल के चोपड़ा 10 मई को दोहा डायमंड लीग मीट से अपने सत्र की शुरुआत करेंगे. उन्होंने पावो नूरमी खेलों के 2022 सत्र में 89.30 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था. यह उनके करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो है. उन्होंने 2023 में चोटिल होने के कारण इस स्पर्धा से अपना नाम वापस ले लिया था. चोपड़ा का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर है. पावो नूरमी खेलों का नाम फिनलैंड के मध्य और लंबी दूरी के धावक के नाम पर रखा गया है. यह विश्व एथलेटिक्स की 'कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड सीरीज' स्तर की प्रतियोगिता है. यह डायमंड लीग मीट सीरीज के बाहर सबसे प्रतिष्ठित एक दिवसीय प्रतियोगिताओं में से एक है.

टूर्नामेंट के आधिकारिक वेबसाइट पर खिलाड़ियों से करार के लिए जिम्मेदार आर्टटू सलोनेन ने कहा कि भाला फेंक ओलंपिक

खास बातें

- 18 जून को पावो नूरमी खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे नीरज
- दोहा ढायमंड लीग मीट से अपने सत्र की शुरुआत करेंगे नीरज

चैंपियन नीरज चोपड़ा जून में तुर्कू लौटेंगे. चोपड़ा एक साल के ब्रेक के बाद पावो नूरमी खेलों में प्रतिस्पर्धा करेंगे जहां उनका सामना बेहतरीन प्रतियोगियों के समूह से होगा. प्रतियोगिता 18 जून को तुर्कू में होगी. उन्होंने बताया कि चोपड़ा के अलावा, हमारा पहले से ही जर्मनी के दिग्गज जूलियन वेबर और मैक्स डेह्लिंग के साथ अनुबंध है. उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य पेरिस ओलंपिक से पहले तुर्कू में गर्मियों की सबसे कठिन भाला फेंक प्रतियोगिता को आयोजित करना है. इसके लिए दूसरे खिलाड़ियों के साथ बातचीत जारी है.

हम चाहते हैं कि शीर्ष घरेलू नाम तुर्कू में प्रतिस्पर्धा करें जिसका नेतृत्व ओलिवर हेलैंडर (जिन्होंने 2022 सत्र में 89.83 मीटर की दूरी के साथ स्वर्ण पदक जीता था) करेंगे. इस साल फरवरी में डेह्लिंग 90.20 मीटर (अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ 79.13 से 11.07 मीटर से अधिक) की दूरी के साथ 'जर्मन विंटर थ्रोइंग चैंपियनशिप' में प्रतिष्ठित 90 मीटर की बाधा को पार करने वाले सबसे कम उम्र खिलाड़ी बने हैं. वह हालांकि 10 मार्च को पुर्तगाल के लीरिया में यूरोपियन थ्रोइंग कप में 80.30 मीटर का थ्रो कर सके. पावो नूरमी खेलों की वेबसाइट ने चोपड़ा के कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज के हवाले से कहा कि भारतीय खिलाड़ी ने 'एक साल पहले तुर्की में बेलेक शिविर में प्रशिक्षण में 90.40 दूर भाला फेंका था.

ट्रैक-फील्ड स्वर्ण विजेताओं को मिलेंगे 50 हजार डॉलर

भाषा । मोनाको

पेरिस ओलंपिक

- पुरस्कार राशि देने वाला पहल अंतरराष्ट्रीय महासंघ बनेगा डब्ल्यूए
- 48 स्पर्धाओं के स्वर्ण विजेताओं में मिलेंगे 50 हजार डॉलर

पेरिस ओलंपिक में ट्रैक एंड फील्ड के 48 स्पर्धाओं के स्वर्ण पदक विजेताओं को विश्व एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) ने पहली बार 50,000 डॉलर (41.60 लाख रुपये) की पुरस्कार राशि देने की घोषणा बुधवार को की. विश्व एथलेटिक्स के इस कदम से 2028 में लॉस एंजिलिस (एलए) में होने वाले खेलों में तीनों पदक विजेताओं को पुरस्कार देने का मार्ग प्रशस्त होगा. भारत को पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा से स्वर्ण पदक की उम्मीद है. नीरज ने तोक्यो ओलंपिक में देश के लिए एथलेटिक्स का पहला स्वर्ण पदक जीता था. वह इसके साथ ही व्यक्तिगत स्पर्धा में निशानेबाज अभिनव बिंद्रा के बाद स्वर्ण पदक जीतने वाले देश के दूसरे खिलाड़ी बने थे. इस ऐतिहासिक निर्णय के साथ डब्ल्यूए ओलंपिक खेलों में पुरस्कार राशि देने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय महासंघ बन जाएगा. डब्ल्यूए ने एक बयान में कहा कि विश्व एथलेटिक्स ओलंपिक खेलों में पुरस्कार राशि देने वाला पहला अंतरराष्ट्रीय महासंघ बन जाएगा. डब्ल्यूए पेरिस में इस ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों में सफलता के शिखर को प्राप्त वाले एथलीटों को आर्थिक रूप से पुरस्कृत करेगा. विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने कहा कि ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि की शुरुआत अंतरराष्ट्रीय निकाय और समग्र रूप से एथलेटिक्स के खेल के लिए एक 'महत्वपूर्ण क्षण' है.

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के राजस्व आवंटन से कुल 2.4 मिलियन डॉलर (लगभग 18.63 अरब रुपये) को पुरस्कार के लिए दिया गया है, जो हर चार साल में विश्व एथलेटिक्स को मिलता है. इसका उपयोग 48 एथलेटिक्स खेलों में से प्रत्येक में स्वर्ण पदक जीतने वाले एथलीटों को 50,000 डॉलर की राशि से पुरस्कृत करने के लिए किया जाएगा. उन्होंने कहा कि विश्व एथलेटिक्स की इस पहल में एलए 2028 ओलंपिक खेलों में रजत और कांस्य पदक विजेताओं तक विस्तार किये जाने की प्रतिबद्धता शामिल है. रिले टीमों को भी इसी राशि से सम्मानित किया जायेगा, जिसे टीम के सभी खिलाड़ी आपस में साझा करेंगे. उन्होंने कहा कि 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक से जुड़ी पुरस्कार राशि के प्रारूप और संरचना की घोषणा खेलों के समय के करीब की जाएगी.

गुकेश को नेपोम्नियाश्चि के साथ संयुक्त बढत

टोरंटो । ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने अजरबैजान के निजात अबासोव को एक कड़े मुकाबले में हराकर रूस के इयान नेपोम्नियाश्चि के साथ संयुक्त बढत हासिल कर ली है और फिडे शतरंज टूर्नामेंट के पांचवें दौर में जीत दर्ज करने वाले वह इकलौते भारतीय बने. डबल राउंड रॉबिन टूर्नामेंट के नौ दौर अभी बाकी है, सत्रह वर्ष के गुकेश और नेपोम्नियाश्चि 3.5 अंक लेकर शीर्ष पर हैं जबकि अमेरिका के शीर्ष वरीयता प्राप्त फेबियानो कारूआना उनसे आधा अंक पीछे हैं. अमेरिका के हिकारू नकामूरा ने फ्रांस के फिरोजा अलीरजा को हराया जबकि भारत के आर प्रज्ञानानंदा ने नेपोम्नियाश्चि के साथ ड्रॉ खेला.

आईपीएल में पंजाब किंग्स की नयी खोज शशांक सिंह ने कहा-

घरेलू स्तर पर कड़ी मेहनत महत्वपूर्ण

भाषा । मुल्लांपुर

पंजाब किंग्स की नयी खोज शशांक सिंह ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में नये खिलाड़ियों को मिल रही सफलता के पीछे उनका आत्मविश्वास और घरेलू क्रिकेट में की गई अपार मेहनत है. सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत के लिये 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए शशांक ने 25 गेंद में 46 रन बनाये और आशुतोष शर्मा ने 15 गेंद में 33 रन की पारी खेली लेकिन उनकी टीम दो रन से चूक गई. शशांक ने इससे पहले गुजरात टाइटंस के खिलाफ नाबाद 61 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई थी.

सबसे जरूरी है आत्मविश्वास : हार के बावजूद प्रशंसा के पात्र बने शशांक ने कहा कि आत्मविश्वास सबसे जरूरी है. जिस तरह से हम घरेलू क्रिकेट खेलते हैं. सनराइजर्स के नीतिश रेड्डी को देखिये जो घरेलू क्रिकेट में हर प्रारूप में रन बनाता और विकेट लेता है. रेड्डी ने सनराइजर्स के लिये 37 गेंद में 64 रन बनाये.केकेआर के अंगकृष रघुवंशी भी अच्छी पारियां खेलने में कामयाब रहे हैं. शशांक ने कहा कि नीतिश , अंगकृष और आशुतोष ने मुश्ताक अली, विजय हजारे और रणजी ट्रॉफी में रन बनाये हैं. उन्होंने कहा कि आप इन खिलाड़ियों को गुमनाम कह सकते हैं लेकिन घरेलू सर्किट में ये जाने माने नाम हैं. इन्होंने घरेलू क्रिकेट में अच्छा खेला है और आईपीएल में उनका प्रदर्शन उसका ईनाम है. इस स्तर पर क्रिकेट आत्मविश्वास का ही खेल है.शशांक ने कहा कि हम दो रन से हार गए और हार सबसे दर्दनाक होती है क्योंकि हम जीतने के लिये खेलते हैं. हार तो हार ही है , चाहे दो रन से हो या 20 रन से. हमें आखिरी ओवर तक जीत का यकीन था.

क्रिकेट तीन अलग चोट उबरकर पिछले सप्ताह नंबर एक टी-20 बल्लेबाज ने की थी वापसी

खुद को बेहतर बनाने के लिए करनी पड़ी कड़ी मेहनत : सूर्यकुमार

भाषा । मुंबई

भारत और मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने बुधवार को बताया कि वह पिछले तीन महीनों में तीन अलग-अलग चोट से जूझ रहे हैं लेकिन 'उबाऊ' रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरने के बाद उन्होंने खुद को 'बेहतर' बनाने के लिए कड़ी मेहनत की. दुनिया के नंबर एक टी-20 बल्लेबाज ने पिछले सप्ताह चोट से उबर कर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वापसी की थी.

उन्होंने बताया कि वह 'स्पोर्ट्स हर्निया' के अलावा टखने और दाहिने घुटने में चोट की समस्या का भी सामना कर रहे थे. 'स्पोर्ट्स हार्निया' से उबरने के लिए उन्हें सर्जरी करानी पड़ी. यादव ने कहा कि मुझे एक साथ दो-तीन अलग-अलग चोट का सामना करना पड़ा. स्पोर्ट्स हर्निया, टखना और फिर दायां घुटना. मुझे एक समय में एक कदम उठाना था, छोटी-छोटी चीजों का पालन करना था और आज मैं मैदान पर आकर वास्तव में खुश हूं.

खास बातें

- स्पोर्ट्स हर्निया, टखने व घुटने की समस्या से जूझ रहे थे सूर्या
- स्पोर्ट्स हर्निया से उबरने के लिए सूर्या ने करायी थी सर्जरी
- सूर्या ने कहा, उबरने की प्रक्रिया के शुरुआती दिन काफी कठिन थे

पत्नी से बातचीत ने बदला सूर्याकुमार यादव नजरिया

सूर्यकुमार ने कहा कि इस दौरान पत्नी के साथ बातचीत ने उनका नजरिया बदला. इस आक्रामक बल्लेबाज ने कहा कि जब मैंने पत्नी और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के लोगों से बात की, तो उन्होंने कहा कि आपको खुद में बदलाव लाना होगा, जब आप मैदान पर वापस आएंगे तो आपको थोड़ा अलग होना होगा। मैंने समय पर सोने, बेहतर आहार लेने जैसी सभी छोटी चीजें करना शुरू कर दिया. यह सबसे महत्वपूर्ण था.

काफी उबाऊ थी चोट से उबरने की प्रक्रिया : सूर्यकुमार ने कहा कि उनके लिए चोट से उबरने की प्रक्रिया काफी उबाऊ थी लेकिन उन्होंने इस समय का पूरा फायदा उठाने की सोची. उन्होंने कहा कि मेरे लिए पिछले तीन या साढ़े तीन महीने के बारे में बात करना काफी मुश्किल है. शुरुआती दो तीन सप्ताह में यह परेशान करने वाला था क्योंकि मुझे लगता था कि रिहैबिलिटेशन में एक ही चीज बार-बार कर रहा हूं.

सूर्यकुमार ने कहा कि खेल से दूर रहने से उन्हें उन पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिली, जिन्हें उन्होंने नजरअंदाज कर दिया था और इससे उन्हें तेजी से ठीक होने में मदद मिली. उन्होंने कहा कि मैंने अपनी जिंदगी में कभी किताब नहीं बढ़ी थी और अब मैंने पढ़ना शुरू कर दिया है. मैंने सुबह जल्दी उठने और फिर रिहैबिलिटेशन केंद्र में समय देने के साथ अपनी नियंत्रण वाले चीजों पर ध्यान देना शुरू कर दिया.

सूर्या ने की कोच व कर्मचारियों की सराहना : सूर्यकुमार यादव ने इस मौके पर बेंगलुरु स्थित एनसीए के कोच और कर्मचारियों की सराहना की. उन्होंने कहा कि मैं वास्तव में एनसीए के सहयोगी स्टाफ, प्रशिक्षकों से लेकर फिजियो तक सभी का आभारी हूं, जिन्होंने मेरी देखभाल की. शुरुआती कुछ दिनों में मुझे चीजें ठीक नहीं लग रही थी लेकिन फिर उन्होंने इसे गंभीरता से लिया और अच्छी तरह समझ गए कि मैं कैसे काम करना चाहता हूं.

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के पहले दौर से बाहर हुए लक्ष्य

- चीन के शियू कि से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हुए लक्ष्य
- शि यू ने लक्ष्य सेन को 19-12, 15-21 से हराया

भाषा । निंगबो

भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप के पुरूष एकल पहले दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त चीन के शि यू कि से हारकर बाहर हो गए. विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता सेन को 53 मिनट तक चले मुकाबले में 19-21, 15-21 से पराजय झेलनी पड़ी. भारत के प्रियांशु राजावत भी पहले दौर में हार गए. उन्हें आठवीं वरीयता प्राप्त मलेशिया के ली जि जिया ने 21-9, 21-13 से हराया. महिला युगल में रूतुपर्णा और श्वेतपर्णा पांडा भी चीन की सातवीं वरीयता प्राप्त झांग शू शियान और झेंग यू डब्ल्यू से 8-21, 12-21 से हार गई. सेन ने चीनी प्रतिद्वंद्वी को काफी कठिन चुनौती दी और कोर्ट के चारों ओर दौड़ाया. कि ने हालांकि लंबी रैलियां लगाकर बढत बना ली और लगातार पांच अंक लेकर यह बढत 16-14 की कर ली. सेन ने 19-19 से बराबरी की लेकिन कि ने दो अंक लेकर पहला गेम जीता. दूसरे गेम में भी यही कहानी रही और ब्रेक तक मुकाबला बराबरी का था. सेन ने एक समय 9-8 से बढत बना ली थी लेकिन फिर स्कोर 11-12 हो गया. इसके बाद सेन ने कई गलतियां की और थकान हावी होने से अंक भी गंवाये.

ब्रीफ खबरें

नालंदा में किसान की गोली मार कर हत्या

बिहारशरीफ । नालंदा में बुधवार की सुबह अपराधियों ने एक किसान की हत्या गोलीमार कर दी. बदमाशों ने काफी करीब से किसान को चार गोली मारी, जिससे उनकी मौत मौके पर ही हो गई. यह घटना नालंदा जिले के गोकुलपुर थाना क्षेत्र के पकड़िया विगहा गांव की है. घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची स्थानीय थाने की पुलिस में डेड बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है. पुलिस ने हालिया अनुसंधान में खुलासा करते हुए पैसे के लेनदेन के विवाद के उपरांत किसान की हत्या की जाने की बात बतायी जा रही है.

तालाब में डूबने स बच्ची की मौत

बिहारशरीफ । इस्लामपुर थाना क्षेत्र के इचहोस तकिया पर गांव मे तालाब में डूबने से बुधवार को एक बच्ची की मौत हो गयी. मृतक इसलामपुर थाना क्षेत्र के इचहोस गांव निवासी उपेंद्र सपेरा के दस साल की बेटी प्रीति कुमारी है. घटना के सूचना मिलते ही इस्लामपुर थाना पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर मृतक बच्ची के शव को बिहारशरीफ पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. घटना के संबंध में मृतक बच्ची के परिजन ने बताया कि मृतक बच्ची प्रीति कुमारी गांव के बगल में ही स्थित तालाब में अपने कुछ सहेलियों के साथ नहाने गई थी. इस दौरान वह गहरे पानी में चली गयी और डूबने से उसकी मौत हो गई.

नवादा में महिला की पीट-पीटकर हत्या

नवादा । नवादा जिले के कौआकोल थाना क्षेत्र के ईटपकवा गांव में बुधवार को एक विवाहिता महिला की पीट-पीटकर हत्या कर दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है. मृतक महिला तीन छोटे-छोटे बच्चों की मां बताई जाती है. महिला की हत्या का आरोप मृतक के ससुराल वालों पर ही लगाया गया है. आरोप है कि पारिवारिक विवाद में मृतक के ससुराल वालों ने उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी है. मृतक महिला ईटपकवा गांव निवासी सुबोध यादव की 30 वर्षीय पत्नी खुशबू कुमारी है. मृतक महिला के पिता जगरनाथ यादव ने घटना को लेकर कौआकोल थाना में आवेदन दिया है.

गृह मंत्री अमित शाह ने गया के गुरारू में किया जनसभा को संबोधित, बोले-

पीएम मोदी ने कर्पूरी को भारत रत्न देकर पिछड़ों को किया सम्मानित

- अमित शाह बोले- मोदी को 400 पार करा दो
- भारत बन जाएगी तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था

संवाददाता । गया

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को बिहार में एनडीए उम्मीदवारों के समर्थन में चुनाव अभियान शुरू किया. गया जिला के गुरारू में चुनावी रैली को संबोधित करने से पहले अमित शाह ने सूर्यमंदिर को नमन किया. उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कर्पूरी ठाकुर का नाम तो कई लोग लेते थे लेकिन कभी भी उनको सम्मान नहीं दिया. नरेंद्र मोदी ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देकर पिछड़ों को सम्मानित किया. उन्होंने कहा 2019 के चुनाव में एनडीए को 39 सीट मिली थी, 40 में से एक सीट कम रह गई थी. इस बार बिहार से हम 40 सीट मांग रहे हैं.

शाह ने कहा मोदी को एक बार 400 के पार करा दो, इस देश की अर्थव्यवस्था तीसरे नंबर पर पहुंच जाएगी. मोदी का वादा सच हो जाएगा. उन्होंने कहा कि कांग्रेस-राजद के लोग राम मंदिर को बनने नहीं दे रहे थे. 17 अप्रैल को रामनवमी के दिन रामलला पहली बार अपना जन्मदिन मनाएंगे. कश्मीर से 370 हटाए जाने का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कि असंभव लगने वाले काम को भी मोदी ने किया. कांग्रेस के शासन के दौरान कोई भी पाकिस्तान से घुस आता था और बम विस्फोट कर देता था. मोदी आए तो पाकिस्तान में घुसकर पुलवामा का बदला ले लिए.

भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को जेल जाना होगा : इस दौरान गृह मंत्री ने भ्रष्टाचारियों पर भी हमला बोला. उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को जेल जाना होगा. इन लोगों ने गरीबों को लूटा है, देश का पैसा लूटा है. मोदी सरकार उन्हें किसी भी हालत में नहीं बख्शेगी, उन्हें पाई-पाई चुकानी होगी. उन्होंने आखिरकार गया में जीतन राम मांझी और औरंगाबाद में सुशील कुमार के लिए वोट करने की अपील की.

सभा में पूर्व सीएम जीतनराम मांझी ने सभा को संबोधित करते हुए औरंगाबाद से भाजपा के प्रत्याशी सुशील कुमार सिंह के लिए वोट मांगा. उन्होंने कहा कि एनडीए इस बार 400 से ज्यादा सीट जीतने जा रही है. उन्होंने कहा कि गया में मुझे और औरंगाबाद में सुशील सिंह को वोट दें. इससे पहले अमित शाह दिल्ली से सीधे गया एयरपोर्ट पहुंचे और वहां से हेलिकॉप्टर से गुरारू पहुंचे. इस कार्यक्रम में बिहार भाजपा अध्यक्ष सहित तमाम वरिष्ठ नेता शामिल थे. चुनाव की घोषणा से पहले अमित शाह ने पिछले माह पटना के पालीगंज में भाजपा के पिछड़ा महासम्मेलन को संबोधित किया था. बता दें कि गुरारू क्षेत्र गया जिले का हिस्सा है पर औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र में आता है. इस तरीके से गृह मंत्री ने एक सभा से दो लोकसभा क्षेत्र में खड़े एनडीए उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार किया. औरंगाबाद लोकसभा से एनडीए की तरफ से भाजपा के सुशील कुमार सिंह उम्मीदवार हैं तो गया से बिहार के पूर्व सीएम जीतनराम मांझी मैदान में हैं.

गायक पवन सिंह काराकाट से लड़ेंगे चुनाव

संवाददाता । पटना

भाजपा नेता और भोजपुरी फिल्मों के गायक-अभिनेता पवन सिंह ने बुधवार को बिहार के काराकाट संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ने की घोषणा की. हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वे किसी पार्टी के चुनाव चिह्न पर या फिर निर्दलीय ही राजनीति के मैदान में उतरेंगे. सिंह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'माता गुरुतरा भूमेरू' अर्थात माता इस भूमि से कहीं अधिक भारी होती हैं और मैंने अपनी मां से वादा किया था, कि मैं इस बार चुनाव लड़ूंगा. मैंने निश्चय किया है कि मैं 2024 का लोकसभा चुनाव काराकाट, बिहार से लड़ूंगा. जय माता दी.

भाजपा ने सिंह को आसनसोल से अपना उम्मीदवार बनाया था, लेकिन उन्होंने इस सीट से चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था. बिहार में राजग, पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) और पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के नेतृत्व वाले हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के साथ गठबंधन है. गठबंधन में सीटों के तालमेल के तहत काराकाट सीट रालोमो के खाते में गई है. खुद उपेंद्र कुशवाहा काराकाट से चुनाव लड़ रहे हैं. साल 2019 के लोकसभा चुनाव में काराकाट से जदयू के महाबली सिंह ने जीत दर्ज की थी. महागठबंधन ने सीटों के तालमेल के तहत यह सीट भाकपा (माले) को दी है.

पटना में ठेकेदार की गोली मारकर हत्या

पटना । राजधानी पटना में बुधवार सुबह एक व्यक्ति की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी. मामला बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र का है. बांस घाट के पास काली मंदिर से सटे गली में किराना दुकान पर व्यक्ति खड़ा था. वहीं, अज्ञात बदमाश पहुंचे और सिर में गोली मारकर भाग गए. स्थानीय लोग व्यक्ति को नजदीकी अस्पताल ले गए जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया. मृतक की पहचान मंदिरी के रहने वाले उदय यादव (उम्र 40) के रूप में हुई है. बताया जाता है कि उदय हर दिन टहलने के लिए सुबह बांस घाट स्थित गंगा किनारे जाता था. बुधवार की सुबह भी वह बांस घाट की तरफ गया था. इसी दौरान काली मंदिर के पास जब एक किराना दुकान पर खड़ा था तो यह घटना हो गई. उदय यादव ठेकेदारी का काम करता था.

मुजफ्फरपुर में ज्वेलरी दुकान से 50 लाख रुपये की लूट

संवाददाता । पटना

मुजफ्फरपुर शहर में बुधवार को तीन अपराधियों ने हथियार के बल पर एक ज्वेलरी दुकान से करीब 50 लाख रुपये के जेवर लूट लिये. पूरा मामला मुजफ्फरपुर जिले के सदर थाना क्षेत्र के टुनकी साह होमियो पैथिक कॉलेज के समीप की है, जहां स्थित कोलकता ज्वेलरी दुकान से अपराधी पहले ग्राहक बन कर पहुंचा और दुकानदार से सोने की चेन दिखाने को कहा वही जैसे ही दुकानदार ने चेन दिखाना शुरू किया दो और अपराधी दुकान में हथियार लेकर घुसे और दुकानदार और दुकान में बैठे ग्राहक को हथियार के बल पर बंधक बना लिया और दुकान से तकरीबन 50 लाख रुपये मूल्य से अधिक के जेवर समेट कर फरार हो गये. इस घटना के बाद मौके पर कई थानों की पुलिस के साथ-साथ नगर एएसपी पहुंचकर मामले की जांच में जुटी है. वही लूट की पूरी वारदात सीसीटीवी में भी कैद हो गई है.

बिजली पोल में बांध कर युवक की पिटाई

- घायल युवक के आवेदन पर आठ नामजद पर एफआईआर दर्ज

संवाददाता । पूर्वी चंपारण

जिले के संग्रामपुर थाना क्षेत्र के बरियरिया गांव में मंगलवार की देर रात एक युवक को चोर बताते हुए उसके हाथ-पैर बिजली के खंभा में बांधकर बुरी तरह मारपीट करने के मामले में बुधवार को एफआईआर दर्ज किया गया है, जिसमें आठ लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है. जख्मी युवक बरियरिया गांव के विजय लाल सहनी के पुत्र प्रदीप सहनी के आवेदन पर पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है. दर्ज एफआईआर में पीड़ित युवक ने बताया कि रात में संग्रामपुर चौक से बस पकड़ने के लिए घर से निकल कर जा रहा था, इसी बीच इमिलिया टोला गांव के ग्राम कचहरी कार्यालय के समीप चोर-चोर कहते हुए कुछ लोगों ने उसे घेर कर रस्सी से बिजली के खंभे में बांध कर डंडा व लात से बुरी तरह पिटाई किया. जख्मी करने के बाद सभी आरोपी भाग निकले. नामजद अभियुक्त में कपिलदेव, बिट्टू, बाबूलाल, विनोद सहित आठ लोग शामिल है. थानाध्यक्ष धीरज कुमार सिंह ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही हैं. उन्होंने बताया कि किसी को कानून हाथ में लेने का अधिकार नहीं है.

बीमा भारती ने विधायक पद से दिया इस्तीफा

पटना । पूर्णिया के रुपौली से विधायक बीमा भारती ने विधायकी के पद से इस्तीफा दे दिया है. चुनाव आयोग ने उनके इस्तीफे को मंजूर कर लिया है. विधायक के इस्तीफे से संबंधित अधिसूचना विधानसभा सचिवालय ने जारी कर दी है. इस्तीफे के बाद अब रुपौली में विधानसभा सीट पर उपचुनाव होगा. कुछ दिन पहले ही बीमा भारती ने जदयू की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था. इसके बाद उन्होंने राजद की सदस्यता ले ली थी. उसी वक्त कहा जा रहा था कि लालू यादव ने उन्हें पूर्णिया लोकसभा संसदीय सीट से उम्मीदवार का सिंबल दे दिया था.

ब्राऊन शुगर के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता । भागलपुर

जिले की इशाकचक पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर ब्राउन शुगर के तस्करी करने वाले के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है. पुलिस ने 100 ग्राम ब्राऊन शुगर के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है. बुधवार को सिटी एसपी राज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि लोकसभा चुनाव को देखते हुए पुलिस की ओर से छापेमारी अभियान चलाई जा रही थी. इसी क्रम में पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई की इशाकचक थाना क्षेत्र के बरहपुरा पुल के समीप टाटा वाहन पर सवार तीन तस्कर ब्राउन शुगर लेकर जा रहे हैं. इसी दौरान छापामारी टीम में शामिल डीआईयू एवं इशाकचक पुलिस के सहयोग से तीनों तस्करों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के पास से 100 ग्राम ब्राउन शुगर, 4 मोबाइल, एक चार पहिया वाहन एवं 16,700 नगद बरामद किया है. गिरफ्तार आरोपी की पहचान अक्सर अली के पुत्र शहनवाज उर्फ सन्नी खटाल, खालिक के पुत्र मोहम्मद शाहिद एवं अनु के पुत्र मोहम्मद मासिन के रूप में हुई है.

कारोबार

हार्टेक पावर को सौर परियोजना का मिला ठेका

नयी दिल्ली । हार्टेक पावर को राजस्थान में 300 मेगावाट की सौर परियोजना के विकास के लिए 474 करोड़ रुपये का ठेका मिला है. कंपनी ने बयान में कहा, एक प्रमुख वैश्विक नवीकरणीय स्वतंत्र बिजली उत्पादक से यह ठेका मिला है. परियोजना में राजस्थान में 1,209 एकड़ में फैले 300 मेगावाट के 'ग्राउंड-माउंट' सौर पीवी बिजली संयंत्र का विकास शामिल है. कंपनी हार्टेक समूह की बिजली प्रणाली व नवीकरणीय ढांचा शाखा है. हार्टेक समूह की स्थापना 1991 में की गई थी.

सिग्नेचर ग्लोबल का शुद्ध ऋण 6% बढ़ा

नयी दिल्ली । रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल का शुद्ध ऋण पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में छह प्रतिशत बढ़कर 1,160 करोड़ रुपये हो गया. कंपनी का वित्त वर्ष 2022-23 में शुद्ध ऋण 1,090 करोड़ रुपये था. गुरुग्राम स्थित सिग्नेचर ग्लोबल के अनुसार, आवासीय परियोजनाओं के विकास के लिए भूमि अधिग्रहण अधिक करने किए जाने से गत वित्त वर्ष में शुद्ध ऋण में इजाफा हुआ. सिग्नेचर ग्लोबल ने रविवार को बताया था कि बीते वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी की बिक्री बुकिंग दोगुना होकर 7,270 करोड़ रुपये रही थी.

भारत सबसे तेजी से बढ़ता बाजार : ब्रिजस्टोन

नयी दिल्ली । जापान की टायर विनिर्माण कंपनी ब्रिजस्टोन को भारत में 2024 से 2026 के बीच राजस्व में 25 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है. भारत कंपनी का वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ने वाला बाजार है. ब्रिजस्टोन इंडिया के प्रबंध निदेशक हिरोशी योशिजेन ने कहा, आज हमारे कुल वैश्विक खंड में से (भारत में) व्यवसाय का आकार सीमित है. हालांकि, यह वैश्विक स्तर पर हमारा सबसे तेजी से बढ़ने वाला बाजार है. इसलिए भारत में रणनीतिक तौर पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि ब्रिजस्टोन पहले से ही भारत में यात्री वाहन टायर के आफ्टर मार्केट खंड में करीब 20 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ अग्रणी है.

डीपीए में बड़े पैमाने पर कंपनियां स्थापित करेंगी ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया यूनिट

ग्रीन एनर्जी का हब बनते जा रहा है भारत

डीपीए ने चार कंपनियों को भूखंड आवंटित कर दिए

भाषा । नयी दिल्ली

निवेशक तैयार

- एक लाख करोड़ रुपये तक का हो सकता निवेश
- आरआईएल को छह भूखंड आवंटित किए गए हैं

विश्व में ग्रीन एनर्जी की मांग बढ़ रही है. इसलिए दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियां ग्रीन एनर्जी में निवेश करने में लगी हैं. इस दिशा में अब मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और लार्सन एंड टुब्रो के साथ-साथ ऊर्जा कंपनियां ग्रीनको ग्रुप और वेलस्पन न्यू एनर्जी भी आगे बढ़ रही है. ये कंपनियां गुजरात के कांडला में दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी (डीपीए) में बड़े पैमाने पर ग्रीन एनर्जी में निवेश की तैयारी में हैं.

सूत्रों की मानें तो ये कंपनियां वहां ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया यूनिट स्थापित करेंगी. इस प्रोजेक्ट पर एक लाख करोड़ रुपये तक का निवेश हो सकता है. यह भारत में इस क्षेत्र और एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में अब तक का सबसे बड़ा निवेश होगा. पोर्ट अथॉरिटी को पिछले साल अक्टूबर में 300 एकड़ के 14 लैंड पार्सल के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट प्राप्त हुए थे. प्रत्येक लैंड पार्सल को सालाना 10 लाख टन (एमटीपीए) ग्रीन अमोनिया के लिए निर्धारित किया गया है. सूत्रों के मुताबिक पिछले महीने डीपीए ने चार कंपनियों को भूखंड आवंटित कर दिए. एक सूत्र ने कहा कि डीपीए ने कुल 4,000 एकड़ भूमि के साथ 14 भूखंडों की पेशकश की. इसमें से रिलायंस को छह भूखंड आवंटित किए गए हैं.

ऊर्जा कंपनियों के साथ 13 एमओयू साइन किए

डीपीए ने पिछले साल रिन्यू, ईफ्यूएल, स्टार्टक्राफ्ट इंडिया, वेलस्पन न्यू एनर्जी, सेंबकॉर्प ग्रीन हाइड्रोजन इंडिया, टोरेंट पावर लिमिटेड, एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी और ग्रीनको ग्रुप सहित ऊर्जा कंपनियों के साथ 13 एमओयू साइन किए थे. इस बारे में रिलायंस, ग्रीनको, वेलस्पन और डीपीए ने प्रश्नों का जवाब नहीं दिया. लार्सन ने भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया. मिनिस्ट्री ने ग्रीन शिपिंग के लिए एक राष्ट्रीय कार्य योजना भी तैयार की है. इसमें बंदरगाहों पर वीकल एमिशन को कम करने के लिए रिन्यूएबल एनर्जी और ग्रीन फ्यूल का यूज बढ़ाना शामिल है. इसका मकसद बंदरगाहों पर भविष्य में उपयोग के लिए अमोनिया और हाइड्रोजन को ईंधन के रूप में पेश करना भी है.

इसमें लार्सन को पांच, ग्रीनको ग्रुप को दो और वेलस्पन न्यू एनर्जी को एक भूखंड आवंटित किया गया है. इन चार कंपनियों ने नीलामी में सबसे अधिक बोली लगाई थी. आम चुनाव से पहले आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण इस जानकारी को सार्वजनिक नहीं किया गया है. सूत्रों का कहना है कि चुनाव के बाद जून में इस बारे में औपचारिक घोषणा की जाएगी. कांडला पोर्ट में सात एमटीपीए ग्रीन अमोनिया और 1.4 एमटीपीए ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य है.

कच्छ की खाड़ी में स्थित, डीपीए देश के पश्चिमी तट पर स्थित प्रमुख बंदरगाहों में से एक है. ग्रीन हाइड्रोजन (जीएचटू) को रिन्यूएबल एनर्जी स्रोतों से प्राप्त बिजली का उपयोग करके पानी को इलेक्ट्रोलाइज करके बनाया जाता है. इसमें किसी भी ग्रीनहाउस गैस का उत्सर्जन नहीं होता है. यह ग्रीन हाइड्रोजन को फ्यूल बनाने के वैश्विक प्रयास का एक हिस्सा है. यह दुनिया को नेट-जीरो एमिशन लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है. अमोनिया ग्रीन हाइड्रोजन के लिए सबसे बड़ा एंड-यूजर सेगमेंट है और बड़े पैमाने पर जीएचटू के उत्पादन में अहम भूमिका निभाता है. नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के हिस्से के रूप में मिनिस्ट्री ऑफ पोर्ट्स, शिपिंग एंड वॉटलेज ने ऐसे तीन बंदरगाहों की पहचान की है. जिन्हें 2030 तक ग्रीन हाइड्रोजन का हब बनाया जाना है.

मार्च में इक्विटी म्यूचुअल फंड में आया 22,633 करोड़ रुपये का निवेश

नयी दिल्ली । इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश मार्च में एक महीने पहले की तुलना में 16 प्रतिशत घटकर 22,633 करोड़ रुपये रहा है. म्यूचुअल फंड कंपनियों के निकाय एम्फी ने बुधवार को मार्च महीने के आंकड़े जारी किए. आंकड़ों के मुताबिक, इक्विटी फंड में शुद्ध प्रवाह का सिलसिला लगातार 37वें महीने यानी मार्च में भी जारी रहा. एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के मुताबिक, म्यूचुअल फंड उद्योग ने कुल मिलाकर फरवरी में 1.2 लाख करोड़ रुपये का प्रवाह देखा गया था, जबकि मार्च में 1.6 लाख करोड़ रुपये की बड़ी निकासी हुई. इस निकासी की बड़ी वजह यह रही कि ऋण-आधारित म्यूचुअल फंड योजनाओं में 1.98 लाख करोड़ रुपये की निकासी की गई. आंकड़ों के मुताबिक, इक्विटी-आधारित म्यूचुअल फंड योजनाओं में मार्च में 22,633 करोड़ रुपये का प्रवाह देखा गया जबकि फरवरी में यह 26,866 करोड़ रुपये था. स्मॉल कैप फंड को छोड़कर सभी श्रेणियों की इक्विटी योजनाओं में शुद्ध निवेश दर्ज किया गया. म्यूचुअल फंड कंपनियों की प्रबंधन-अधीन शुद्ध परिसंपत्तियां पिछले महीने 53.4 लाख करोड़ रुपये रह गईं जबकि फरवरी के अंत में यह 54.54 लाख करोड़ रुपये थीं.

जेटवर्क ने 1,000 करोड़ रुपये का किया निवेश

नयी दिल्ली । विनिर्माण यूनिकॉर्न जेटवर्क ने आईटी हार्डवेयर, टेलीविजन, मोबाइल फोन और अन्य उत्पाद खंड में अपनी इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्षमता का विस्तार करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बनाई है. कंपनी का लक्ष्य मोबाइल फोन, सुनने व पहनने के उत्पादों में अग्रणी ओडीएम और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवा प्रदाता बनना है. जेटवर्क ने एक बयान में कहा, कंपनी ने अपने इलेक्ट्रॉनिक्स कारोबार को बढ़ाने के लिए 1,000 करोड़ रुपये का निवेश निर्धारित किया है. जेटवर्क इलेक्ट्रॉनिक्स के अध्यक्ष जोश फ़ॉल्गर ने कहा कि कंपनी का मानना है कि भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र हर वर्ष एक परिवर्तनकारी बदलाव का अनुभव कर रहा है.

बेस्ट एग्रोलाइफ के शेयर एनएसई पर सूचीबद्ध

नयी दिल्ली । कृषि रसायन कंपनी बेस्ट एग्रोलाइफ लिमिटेड के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर बुधवार को 687.70 रुपये पर सूचीबद्ध हुए. बेस्ट एग्रोलाइफ बीएसई पर पहले से ही सूचीबद्ध है. एनएसई पर शेयर ने 687.70 रुपये पर कारोबार शुरू किया. बाद में 695 रुपये के उच्चतम और फिर 665.35 रुपये के निचले स्तर पर पहुंच गया. बीएसई पर कंपनी के शेयर 4.73 प्रतिशत चढ़कर 699 रुपये पर पहुंच गए. बेस्ट एग्रोलाइफ लिमिटेड ने मंगलवार को कहा था कि कंपनी के शेयर 10 अप्रैल से स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होंगे. कंपनी के गजरौला, ग्रेटर नोएडा और जम्मू-कश्मीर में तीन विनिर्माण संयंत्रों में 'टेक्निकल' के लिए 7,000 टन सालाना और फॉर्मूलेशन के लिए 30,000 टन वार्षिक की विनिर्माण क्षमता है.

जेएलआर इंडिया की बिक्री 81 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली । टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाली जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) की भारत में खुदरा बिक्री बीते वित्त वर्ष (2023-24) में 81 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 4,436 इकाई रही है. जेएलआर इंडिया ने बुधवार को बयान में कहा कि 81 प्रतिशत की सालाना वृद्धि 2009 में भारतीय बाजार में प्रवेश के बाद से कंपनी के बेहतरीन प्रदर्शन में से एक है. यह पिछले पांच साल का सबसे ऊंचा आंकड़ा है. कंपनी ने कहा कि स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) रेंज रोवर और डिफेंडर की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर क्रमशः 160 प्रतिशत और 120 प्रतिशत बढ़ी है. 2024 में बाजार में आए नए मॉडल 'डिस्कवरी स्पोर्ट' और 'रेंज रोवर इवोक' की बिक्री की वृद्धि दर क्रमशः 50 प्रतिशत और 55 प्रतिशत रही हैं.

मारुति सुजुकी : स्विफ्ट के नाम 25000 बढ़े

नयी दिल्ली । वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने अपने लोकप्रिय मॉडल स्विफ्ट की कीमत 25,000 रुपये तक बढ़ा दी है. इसके अलावा स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) ग्रैंड विटारा के चुनिंदा मॉडल के दाम भी बढ़ाये गये हैं. मारुति सुजुकी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि स्विफ्ट की कीमत 25,000 रुपये तक बढ़ाई गई है. इसी तरह, ग्रैंड विटारा के सिग्मा वैरिएंट की कीमत 19,000 रुपये तक बढ़ा दी गई है. कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, अब स्विफ्ट का मूल्य 5.99 लाख रुपये से 8.89 लाख रुपये (दिल्ली शोरूम) तक हो गया है. ग्रैंड विटारा के सिग्मा वैरिएंट की कीमत 10.8 लाख रुपये हो गई है. कंपनी ने कहा कि नई कीमतें 10 अप्रैल, 2024 से प्रभावी हो गई हैं.

शेयर बाजार घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को तेजी लौटी, निफ्टी भी नये शिखर पर

सेंसेक्स पहली बार 75,105.14 अंकों के नये रिकॉर्ड पर पहुंचा

एजेंसी । मुंबई

घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 354 अंक चढ़कर पहली बार 75,000 अंक के स्तर से ऊपर बंद हुआ. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी नये रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ. मुख्य रूप से दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी), ऊर्जा तथा धातु शेयरों में लाभ से बाजार में तेजी रही. तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 354.45 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की बढ़त के साथ अपने अबतक के उच्चतम स्तर 75,038.15 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय यह 421.44 अंक की तेजी के साथ 75,105.14 अंक के नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था. एनएसई निफ्टी भी 111.05 अंक यानी 0.49 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,753.80 अंक के अबतक के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ.

कारोबार के दौरान यह 132.95 अंक उछलकर 22,775.70 अंक की रिकॉर्ड ऊंचाई तक चला गया था. उल्लेखनीय है कि दोनों मानक सूचकांक मंगलवार को कारोबार के दौरान सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गये थे. सेंसेक्स पहली बार 75,000 के ऊपर पहुंचा था. लेकिन बाद में मुनाफावसूली से यह नुकसान में रहा था.

घरेलू बाजार में तेजी का रुख बना हुआ

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, घरेलू बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है. इसका कारण छोटी (स्मॉल कैप), मझोली (मिड कैप) और बड़ी कंपनियों (लार्ज कैप) कंपनियों के शेयरों में अच्छी तेजी का होना है. उन्होंने कहा कि निवेशकों की नजर फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे और अमेरिका में मुद्रास्फीति के आंकड़े पर है. सेंसेक्स के शेयरों में आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और नेस्ले प्रमुख रूप से लाभ में रहे. दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में मारुति, एचडीएफसी बैंक, लार्सन एंड टुब्रो और महिंद्रा एंड महिंद्रा शामिल हैं. रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (तकनीकी शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि ज्यादातर क्षेत्रों में तेजी का रुख रहा. एफएमसीजी, धातु और ऊर्जा क्षेत्र के शेयर प्रमुख रूप से लाभ में रहे. अधिक शेयरों का प्रतिनिधित्व करने वाले सूचकांकों में भी दो दिन के बाद तेजी रही और ये 0.7 से 0.9 प्रतिशत के बीच लाभ में रहे.

सोने की कीमतों में 245 रु. की हुई बढ़ोत्तरी

बुधवार को सोने की कीमत 245 रुपये की तेजी के साथ 71,585 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में जून माह में आपूर्ति वाले अनुबंध का भाव 245 रुपये यानी 0.34 प्रतिशत की तेजी के साथ 71,585 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया. इसमें 23,529 लॉट का कारोबार हुआ. बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा ताजा सौदों की लिवाली करने से सोना वायदा कीमतों में तेजी आई.

ब्रीफ खबरें

बायोगैस के गड्ढे में गिरने से पांच की मौत

पुणे । महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में बायोगैस के एक गड्ढे में एकत्रित पशु अपशिष्ट के घोल में गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई. अधिकारियों ने बताया कि मृतकों के शव घटना के कुछ घंटे बाद बरामद किए गए. उन्होंने बताया कि घटना मंगलवार की शाम को नेवासा तहसील के वाकडी गांव में हुई. अधिकारियों ने आधी रात के बाद पांच मृतकों के शव बाहर निकाले. नेवासा पुलिस थाने के निरीक्षक धनंजय जाधव ने कहा, हमने बायोगैस के गड्ढे में जानवरों के अपशिष्ट घोल से मृतकों के शव बरामद किए हैं.

जैन धर्मगुरु लोकेश मुनि को किया सम्मानित

वाशिंगटन । भारत के जैन धर्मगुरु लोकेश मुनि को जनता के कल्याण और मानवता के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए अमेरिका के 'प्रेसिडेंट्स गोल्ड वालेंटियर सर्विस' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है. भारत में 'अहिंसा विश्व भारती एवं विश्व शांति केंद्र' के संस्थापक मुनि को डेमोक्रेटिक सांसद ब्रैड शर्मन ने इस पुरस्कार से सम्मानित किया. राष्ट्रपति जो बाइडन के हस्ताक्षर वाले प्रशस्तिपत्र में कहा गया, मैं जन कल्याण में आपके योगदान के लिए आपको मुबारकबाद देता हूं.

इमारत में आग लगने से पांच लोगों की मौत

हांगकांग । हांगकांग की एक बड़ी इमारत में आग लगने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य लोग घायल हो गए. हांगकांग के जॉर्डन में 'न्यू लकी हाउस' नामक इमारत में लगी आग को सुबह बुझा दिया गया लेकिन पुलिस ने कहा कि इमारत के भीतर मौजूद लोग अब भी मदद के लिए गुहार लगा रहे हैं. इस इमारत में अधिकतर आवासीय इकाइयां हैं. प्राधिकारियों ने बताया कि सुबह सात बजकर 53 मिनट पर आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकलकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे.

कांग्रेस और द्रमुक पर प्रधानमंत्री मोदी ने बोला हमला

भ्रष्टाचार पर पहला कॉपीराइट द्रमुक का, परिवार ने तमिलनाडु को लूटा

एजेंसी। वेल्लोर (तमिलनाडु)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कच्चातिवू मुद्दे पर बुधवार को कांग्रेस और उसकी सहयोगी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि दोनों दलों ने इस मुद्दे पर 'देश को अंधेरे' में रखा. 'शक्ति' को लेकर की गई टिप्पणी के लिए भी उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उसपर महिलाओं के अपमान का आरोप लगाया. उन्होंने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी द्रमुक पर निशाना साधा और कहा कि इस मुद्दे पर 'पहला कॉपीराइट' सत्तारूढ़ पार्टी के पास है तथा मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के 'परिवार' का इरादा राज्य को 'लूटने' का है. राज्य में 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए राजग के उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार करते हुए उन्होंने यहां एक चुनावी रैली में कहा, भ्रष्टाचार पर द्रमुक का पहला कॉपीराइट है, पूरा परिवार तमिलनाडु को लूट रहा है. उन्होंने द्रमुक पर 'एक पारिवारिक कंपनी' होने का आरोप लगाया, जो राज्य के युवाओं की 'पुरानी मानसिकता' के साथ प्रगति में बाधा बन रही है. उन्होंने कहा, द्रमुक लोगों को भाषा, क्षेत्र, धर्म और जाति के आधार पर बांटती है. वह जानती है कि जिस दिन लोग इसे पहचान जाएंगे, उसे एक भी वोट नहीं मिलेगा. मैंने द्रमुक की दशकों पुरानी खतरनाक राजनीति का पर्दाफाश करने का फैसला किया है.

द्रमुक सनातन धर्म की बुराई करते हैं

उन्होंने कहा, द्रमुक की भी यही मानसिकता है. वे सनातन धर्म की बुराई करते हैं. राम मंदिर (अयोध्या) के उद्घाटन का बहिष्कार करते हैं. मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में नया संसद भवन बना और उसमें पवित्र सेंगोल (राजदंड) की स्थापना भी की गई. उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया के लोग महिलाओं का अपमान करते हैं और हर कोई जानता है कि जब अम्मा जयललिता जीवित थीं तो द्रमुक ने उनके साथ कैसा व्यवहार किया था. प्रधानमंत्री ने कहा, भाजपा और राजग के लिए आपका आशीर्वाद सनातन शक्ति की रक्षा करेगा और महिलाओं का सम्मान सुनिश्चित करेगा. उन्होंने दावा किया कि भाजपा और राजग को तमिलनाडु में जबरदस्त समर्थन मिल रहा है.

भाजपा कड़ी मेहनत कर रही है

भाजपा पिछले कुछ सालों से तमिलनाडु की राजनीति में अपनी पैठ बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है. कच्चातिवू मुद्दे पर कांग्रेस और द्रमुक पर फिर से निशाना साधते हुए उन्होंने पूछा कि मंत्रिमंडल की किस बैठक में इसके बारे में निर्णय लिया गया था और किसको 'लाभ' पहुंचाया गया था. उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इन सवालों के जवाब नहीं दिए हैं. वर्ष 1974 में जब कच्चातिवू द्वीप श्रीलंका को सौंपा गया था तब कांग्रेस और द्रमुक क्रमश: केंद्र और राज्य की सत्ता में थे. प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि इस घटनाक्रम के बाद तमिलनाडु के मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया गया और उनकी नौकाएं जब्त कर ली गईं जबकि कांग्रेस और द्रमुक ने उनके प्रति सहानुभूति का 'दिखावा' किया. मोदी ने कहा कि राजग सरकार उनकी स्थायी रिहाई सुनिश्चित कर रही है तथा श्रीलंका में पांच भारतीय मछुआरों को फांसी से बचाया भी है.

भाजपा ने उम्मीदवारों की 10वीं सूची जारी की, चार के काटे टिकट

एजेंसी। नयी दिल्ली

भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए बुधवार को नौ उम्मीदवारों की 10वीं सूची जारी कर दी. पार्टी ने इलाहाबाद, चंडीगढ़ और फूलपुर के मौजूदा सांसदों का टिकट काटकर उनके स्थान पर नए चेहरों पर भरोसा जताया है जबकि बलिया से मौजूदा सांसद वीरेन्द्र सिंह 'मस्त' के स्थान पर पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के बेटे नीरज शेखर को मैदान में उतारा है. पार्टी की ओर से जारी सूची के मुताबिक भाजपा ने मैनपुरी से समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार डिंपल यादव के खिलाफ उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री जयवीर सिंह ठाकुर को उम्मीदवार बनाया है. इलाहाबाद की सांसद रीता बहुगुणा जोशी के स्थान पर नीरज त्रिपाठी, बलिया सांसद वीरेंद्र सिंह 'मस्त' के स्थान पर पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के पुत्र नीरज शेखर और चंडीगढ़ से किरण खेर के स्थान पर संजय टंडन को उम्मीदवार बनाया गया है. टंडन भाजपा की चंडीगढ़ इकाई के अध्यक्ष रह चुके हैं. उत्तर प्रदेश के फूलपुर से मौजूदा सांसद केशरी देवी पटेल का टिकट काट कर उनके स्थान पर प्रवीण पटेल पर पार्टी ने भरोसा जताया है.

बस खाई में गिरी 11 लोगों की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में मंगलवार रात एक बस के खाई में गिर जाने से 12 लोगों की मौत हो गयी. यह हादसा रायपुर-दुर्ग रोड पर कुम्हारी में हुआ है. खबरों के अनुसार केडिया डिस्टलरी कंपनी के कर्मचारियों से भरी बस 50 फीट गहरी खाई में गिर गयी. इस घटना में बस ड्राइवर सहित 12 लोगों की मौत हो गयी. 15 लोग घायल हो गये, जिनमें तीन महिलाएं शामिल हैं. घायलों में 10 को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. हादसे के बाद कंपनी ने मृत कर्मचारियों के आश्रितों को 10-10 लाख, परिवार के एक सदस्य को नौकरी और घायलों के इलाज का पूरा खर्च उठाने की बात मानी है.

सिसोदिया की जमानत अर्जी पर 15 को सुनवाई

नयी दिल्ली । दिल्ली की एक अदालत आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन के मामले में गिरफ्तार आप के नेता मनीष सिसोदिया की जमानत अर्जी पर 15 अप्रैल को सुनवाई करेगी. ईडी और सीबीआई मामलों की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने अर्जी पर संक्षिप्त सुनवाई के बाद मामले को 15 अप्रैल तक टाल दिया. संक्षिप्त सुनवाई के दौरान सिसोदिया के वकील ने ईडी की दलीलों का विरोध किया. सिसोदिया के वकील ने अदालत में कहा कि सीबीआई इस मामले में पहले ही इस अदालत के साथ-साथ उच्चतम न्यायालय के समक्ष दी गई.

अदालत का आदेश

नवलखा को देने होंगे 164 करोड़ रुपए: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी। नयी दिल्ली

गौतम नवलखा को हाउस अरेस्ट रहने के दौरान मिली सुरक्षा का खर्च देना होगा. सुप्रीम कोर्ट ने एक्टिविस्ट नवलखा को यह आदेश दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि महाराष्ट्र सरकार ने उनकी सुरक्षा के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती की थी. उसका खर्च गौतम नवलखा को देना होगा, क्योंकि उन्होंने खुद हाउस अरेस्ट की मांग की थी. नवलखा नवंबर 2022 से मुंबई की पब्लिक लाइब्रेरी में नजरबंद हैं. एनआईए ने जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एसवीएन भट्टी की बेंच को जो जानकारी दी कि हाउस अरेस्ट रहने के दौरान नवलखा पर 1.64 करोड़ रुपये का खर्च आया, जिसका भुगतान उन्हें करना है. जान लें कि उन्हें एल्गार परिषद-मार्कसिस्ट से संबंध रखने के मामले में गिरफ्तार किया गया था.

सतारा लोस सीट से शशिकांत शिंदे को बनाया उम्मीदवार

मुंबई । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने बुधवार को महाराष्ट्र में सतारा लोकसभा सीट के लिए विधान परिषद सदस्य शशिकांत शिंदे और रावेर संसदीय क्षेत्र के लिए श्रीराम पाटिल को अपना उम्मीदवार घोषित किया है. इससे पहले सतारा के मौजूदा सांसद श्रीनिवास पाटिल द्वारा स्वास्थ्य कारणों से दोबारा चुनाव लड़ने से इनकार करने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण के नाम पर चर्चा हो रही थी. चव्हाण ने शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा (एसपी) के चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था.

यूपी में पेपर लीक कराने वाले गिरोह का सरगना गिरफ्तार

- खुर्जा बस अड्डे के पास रवि अत्री नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा-2023 के पेपर लीक कराने वाले गिरोह के सरगना को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया. एसटीएफ के सूत्रों ने बताया कि बल ने गौतम बुद्ध नगर के जेवर इलाके में खुर्जा बस अड्डे के पास रवि अत्री नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया. उसे उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा-2023 के प्रश्न पत्रों को अहमदाबाद स्थित टीसीआई कंपनी के दफ्तर में रखे ट्रंक बॉक्स से निकालकर उन्हें सार्वजनिक करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. सरकार ने पिछले साल हुई पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक होने के बाद इन परीक्षाओं को निरस्त कर पूरे मामले की जांच एसटीएफ को सौंपी थी. इस मामले में वाराणसी, झांसी, आगरा, कानपुर, बरेली, प्रयागराज, गोरखपुर, नोएडा और बलिया समेत विभिन्न जिलों में अलग-अलग तारीखों पर कुल 12 मुकदमें दर्ज किए गए थे और कई लोगों की गिरफ्तारी भी की गई थी.

महाकालेश्वर मंदिर अग्निकांड में झुलसे सेवादार की मौत

इंदौर (मध्यप्रदेश) । होली के त्योहार पर उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में भस्म आरती के वक्त गुलाल उड़ाए जाने के दौरान लगी आग में झुलसे 14 लोगों में शामिल 79 वर्षीय सेवादार की इलाज के दौरान बुधवार सुबह मौत हो गई. उज्जैन के जिलाधिकारी नीरज कुमार सिंह ने बताया कि सेवादार को पहले इंदौर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया था लेकिन हालत में सुधार नहीं होने पर उन्हें मुंबई के 'नेशनल बर्न्स सेंटर' में भर्ती कराया गया था. सिंह ने कहा, मुंबई के अस्पताल में इलाज के दौरान सोनी की जान नहीं बचाई जा सकी.

छत्तीसगढ़ : प्रेशर बम में विस्फोट सुरक्षाबल के दो जवान हुए घायल

एजेंसी। बीजापुर

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में प्रेशर बम में विस्फोट होने से सुरक्षाबल के दो जवान घायल हो गए हैं. पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत इतावर गांव के जंगल में प्रेशर बम में विस्फोट होने से एसटीएफ के दो जवान शिवलाल मंडावी और मिथलेश मरकाम घायल हो गए हैं. उन्होंने बताया कि गंगालूर थाना क्षेत्र में सुरक्षाबलों को गश्त के लिए रवाना किया गया था. दल जब आज सुबह पांच से छह बजे के मध्य इतावर गांव के करीब था तब जवानों का पैर नक्सलियों द्वारा लगाए गए प्रेशर बम के संपर्क में आ गया. इससे बम में विस्फोट हो गया और दोनों जवान घायल हो गए. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घायल जवानों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है. उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है. उन्होंने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान जारी है.

दिल्ली के मंत्री राज कुमार आनंद ने इस्तीफा दिया

नयी दिल्ली । दिल्ली के मंत्री राज कुमार आनंद ने आम आदमी पार्टी (आप) में दलितों को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए बुधवार को मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया और पार्टी छोड़ दी. समाज कल्याण समेत विभिन्न विभाग संभालने वाले आनंद ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि 'आप' के शीर्ष नेताओं में कोई दलित नहीं है. उन्होंने आप के दलित विधायकों, मंत्रियों और निगम पार्षदों को कोई सम्मान नहीं दिए जाने का भी आरोप लगाया. आनंद पटेल नगर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)